THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 344 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.8, 2082 बुधवार, 11 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत का चीन के साथ व्यापारिक घाटा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। इस अहम फैसले के तहत सरकार ने 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' के प्रावधानों में ढील दी है। >14

कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर 'सुप्रीम' निर्देश

केंद्र सरकार को मुआवजा नीति बनाने को कहा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है।

अदालत ने मंगलवार को कहा कि सरकार ऐसी नीति तैयार करे, जिसके तहत कोविड वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान होता है तो उसे नो-फॉल्ट मुआवजा दिया जा सके।

यह फैसला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल टीकाकरण के बाद होने वाले दुष्प्रभावों की निगरानी के लिए जो मौजूदा

व्यवस्था है, वही जारी रहेगी। इसके लिए किसी नए अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ पैनल की जरूरत नहीं है।

केंद्र सरकार से क्या बोला सुप्रीम कोर्ट :

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर किसी व्यक्ति को वैक्सीन के कारण नुकसान हुआ है तो वह कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी रास्तों का भी इस्तेमाल कर सकता है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि नो-फॉल्ट मुआवजा की नीति बनाना सरकार की गलती या जिम्मेदारी मानने के बराबर नहीं होगा।

अब समझिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, अदालत में कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इनमें एक याचिका में आरोप लगाया गया था कि साल 2021 में कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद दो महिलाओं की मौत हो गई थी। याचिका में कहा गया था कि दोनों को टीकाकरण के बाद गंभीर दुष्प्रभाव हुए थे। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मुआवजे से जुड़ी नई नीति बनाने का निर्देश दिया है।

'यूसीसी लागू करने का सही समय'

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में अब इस विषय पर लंबित से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शरीयत कानून की धाराओं को रद्द करने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम फैसला लेना विधायिका का अधिकार क्षेत्र है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें जॉयमाल्या बागची और आर. महादेवन भी शामिल थे। पीठ 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

जूडिशियल अफसरों पर शक करने की हिम्मत नहीं करें

नई दिल्ली/कोलकाता, 10 मार्च (एजेंसियां)। एसआईआर की शिकायतों की जांच कर रहे जूडिशियल अफसरों पर सवाल उठाने पर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई है।

मंगलवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली एक बेंच ने कहा कि कोर्ट की ओर से नियुक्त न्यायिक अधिकारी पहले ही तय समय से ज़्यादा काम कर रहे हैं और उनके काम को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार, भारत निर्वाचन आयोग और अलग-अलग याचिकाकर्ताओं को सख्त चेतावनी दी कि वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में हटाए गए मतदाताओं की जांच के लिए नियुक्त न्यायिक अधिकारियों पर शक न करें। >14

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता : ज्ञानेश कुमार

कोलकाता, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पिछले दो दिनों में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया है। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं और यहां के लोग शांतिपूर्ण व सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि राज्य में मतदाताओं की संख्या फ्रांस और उरुग्वे जैसे देशों के कुल मतदाताओं के बराबर है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि राज्य में करीब 80,000 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से लगभग 61,000 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत

वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि मतदान प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची शुद्ध हो और सभी योग्य मतदाताओं के नाम सूची में मौजूद हों। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों का पूर्णत: निष्पक्ष और गैर-पक्षपाती आचरण बेहद आवश्यक है।

अमेरिका बोला-ईरान पर सबसे बड़े हमले होंगे

ईरान बोला-ट्रम्प की धमकी से नहीं डरते, हमें मारने के चक्कर में खुद न मर जाएं

तेल अवीव/तेहरान, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 11वां दिन है। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि मंगलवार को ईरान पर अब तक के सबसे बड़े और सबसे तीव्र हमले किए जाएंगे।

हेगसेथ के मुताबिक इस हमले में बड़ी संख्या में फाइटर जेट और बमवर्षक विमान शामिल होंगे। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो रही हैं और वह बुरी तरह हार रहा है।

वहीं ईरान ने भी जवाब देते हुए कहा है कि वह धमकियों से डरने वाला नहीं है और जो लोग ईरान को खत्म करने की बात करते हैं, उन्हें अपने अंजाम के बारे में सोच लेना चाहिए। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ने कहा कि ईरानी लोग अमेरिका की धमकियों से नहीं डरते।

लारीजानी ने कहा कि पहले भी कई ताकतवर लोग ईरान को खत्म करने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन वे सफल नहीं हुए। लारीजानी ने ट्रम्प को चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग ईरान को मिटाने की बात कर रहे हैं, उन्हें सावधान रहना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि ईरान को मारने के चक्कर में वे खुद ही खत्म हो जाएं।

'स्पीकर सरकार की आवाज नहीं, बल्कि सदन के अधिकारों के संरक्षक होते हैं'

गौरव गोगोई ने ओम बिरला पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में बजट सत्र के दूसरे हिस्से के दूसरे दिन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। बता दें कि करीब 40 सालों में किसी स्पीकर के खिलाफ ये पहला अविश्वास प्रस्ताव है। हालांकि नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के पास बहुमत

होने के कारण यह प्रस्ताव केवल विरोध तक ही सीमित रहा। कांग्रेस सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद ने स्पीकर ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ओम बिरला सदन के सभी वर्गों का विश्वास जीतने के लिए जरूरी निष्पक्षता बनाए रखने में नाकाम रहे हैं। सत्र की शुरूआत में ही इस बात पर तुरंत टकराव हो गया कि बहस के दौरान पीठासीन सभापति की भूमिका कौन निभाएगा।

'कुछ सदस्य खुद को ज्यादा ज्ञानी समझते हैं'

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का आज का दिन हंगामे और जोरदार बहस के बीच चल रहा है। इसका मुख्य वजह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव, जिस पर चर्चा के दौरान सरकार और विपक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब दिया और कई संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से सफाई दी।

रिजिजू ने कहा कि कुछ सदस्य खुद को अत्यधिक ज्ञानी मानते हैं और बिना तथ्य परख के आरोप लगाते हैं। रिजिजू ने आगे कहा कि सदन में विपक्ष के नेता ने पहले कहा था कि उन्हें संसद में बोलने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। रिजिजू ने सवाल उठाया कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ सदस्य वहां क्यों नहीं बताए कि संसद में बोलने के लिए स्पीकर की अनुमति जरूरी है। बिना स्पीकर की अनुमति के कोई भी सांसद अपनी मर्जी से नहीं बोल सकता।

॥ श्री हरिः ॥

उठावना

श्री सुधीर संघी

15 दिसम्बर 1950 – 8 मार्च 2026

(दि संघी ग्रूप)

(सुपुत्र : स्व. श्री रामशरणजी - स्व. श्रीमती कमलारानीजी संघी)

उठावना

आज बुधवार 11 मार्च 2026, प्रातः 11 से 12 बजे,
स्थान : हरे कृष्णा गोल्डन टेम्पल (वैदिक संस्कार भवन),
रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

बैठक

12 मार्च से 14 मार्च 2026, सायं 4 से 6 बजे
स्थान : 550C/A, रोड नं. 92, जुबली हिल्स, हैदराबाद

शोकाकुल : ऊषा संघी (धर्मपत्नी) सिद्धार्थ-जूही संघी (बेटा-बहू) पूजा-प्रतीक पोद्दार (पुत्री-दामाद)
देवांश, अयांश (पौत्र) आर्यमन, कनव (दोयता) शोभा-रमेशजी जैन, जयश्री-शशिजी मित्तल (बहन-बहनोई)
अंजना संघी (धर्मपत्नी : स्व. श्री आनन्दप्रकाश संघी) (भाभी)
रवि-अनिता संघी, गिरीश-अलका संघी (भाई-भाभी) स्वाति, अमित, एकता, आदित्य-श्रुति,
आलोक-प्रियंका, आरती-राहुल गुप्ता, गौरव-अंकिता, आशीष-रवीषा

बवाना कारोबारी हत्याकांड के 2 शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने गोलीबारी के बाद बवाना में एक कारोबारी की हत्या के मामले में 2 मोस्ट वांटेड शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी बदमाश मुठभेड़ में घायल हो गए और अब पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में एक कारोबारी की हत्या के बाद ये दोनों आरोपी पिछले करीब एक महीने से फरार चल रहे थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश लगातार जारी थी। पुलिस को इसी बीच खास सूचना मिली कि आरोपी रोहिणी इलाके में घूम रहे हैं। इसके आधार पर आउटर नॉर्थ जिले की पुलिस टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए रोहिणी में जाल बिछाया। जब पुलिस ने 2 संदिग्धों को बाइक पर सवार देखा और उन्हें रोकने की कोशिश की, तो बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों तरफ से कुल 11 राउंड गोलियां चलीं। मुठभेड़ में दोनों आरोपियों को पैरों में गोली लगी और वे घायल होकर गिर गए।

एनसीईआरटी ने कक्षा आठ की किताब से न्यायपालिका पर विवादित अध्याय हटाया

सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने हाल ही में कक्षा 8 की "समाज की खोजः भारत और उससे आगे' नामक सामाजिक विज्ञान की नई पुस्तक को वापस लेने और विवादित अध्याय पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्णय लिया है। यह फैसला एक विवाद के बाद लिया गया जिसमें पुस्तक के अध्याय 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' (हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका) को लेकर गंभीर प्रतिक्रिया सामने आई थी। पुस्तक में शामिल चैप्टर आईवी में न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियों जैसे भ्रष्टाचार, मामलों का भारी बैकलॉग, जजों की कमी और अन्य संवेदनशील मुद्दों का हवाला दिया गया था।

न्यायपालिका पर इस तरह के विवरण ने कोर्ट की गरिमा से जुड़ी बहस को जन्म दिया और विवाद बढ़ गया। एनसीईआरटी ने प्रेस रिलीज में कहा है कि इस अध्याय में 'अनुचित टेक्स्चुअल कंटेंट और अनुमोदन में त्रुटि' शामिल हो गई थी, जो गलती से किताब में शामिल हो गया। परिषद ने कहा कि किसी भी संवैधानिक संस्थान की प्रतिष्ठा को घटाने का उनका कोई इरादा नहीं था और उन्होंने ईमानदारी से इस गलती के लिए माफी भी मांगी है।

विवाद पर दी प्रतिक्रिया

एनसीईआरटी ने कहा, हम हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं और सभी हितधारकों की समझदारी की सराहना करते हैं। यह फैसला उस समय लिया गया है जब स्कूल की किताबों और उनमें संवैधानिक संस्थाओं के चित्रण पर बढ़ती नजर रखी जा रही है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि एनसीईआरटी की किताबें पूरे भारत में केंद्रीय और राज्य सरकार से जुड़े स्कूलों में पढ़ाई जाती हैं, इसलिए किसी भी बदलाव या अध्याय हटाने का असर छात्रों और शिक्षकों दोनों पर पड़ता है। आने वाले शैक्षणिक सत्र के लिए अद्यतन पाठ्यक्रम योजना के बारे में काउंसिल की तरफ से आगे स्पष्टीकरण आने की प्रतीक्षा है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया था स्वतः संज्ञान

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणी की और कहा कि न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी कंटेंट स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने किताब को वस्तुतः प्रतिबंधित कर दिया और सभी प्रतियों को वापस लेने का आदेश भी जारी किया। आगे की सुनवाई 11 मार्च को होने वाली है।

निर्माणाधीन सोसायटी की दीवार गिरने से सात मजदूरों की मौत

गुरुग्राम, 10 मार्च (एजेंसियां)। गुरुग्राम के सिधरावली इलाके में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां एक निर्माणाधीन सोसायटी की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के वक्त दीवार के पास मजदूर काम कर रहे थे, जबकि कुछ मजदूर वहीं आसपास मौजूद थे। दीवार गिरते ही कई मजदूर मलबे में दब गए। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 7 मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 4 मजदूर अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और भारी मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जब सोसायटी परिसर में मजदूर काम कर रहे थे और कुछ मजदूर पास ही आराम कर रहे थे। अचानक जोरदार आवाज के साथ दीवार गिर गई और कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

एंटी-नेशनल गतिविधियों के आरोप में सरकार का सख्त कदम

जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू, 10 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर प्रशासन ने कथित राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में जल शक्ति विभाग के तीन कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सेवा से हटाए गए कर्मचारियों में दो कर्मचारी किश्तवाड़ जिले के और एक कर्मचारी अनंतनाग जिले का निवासी है। किश्तवाड़ से संबंधित कर्मचारियों की पहचान लियाकत अली भगवन और कौसर हुसैन के रूप में हुई है, जबकि अनंतनाग के कर्मचारी का नाम शौकत अहमद जरगर बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इन कर्मचारियों के खिलाफ राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता को लेकर गंभीर आरोप सामने आए थे, जिसके बाद प्रशासन ने मामले की समीक्षा करते हुए उन्हें विभागीय सेवा से अलग करने का निर्णय लिया। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि सरकार किसी भी प्रकार की राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाए हुए है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सैनिक ने कैसे किया फर्जीवाड़ा

पत्नी पर भी एफआईआर

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के वसंत विहार थाने से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां भारतीय सेना के पूर्व सैनिक और उनकी पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। दंपति पर आरोप है कि उन्होंने आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड से लाखों रुपये निकालने के लिए पूर्व सैनिक की मौत का नाटक किया। पत्नी ने फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र, शपथपत्र और अन्य दस्तावेज जमा कर बीमा राशि का दावा किया।

पुलिस ने बताया कि अखिलेश कुमार वर्ष 1998 में बिहार रेजिमेंट में भर्ती हुए थे और 2010 में सेवा से मुक्त हुए। सेवा के दौरान उन्होंने अपनी पत्नी ज्ञानती देवी को बीमा योजना में नामांकित किया था। आरोप ये भी है कि 2011 में पत्नी ने दावा किया कि अखिलेश की 17 सितंबर को करंट लगने से मौत हो गई थी। ग्राम पंचायत से बनवाए गए फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज दाखिल कर तीन लाख रुपये का क्लेम किया गया। देरी से भुगतान होने पर 21,750 रुपये अतिरिक्त ब्याज भी प्राप्त हुए।

यह मामला यही नहीं रूका, बाद में जब जांच का दायरा बढ़ा तो सच सामने आ गया। बिहार के जहानाबाद जिले की पुलिस जांच में अखिलेश कुमार जिंदा पाए गए। जिसके बाद फर्जी तरीके से क्लेम करने और पैसा हासिल करने का मामला सामने आया। साथ ही यह भी पता चला कि बीमा राशि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पत्नी ने ही प्राप्त की थी। इसके बाद आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड के अधिकारियों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

कैफे संचालक के खिलाफ रेप-धर्मांतरण की एफआईआर

इंदौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के महिला थाने में डिजिटल मार्केटिंग से जुड़ी एक युवती की शिकायत पर फरहान पिता शफुद्दीन शेख, निवासी बुढानिया के खिलाफ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। फरहान के पिता हातोद क्षेत्र के बुढानिया में भाजपा से सरपंच और अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी हैं, जबकि फरहान खुद एक कैफे संचालित करता है। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी संतोष और सागर के साथ पीड़िता पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से मिलीं और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने कमिश्नर के सामने अपनी आपबीती बताई। इसके बाद उसे महिला थाने भेजा गया।

हिंसा के बाद मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स में लगा कर्फ्यू

शिलांग, 10 मार्च (एजेंसियां)। गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) चुनाव नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी हिंसा के बाद मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया। इसके बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। यह जानकारी मंगलवार को अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि कर्फ्यू 10 मार्च को लगाया गया था और यह 24 घंटे तक लागू रहेगा, जबकि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 48 घंटे तक निलंबित रहेंगी। सोमवार शाम को जिले के चिबिनांग इलाके में उपद्रवियों ने कई दुकानों में तोड़फोड़ किया। इसके बाद इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया। जिला मजिस्ट्रेट विभोर अग्रवाल ने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक शांति और व्यवस्था में व्यवधान की संभावना से संबंधित सूचनाओं के बाद लिया गया, जिससे जिले में मानव जीवन और संपत्ति को खतरा हो सकता है।

इस आदेश के तहत कर्फ्यू की अवधि के दौरान पश्चिम गारो हिल्स जिले की सीमा के भीतर किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए ये प्रतिबंध आवश्यक और उचित थे। इनका उद्देश्य सार्वजनिक शांति में किसी भी प्रकार की बाधा को रोकना था। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने अफवाहों के प्रसार को रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर 10 मार्च से पश्चिम गारो हिल्स जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को 48 घंटे के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है।

कार-बाइक की टक्कर में चार लोगों की दर्दनाक मौत

कटनी, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बड़वारा थाना क्षेत्र में रेलवे पुलिया के पास तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार चारों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक एक ही बाइक पर सवार चार लोग कटनी से उमरिया की ओर नेशनल हाईवे-78 से जा रहे थे। इसी दौरान बड़वारा की रेलवे पुलिया के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक और कार दोनों के परखच्चे उड़ गए और चारों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़वारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी।

'बराबरी का एक रास्ता यूनीफॉर्म सिविल कोड भी'

मुस्लिम महिलाओं को समान अधिकार की अर्जी पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर संपत्ति में हिस्सेदारी देने की मांग उठाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के बराबर विरासत अधिकार पर सुनवाई के दौरान बड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि देश की सभी महिलाओं को समान अधिकार सुनिश्चित करने का एक तरीका समान नागरिक संहिता लागू करना भी हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर पूरे देश में सभी महिलाओं के लिए समान उत्तराधिकार अधिकार सुनिश्चित करने हैं, तो इसके लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे व्यापक विधायी उपाय पर विचार किया जा सकता है।

हालांकि अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यह नीतिगत और विधायी क्षेत्र का मुद्दा है, जिस पर अंतिम निर्णय विधायिका और सरकार को लेना होता है। यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई जिसमें मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर संपत्ति में हिस्सेदारी देने की मांग उठाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें मुस्लिम पर्सनल लॉ के उन प्रावधानों को चुनौती दी गई है, जो महिलाओं को पुरुषों के बराबर विरासत अधिकार नहीं देते। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण से पूछा कि क्या अदालत पर्सनल लॉ की संवैधानिक वैधता की जांच कर सकती है? जस्टिस बागची ने एक मामले का हवाला देते हुए कहा कि इस फैसले में माना गया था कि पर्सनल लॉ को संविधान की कसौटी पर नहीं परखा जा सकता।

सुधार की जल्दबाज़ी में मौजूदा अधिकारों से भी वंचित न हो जाएं

बेंच ने यह भी पूछा कि अगर अदालत शरीयत के उत्तराधिकार नियमों को रद्द कर दे, तो क्या इससे कानूनी शून्य पैदा नहीं हो जाएगा, क्योंकि मुस्लिम उत्तराधिकार को नियंत्रित करने वाला कोई अलग वैधानिक कानून नहीं है। सीजेआई ने चिंता जताते हुए कहा कि सुधार की जल्दबाज़ी में कहीं ऐसा न हो कि हम मुस्लिम महिलाओं को मौजूदा अधिकारों से भी वंचित कर दें। इस पर वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि यदि शरीयत के प्रावधान हटते हैं तो भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 लागू हो सकता है। अदालत यह घोषित कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर विरासत अधिकार मिलें। उन्होंने यह भी कहा कि विरासत का अधिकार एक सिविल राइट है, इसे धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) के तहत "आवश्यक धार्मिक प्रथा" नहीं माना जा सकता। भूषण ने अपने तर्क के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल तलाक फैसले का हवाला दिया, जिसमें तीन तलाक को असंवैधानिक ठहराया गया था।

समान अधिकार देने का एक तरीका यूसीसी भी है

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि देश में सभी महिलाओं को समान अधिकार सुनिश्चित करने का एक समाधान यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) भी हो सकता है। जस्टिस बागची ने भी कहा कि डायरेक्टिव प्रिंसिपल्स के तहत यूसीसी लागू करना विधायिका का क्षेत्र है और इस पर फैसला संसद को करना चाहिए। बेंच ने सुझाव दिया कि यदि शरीयत के उत्तराधिकार प्रावधान रद्द होते हैं तो वैकल्पिक कानूनी व्यवस्था क्या होगी, यह याचिका में स्पष्ट किया जाए। इस पर सहमत होते हुए प्रशांत भूषण ने याचिका संशोधित करने की बात कही, जिसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

किले से 'ईरान जिंदाबाद' के लगाए नारे लगाने वालों को पुलिस ने जुलूस निकालकर कोर्ट पहुंचाया

रायसेन, 10 मार्च (एजेंसियां)। मप्र के रायसेल जिले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक विवादित वीडियो के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोप है कि युवकों ने ऐतिहासिक रायसेन किले की प्राचीर पर चढ़कर ईरान के समर्थन में नारे लगाते हुए रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से सुर्खियों में आ गया। दरअसल, रायसेन किले से तोप चलाते हुए कुछ युवकों का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ। वीडियो में युवक नारे लगाते हुए ईरान के समर्थन की बात करते सुनाई दे रहे हैं। बताया गया कि यह वीडियो रमजान के दौरान रोजा खोलने की सूचना देने के समय बनाया गया था। घटना के बाद हिंदू संगठन 'अपना रायसेन' ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

जंगल में लगी आग बुझाने के मिशन पर आईएएफ, हेलीकॉप्टर से गिराया 66,000 लीटर पानी

ईटानगर, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने मंगलवार को पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एक एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। इसके साथ ही आग पर काबू पाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा। एक एक्स पोस्ट में, भारतीय वायु सेना ने उन क्षेत्रों में फेल भीषण आग की तस्वीरें और वीडियो साझा किए।

इसके साथ ही एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर की मदद से आग बुझाने के अभियानों को भी दिखाया। पोस्ट में लिखा था, #आईएएफ ने अरुणाचल प्रदेश में तुरंत प्रतिक्रिया और सटीक संचालन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। कई उड़ानों के दौरान, आईएएफ ने आग पर काबू पाने और आसपास की गश्ती को बचाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा।

चंडीगढ़ नगर निगम के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के खाते में 116 करोड़ की गड़बड़ी

2 लोगों पर केस दर्ज

चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के सेक्टर 32 स्थित प्राइवेट बैंक में पिछले कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार के 556 करोड़ रुपए में अनियमितता की खबर आई थी। इसके बाद अब इसी बैंक में चंडीगढ़ नगर निगम के 116 करोड़ रुपए की अनियमितता का मामला सामने आया है। इस संबंध में चंडीगढ़ पुलिस ने बैंक के पूर्व ब्रांच मैनेजर रिभव ऋषि और चंडीगढ़ नगर निगम के ठेके पर रखे गए अकाउंटेंट अनुभव मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बैंक के जिस पूर्व ब्रांच मैनेजर के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज किया है उसे हरियाणा पुलिस ने पहले ही 556 करोड़ रुपए के सरकार के पैसे में अनियमितता के मामले में गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने हरियाणा सरकार के पैसे उड़ा लिए थे। सरकार ने 24 घंटे में अपना पैसा वापस निकलवा लिया। सरकार ने अपने पैसे की 24 घंटे में ब्याज के साथ रिकवरी कर ली थी। हलांकि इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मच गया था। इस मामले में सीएम नायब सिंह सैनी ने खुद विधानसभा में सरकार का पैसा कैसे वापस आया था इस बात की जानकारी दी थी। चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक ये अनियमितता उस वक्त सामने आई जब चंडीगढ़ नगर निगम ने चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड कंपनी के सारे पैसे जो इस बैंक में थे। उन्हें नगर निगम के पंजाब नेशनल बैंक के अकाउंट में ट्रांसफर के लिए लिखा। चंडीगढ़ नगर निगम ने ये कदम हरियाणा सरकार के पैसे में गड़बड़ी के सामने आने के बाद उठाया था। नगर निगम द्वारा चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड का पैसा ट्रांसफर करने के लिए लिखने के बाद ये सामने आया कि जमा पैसे और जो पैसा अभी बैंक के पास है उसमें 116 करोड़ रुपए की अनियमितता है।

गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में एक्शन

फरार कॉन्ट्रैक्टर उदयपुर से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। जनकपुरी में खुले सीवर के गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वायड (एएटीएस) की टीम ने मुख्य फरार आरोपी कॉन्ट्रैक्टर हिमांशु गुप्ता को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वहां छिपा हुआ था। पुलिस उसे दिल्ली ला रही है, जहां आगे की पूछताछ की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। उसकी तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही थी। इसी बीच पुलिस ने उसे उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया।

गैस की कमी का दिखने लगा असर

प्रियंका चतुर्वेदी ने जताया डर, कहा- आम जनता पर पड़ सकता है भारी

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी युद्ध के दौरान देश के कुछ हिस्सों में एलपीजी की कमी का असर दिख रहा है। इस बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र से कहा है कि सरकार तैयारियों को लेकर कमजोर दिख रही है।

उन्होंने कहा कि कहा कि एलपीजी की दिक्कत का सामना आम जनता को करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह से फेल नहीं है, लेकिन हालात चिंताजनक हैं। उनके मुताबिक गैस की कमी का असर होटलों और छोटे कारोबारों पर पड़ेगा, जिससे रोजगार का संकट भी पैदा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को इस मुद्दे पर अमेरिका और इजराइल पर दबाव बनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि पेट्रोल और गैस की दिक्कत का असर आने वाले समय में सीधे आम जनता पर पड़ सकता है। इसके साथ ही सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में

राज्यसभा सांसद ने कहा कि शांतिपूर्ण समय में हम कहते हैं कि हम हर तरह के संकट और व्यवधान से निपटने के लिए तैयार हैं।

लेकिन युद्ध के समय कहा जा रहा है कि माफ़ कीजिए, हम मदद नहीं कर सकते। यानी जो बातें पहले कही जाती थीं, वे सिर्फ जुमले साबित हो रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को लेकर चेतावनी दे रहे थे, और युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने इज़राइल का दौरा किया था। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि भारत सरकार एक बार फिर तैयारियों के मामले में कमजोर और जरूरत से ज्यादा आत्ममुग्ध नजर आ रही है।

20 प्रतिशत होटल गैस सप्लाई की वजह से बंद

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई में होटलों के संगठन आहार ने बड़ा बयान दिया है। आहार ने कहा, मुंबई में अब तक 20% होटल गैस सप्लाई की वजह से बंद हो चुके हैं। अगर ऐसे ही चलता रहा तो आने वाले 2 से 3 दिनों में मुंबई के 50% तक होटल बंद हो सकते हैं। किस होटल के पास कितनी गैस सप्लाई मौजूद है, उस पर निर्भर करेगा कि वह अपना होटल कब तक शुरू रखते हैं। आहार की तरफ से होटल बंद रखने का कोई आधिकारिक फैसला अब तक नहीं लिया गया है और यह फैसला होटल मालिकों पर निर्भर करेगा कि वह अपना होटल शुरू रखते हैं या नहीं।

आहार ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा है, हमारा संगठन लगभग 8000 छोटे रेस्टोरेंट, परमिट रूम और होटलों का प्रतिनिधित्व करता है और महाराष्ट्र राज्य भर में 65 संबद्ध संगठनों के साथ सबसे बड़े आतिथ्य संगठनों में से एक है। हम आपके निर्देश के खंड संख्या 3 के संबंध में अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि सभी सार्वजनिक क्षेत्र के ओएमसी यह सुनिश्चित करेंगे कि इस प्रकार प्राप्त एलपीजी की आपूर्ति/विपणन केवल घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को ही किया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र: सच्चे लोग दिल में उतनी जगह नहीं बना पाते है, जीतनी जगह मतलबी और चापलूस लोग बना लेते है!

ईडी ने जब्त की 29 करोड़ की 50 अचल संपत्तियां

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईडी के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने डॉ. पचीपल्ली नम्रता उर्फ अथलुरी नम्रता द्वारा यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी एंड रिसर्च सेंटर के नाम से चलाए जा रहे अवैध अवैध सरोगेसी रैकेट के मामले में कार्रवाई की है। 29.76 करोड़ रुपये की पचास अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। जब्त की गई संपत्तियां, जमीन के टुकड़े, फ्लैट और एक अस्पताल के रूप में हैं, जो डॉ. नम्रता और उनके बेटों के नाम पर हैं।

इन संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये बताया गया है। ईडी ने हैदराबाद के गोपालपुरम पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश, अवैध सरोगेसी और बाल तस्करी के कई मामलों में दर्ज एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की है।

आरोपी डॉ. पचीपल्ली नम्रथा उर्फ अथलुरी नम्रथा (यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी एंड रिसर्च सेंटर) क्लिनिक के माध्यम से अपने कर्मचारियों और एजेंटों के साथ मिलकर सरोगेसी रैकेट चला रही थीं। इसके जरिए वह निःसंतान दंपतियों को नवजात शिशु मुहैया कराती थीं।

गर्भवती महिलाओं को पैसे का लालच

पीएमएलए की जांच में पता चला है कि डॉ. नम्रता ने सरोगेट मां के जरिए बच्चा पैदा करवाने का वादा करके निःसंतान दंपतियों से मोटी रकम वसूली। प्रक्रिया को असली दिखाने के लिए, उनके युग्मकों को सरोगेट मां में प्रत्यारोपित करने के लिए एकत्र किया जाता था। हालांकि, नवजात शिशुओं को गरीब और कमजोर माता-पिता से प्राप्त किया जाता था, जो बच्चे का पालन-पोषण करने में असमर्थ थे। वे गर्भपात कराना चाहते थे। इस रैकेट में एजेंटों और उप-एजेंटों का एक नेटवर्क शामिल पाया गया, जो गरीब और जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को ढूंढकर उन्हें पैसे का लालच देकर बच्चे के जन्म के तुरंत बाद उसे त्यागने के लिए मजबूर करते थे।

साढ़े तीन लाख में बच्ची तो साढ़े चार लाख में बच्चा

जांच में यह भी पता चला कि डॉ. नम्रता एक बच्ची के लिए लगभग 3.5 लाख रुपये और एक बच्चे के लिए 4.5 लाख रुपये का भुगतान करती थीं। ये प्रसव उनके विशाखापत्तनम स्थित अस्पताल में किए जाते थे, क्योंकि उनके सिकंदराबाद अस्पताल का लाइसेंस अधिकारियों द्वारा रद्द कर दिया गया था। इसके अलावा, नगर निगम को भेजी गई जन्म रिपोर्टों में उन्होंने जैविक माता-पिता के बजाय निःसंतान दंपतियों के नाम दर्ज करवाए थे। ईडी की जांच में पता चला कि वह 2014 से इस रैकेट में शामिल थी। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज होने और अधिकारियों द्वारा उसका मेडिकल लाइसेंस निलंबित किए जाने के बाद भी उसने फर्जी सरोगेसी रैकेट जारी रखा।

कई दंपतियों को ठगा गया

ईडी के मुताबिक, कई दंपतियों को उपरोक्त तरीके से ठगा गया। उनसे चेक और नकद के रूप में भारी रकम वसूल की गई। इस रकम का कुछ हिस्सा एजेंटों/उप-एजेंटों को उनके कमीशन के रूप में और तस्करी किए गए शिशुओं के जैविक माता-पिता को दिया गया। डॉ. नम्रता द्वारा रखे गए बैंक खातों के विश्लेषण से इस कार्यप्रणाली की पुष्टि हुई, जिसमें पाया गया कि निःसंतान दंपतियों से एकत्र की गई धनराशि का उपयोग एजेंटों/उप-एजेंटों को भुगतान करने के लिए किया गया था।

वहां से तस्करी किए गए शिशुओं के जैविक माता-पिता को आगे भुगतान किया गया। डॉ. नम्रता और उनके बेटों के नाम पर कई संपत्तियां पाई गईं हैं। इनमें से कई संपत्तियों के लिए किए गए भुगतान अपराध की आय से नकद में किए गए थे। ईडी ने डॉ. नम्रता को 12 फरवरी को पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया था। वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में हैं।

पीएम कर रहे है राष्ट्रीय हितों की अनदेखी : सांसद

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद जी. वमशी कृष्णा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि विदेशी दबाव के कारण देश के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हितों से समझौता किया जा रहा है। परमाणु कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों का उल्लेख करते हुए सांसद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि परमाणु आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदेही से संबंधित प्रावधानों को हटाना भारत के हितों के विरूद्ध होगा। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की स्थिति में देश को भारी वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए ऐसे सुरक्षा प्रावधान अत्यंत आवश्यक हैं।

पुल के पास अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

मेदक, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह एडुपयाला स्थित श्री वना दुर्गा भवानी मंदिर के पास नागसनपल्ली पुल पर एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या की गई है। सूचना मिलने पर पापन्नापेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल भेज दिया है। मामले की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

CHANGE OF NAME

I, VAKADA TELLAMMA M/o Service No.JC 784273X), Rank Nb/Sub : Name Srinu Vakada R/o D.No. 10-353, Sambana Street, Tekkali Village, Tekkali Post, Tekkali Tahsil, Srikakulam District, Andhra Pradesh State. Have changed my name from TELLAMMA to VAKADA TELLAMMA, vide affidavit notary, Tekkali, Srikakulam, A.P For all purpose.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Siya Ram Rai, Father of No.14657563M, Hav, Rajesh Kumar, R/o, Dist: Samastipur, Bihar, changed my name from Siya Ram Rai to Siyaram Ray vide Affidavit No.284897 dt.09.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14671077A, Hony Hav, Narendra Kumar Gupta, R/o, Dist : Siwan, Bihar , changed my Mother's name from Shavitri Devi to Savitri Devi vide Affidavit No.284899 dt 09.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14670728Y, NK, Vasant Manigini, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Daughter's name from Sneha to Sneha Vasant Manigini vide Affidavit No.284900 dt. 09.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14670728Y, NK, Vasant Manigini, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Daughter's name from Keerti to Keerti Vasant Manigini vide Affidavit No.284901 dt. 09.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

प्राचीन मंदिरों के विकास के लिए योजनाएं तैयार की जाएं : पोंगुलेटी

गोदावरी पुष्करालु में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न योजना : कोमटिरेड्डी

मंदिर अवसंरचना के लिए वित्तीय रूपरेखा तैयार करने का निर्देश

मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घोषणा की कि गोदावरी पुष्करम 26 जून 2027 से आरंभ होकर 7 जुलाई 2027 तक चलेगा

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 'गोदावरी पुष्करालु 2027' पर मंत्रिमंडल उपसमिति की पहली बैठक मंगलवार को सचिवालय में मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू की अध्यक्षता में आरंभ हुई। बैठक में मंत्री कोंडा सुरेखा, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और अदलुरी लक्ष्मण कुमार के साथ सरकार के सलाहकार सुदर्शन रेड्डी तथा हरकारा वेणुगोपाल और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बसरा से भद्राचलम तक गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित सभी प्रमुख और प्राचीन मंदिरों के विकास के लिए योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने राज्य के प्रमुख मंदिरों के विकास के लिए व्यापक सड़क संपर्क उपलब्ध कराने हेतु विशेष योजना बनाने की सलाह दी। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि जहां आवश्यक हो वहां सड़कों के निर्माण और विकास के लिए आवश्यक धनराशि के वित्तीय पक्ष को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार किए जाएं। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इस बात पर बल दिया कि बसरा, भद्राचलम और कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर जैसे प्रसिद्ध स्थलों के साथ-साथ क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण मंदिरों तक भी सुगम सड़क पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक योजना तैयार की जानी चाहिए। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घोषणा की कि गोदावरी पुष्करम 26 जून 2027 से आरंभ होकर 7 जुलाई 2027 तक चलेगा और सभी विभागों से सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि गोदावरी नदी निजामाबाद जिले के कंदाकुर्ती से निकलकर तेलंगाना में भद्राचलम तक बहती है, जो बसरा, धर्मपुरी, मंथनी, कलेश्वरम और भद्राचलम जैसे आध्यात्मिक केंद्रों और ऐतिहासिक मंदिरों से समृद्ध एक विशाल क्षेत्र को आच्छादित करती है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आगे कहा कि सड़क एवं भवन विभाग गोदावरी पुष्करालु में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न योजनाएं तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित राजमार्ग मॉडल के साथ सरकार आवश्यक पक्की सड़कों और पुष्कर घाटों के निर्माण के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने की योजना बना रही है।

काम के तनाव से परेशान सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर क्षेत्र में सोमवार रात एक 32 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कथित तौर पर काम के तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। गच्चीबावली पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान मोनू श्री के रूप में हुई है, जो मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली थी। वह गच्चीबावली स्थित एक आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत थी और कोंडापुर के मस्जिद बांदा इलाके में किराए के मकान में रह रही थी।

बताया गया है कि पिछले कुछ दिनों से वह काफी परेशान थी। सोमवार को उसने अपने अपार्टमेंट में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। शाम तक कमरे से बाहर न निकलने पर उसकी फ्लैटमेट दुर्गा भवानी उसे देखने गई, जहां दरवाजा खोलने पर वह फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर गच्चीबावली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतका के पिता ने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से काम से जुड़े तनाव में थी। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

हजरत अली की शहादत में निकला जुलूस

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शिया समुदाय के लोगों ने मंगलवार को हजरत अली की शहादत का स्मरणोत्सव मनाया, जो रमजान महीने के 20वें दिन पड़ता है। इस अवसर पर पुराने शहर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस मौके पर चारमीनार से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जो दारुलशिफा में जाकर समाप्त हुआ। तेलंगाना शिया यूथ कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सैयद हमीद हुसैन जाफरी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत चारमीनार में आयोजित मजलिस से हुई, जिसके बाद जुलूस निकाला गया।

कविता का भूख हड़ताल जारी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की नेता कविता ने खम्मम जिले के वेलुगुमटला में मकानों को गिराए जाने के पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति के केंद्रीय कार्यालय में अपना अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखते हुए आंदोलन तेज कर दिया है।

कविता ने विस्थापित परिवारों के समर्थन में सोमवार रात खम्मम में भूख हड़ताल शुरू की थी। मंगलवार तड़के पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर हैदराबाद ले आई। गिरफ्तारी के बावजूद उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार पीड़ितों को न्याय नहीं देती, तब तक वे तेलंगाना जागृति कार्यालय से ही अपना अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखेंगी। इस अवसर पर बोलते हुए कविता ने जोर देकर कहा कि सरकार तुरंत घोषणा करे कि वेलुगुमटला में जहां घरों को गिराया गया है, वहीं उसी स्थान पर पीड़ितों के लिए नए मकान बनाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार लिखित आश्वासन नहीं देती, उनका भूख हड़ताल जारी रहेगा। कविता ने सरकार के भूदान भूमि पर कब्जा करने के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये भूमि विशेष रूप से गरीबों के कल्याण के लिए दान की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वेलुगुमटला में जमीन की कीमत बढ़ने के बाद गरीब परिवारों को हटाकर उस जमीन को प्रभावशाली और धनवान लोगों को देने की साजिश के तहत अचानक यह ध्वस्तीकरण किया गया है। कविता ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उसे गरीब-विरोधी और जन-विरोधी सरकार बताया। उनके अनुसार सरकार केवल खम्मम ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में गरीबों के घरों को बेरहमी से गिरा रही है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि रात के समय बुलडोजरों की सहायता से लगभग 750 घरों को गिरा दिया गया, वह भी उस समय जब दसवीं और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों के पास परीक्षा प्रवेश पत्र थे, उनके घर भी गिरा दिए गए, जिससे उन छात्रों के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देना सर्वोच्च प्राथमिकता : विवेक

उपमुख्यमंत्री के साथ बजट तैयारी बैठक में भाग लिया मंत्री ने

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और खनन मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने मंगलवार को सचिवालय में अपने कक्ष में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ बजट तैयारी बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री ने श्रम, कर्मचारी राज्य बीमा और रोजगार प्रशिक्षण विभागों की बजट आवश्यकताओं को प्रस्तुत किया। उन्होंने इन विभागों के लिए आवश्यक धनराशि की मांग की। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग श्रमिकों के कल्याण के लिए अपना कार्य प्रभावी ढंग से कर रहा है। मंत्री ने कहा कि नई तकनीकों के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रदान करना रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की प्राथमिकता है और इसी कारण प्रशिक्षण केंद्रों में युवाओं को आधुनिक उद्योगों में रोजगार योग्य बनाने के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्रों में भाषा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं और इससे आने वाले समय में विदेशों में रोजगार प्राप्त करने के अवसर बढ़ेंगे। इस अवसर पर रोजगार प्रशिक्षण अधिकारियों ने बजट आवश्यकताओं और नई योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री ने कहा कि बीमित व्यक्तियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार तथा दवाएं उपलब्ध कराना कर्मचारी राज्य बीमा विभाग की पहली प्राथमिकता है। बैठक के दौरान खनन विभाग पर भी चर्चा की गई। खनन विभाग के अधिकारियों ने विभाग के कार्यों और राजस्व सृजन से संबंधित विवरण प्रस्तुत किए।

वित्त के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, श्रम आयुक्त पामेला सत्पति, रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशक कांति वेस्ली, तेलंगाना खनिज विकास निगम के निदेशक भावेश मिश्रा, खनन सचिव एन. श्रीधर तथा श्रम और रोजगार विभाग के अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

गांजा उगाने और बेचने के आरोप में चार गिरफ्तार, 420 पौधे बरामद

आदिलाबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने गांजा उगाने और बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 42 लाख रुपये मूल्य के 420 गांजे के पौधे बरामद किए हैं। जिले के पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि सिरिकोंडा मंडल के सोनपल्ली गांव निवासी पवार माधव, इचोडा मंडल केंद्र के अथराम दत्ताद्री और शेख आरिफ तथा आदिलाबाद शहर के इंद्रनगर निवासी शेख मुजाहिद को गिरफ्तार किया गया है। इन पर गांजा की खेती करने और उसे बेचने का आरोप है। पुलिस को सूचना मिलने पर माधव के खेत में छापा मारा गया, जहां से चारों आरोपियों को हिरासत में लिया गया। मौके से 420 गांजे के पौधे बरामद किए गए।

पूछताछ में माधव ने बताया कि उसने जल्दी पैसा कमाने के लालच में अपने गांव की नौ एकड़ जमीन में गांजा की खेती की थी। उसने अन्य तीन लोगों को भी इसमें शामिल कर लिया था और वे हैदराबाद तथा नागपुर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-44 से गुजरने वाले ट्रक चालकों को गांजा बेचते थे। इस छापेमारी में उत्नर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुथविक साई कोट्टे, इचोडा के इंस्पेक्टर बंदारी राजू समेत अन्य पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

मिलावटी खाने के तेल का बड़ा रैकेट पकड़ा, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए माधापुर स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) ने मिलावटी खाना पकाने के तेल और एक्सपायर्ड खाद्य उत्पादों से जुड़े एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर एसओटी टीम ने वट्टिनागुलापल्ली के इंदिराम्मा कॉलोनी में श्री जसनाथ ट्रेडर्स के परिसर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने 5,026 लीटर मिलावटी खाना पकाने का तेल और 5,192 किलोग्राम एक्सपायर्ड गेहूं का आटा बरामद किया।

पुलिस ने मौके से तेल और गेहूं छानने वाली मशीनें, पैकेजिंग सामग्री और मिलावटी उत्पादों को ले जाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक टेम्पो ट्रॉली भी जब्त की। जब्त किए गए सामानों की कुल कीमत लगभग 21.9 लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में राजस्थान निवासी भंवर राम जाट (46) और उनके बेटे अशोक कुमार (22) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी एक्सपायर्ड और घटिया खाना पकाने के तेल को सोयाबीन तेल में मिलाकर नकली ब्रांड के लेबल लगाकर दोबारा पैक करते थे और फिर उसे स्थानीय बाजारों में बेचते थे। बाद में आरोपियों और जब्त सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए गच्चीबावली पुलिस को सौंप दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

पानी की मांग को लेकर किसानों का सड़क पर प्रदर्शन

नालगोंडा, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पानी की आपूर्ति की मांग को लेकर सूर्यापेट जिले के नागरम मंडल के किसानों ने मंगलवार को सूर्यापेट-जनगांव मुख्य सड़क पर प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि पानी की कमी के कारण उनकी धान की फसल सूखने की कगार पर है।

सरकार से श्री राम सागर परियोजना (एसआरएसपी) से पानी छोड़ने की मांग करते हुए किसान भीषण गर्मी के बावजूद सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। किसानों ने बताया कि वे मुख्य रूप से एसआरएसपी नहरों के पानी पर निर्भर होकर खेती करते हैं। किसानों के अनुसार उनकी फसलें कटाई से पहले ही तैयार हो चुकी थीं, लेकिन पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसल सूखने लगी है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी नहीं छोड़ा गया तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों से प्रदर्शन समाप्त कर यातायात बहाल करने की अपील की, लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े रहे।

सोशल मीडिया पर उत्पीड़न के खिलाफ अभिनेत्री ने दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु फिल्म उद्योग की एक लोकप्रिय अभिनेत्री ने ऑनलाइन उत्पीड़न और सोशल मीडिया पर मानहानिकारक पोस्ट किए जाने के आरोप में हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

अपनी शिकायत में अभिनेत्री ने बताया कि पर्पल क्रेयॉन00 नाम के एक इंस्टाग्राम अकाउंट से उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाकर आपत्तिजनक टिप्पणियां और अपमानजनक सामग्री पोस्ट की जा रही है। अभिनेत्री का आरोप है कि इस अकाउंट से बार-बार ऐसी पोस्ट साझा की जा रही हैं जिनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा और निजी जीवन को नुकसान पहुंचाना है। साथ ही कमेंट सेक्शन में अश्लील भाषा का इस्तेमाल कर उनके चरित्र और नैतिक मूल्यों पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस से अकाउंट चलाने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और आपत्तिजनक पोस्ट हटवाने की मांग की है। पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67 और बीएनएस की धारा 78 व 79 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इंस्टाग्राम अकाउंट चलाने वाले व्यक्ति का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

नालगोंडा में सड़क हादसा, दो ड्राइवरों की मौत

नालगोंडा, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के नारकेटपल्ली के नालगोंडा चौराहे पर हुए सड़क हादसे में दो ड्राइवरों की मौत हो गई, जबकि एक सहायक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार एक निजी बस ने एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की, जिसके दौरान दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस चालक और ट्रक चालक ने अपने वाहन सड़क किनारे रोक दिए और आपस में बहस करने लगे। इसी दौरान एक अन्य ट्रक ने खड़ी बस को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ड्राइवर बंगराइया और श्रीनिवास की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बस क्लीनर और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए नालगोंडा के सरकारी जनरल अस्पताल भेज दिया। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया।

तृतीय पुण्यतिथि

स्व. श्री धनराज सिंह जी

(सुपुत्र : स्व. श्री हीरा सिंह जी)

(1942 - 2023)

आपकी स्मृति को पूजन करते, लेकर कुमकुम चन्दन।
श्रद्धा सुमन समर्पण करते और चरणों में वन्दन।।
आज आपकी तृतीय पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि

सन्निविष्टकर्ता : रुपा रानी (धर्मपत्नी) एवं समस्त परिवार

MEENAKSHI

समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण की शुरुआत

निर्मली पहुंच सीएम नीतीश ने दी 569 करोड़ की सौगत

सुपौल, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण की मंगलवार को शुरुआत की। इसके तहत वह सुपौल जिले के निर्मली पहुंचे। राज्यसभा नामांकन के बाद मुख्यमंत्री ने यहां पहला बड़ा कार्यक्रम किया। मुख्यमंत्री सुबह 10:45 बजे वह निर्मली अनुमंडल कार्यालय परिसर में बने हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचें। इसके बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्मली स्थित रिंग बांध जीर्णोद्धार कार्य और अनुमंडल कार्यालय परिसर में लगे स्टॉल का निरीक्षण किया।

जिले को दी बड़ी सौगात

इसके साथ ही जिले के विकास से जुड़ी विभिन्न विभागों की कुल 569.3677 करोड़ रुपये की 213 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 434.469 करोड़ रुपये की 84 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है, जबकि 134.8987 करोड़ रुपये की 129 योजनाओं का उद्घाटन किया गया।

इसके बाद मुख्यमंत्री निर्मली अनुमंडल सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में शामिल हुए। इसके बाद वह जनसंवद में शामिल हुए। बैठक के अंत में डीएम और एसपी ने सभी अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोग पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि समृद्धि यात्रा का कार्यक्रम सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

निशांत को मिलने वाली जिम्मेदारी के सवाल पर पार्टी खामोश

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए, लेकिन पार्टी उन्हें कौन सी जिम्मेदारी देगी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी के कार्यकर्ता तो निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, वहीं राष्ट्रीय जनता दल ने इस सवाल पर तंज कसा है। राजद कह रही है कि जब थोपना ही है तो कुछ भी बना दें, क्या मतलब है? हालांकि जदयू के नेता नीतीश कुमार के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

पार्टी के वरीय नेता ही समझें

इस संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नजदीकी कहे जाने वाले संजय गांधी का कहना है कि यह निशांत कुमार के पार्टी में शामिल होने के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं और वरीय नेताओं की मांग थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बातों को सुना और समझा। इसके बाद उनकी सहमति के बाद यह निर्णय हुआ कि निशांत कुमार पार्टी में शामिल होंगे। अब वह पार्टी में शामिल हो चुके हैं। उनका अगला कार्यक्रम पूरे बिहार की यात्रा करना है। इस दौरान वह बिहार की जनता से मिलेंगे और बिहार को समझेंगे, पार्टी को मजबूत करेंगे। निशांत को पार्टी कौन सी जिम्मेदारी देगी? इस सवाल के जवाब में संजय गांधी ने कहा कि यह निर्णय तो पार्टी के वरीय नेता समझेंगे कि उन्हें कौन सी जिम्मेदारी और कब दी जाएगी।

दिव्यांग मां-बेटे का कत्ल

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना इलाके के सिसेंडी गांव में सोमवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। घर में घुसकर एक दिव्यांग मां और उसके बेटे की निर्मम हत्या कर दी गई। घटनास्थल के भयावह हालात हत्या से पहले हुए संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, मंगलवार को पुलिस ने किशोर बेटे को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, सिसेंडी गांव निवासी रेशमा बानो (45) अपने 18 वर्षीय बेटे शादाब के साथ रहती थी।

भाजपा नेता के वाहन से चेकिंग करने वाले तहसीलदार का तबादला

> जांच का वीडियो हुआ वायरल, भेजे गए बिलारी

मुरादाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग से अनुमति मिलने पर डीएम ने तहसीलदार प्रवीण कुमार को ठाकुरद्वारा से हटाकर बिलारी भेज दिया है। आरोप था कि तहसीलदार भाजपा नेता की गाड़ी में बैठकर खनन के वाहनों की चेकिंग करते थे। तहसीलदार प्रवीण कुमार पर आरोप था कि वह भाजपा नेता की गाड़ी में बैठकर उत्तराखंड से आने वाले खनन के डंपरों की चेकिंग कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस मामले में डीएम ने एडीएम वित्त एवं राजस्व को जांच करने के निर्देश दिए।

इस बारे में तहसीलदार का कहना था कि उनकी गाड़ी खराब हो गई थी। इस कारण भाजपा नेता की गाड़ी से लिफ्ट ली थी।

डीएम ने आरोप को गंभीर मानते हुए तहसीलदार के वेतन आहरण पर रोक लगा दी। साथ ही शासन को भी कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी थी। तहसीलदार प्रवीण कुमार एसआईआर में भी कार्य कर रहे थे। इसलिए करीब एक माह पूर्व किए गए तबादले के आदेश को चुनाव आयोग से अनुमति न मिलने के कारण निरस्त कर दिया गया था। अब चुनाव आयोग से अनुमति मिलने के बाद प्रवीण कुमार को बिलारी का तहसीलदार बनाया गया है। तहसील सदर के तहसीलदार धीरेश कुमार सिंह को ठाकुरद्वारा भेजा गया है। तहसीलदार अंकित गिरी को बिलारी से तहसील सदर के लिए स्थानांतरित किया गया है। तबादले की पुष्टि एसडीएम प्रीति सिंह ने की है।

30 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

अब खतौनी से होगा नाम का मिलान

कईं गांवों को पहली बार मिलेगी बस सेवा

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। 31 प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिनमें से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई, जबकि तीन प्रस्तावों को होल्ड पर रखा गया। बैठक में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अब किसी भी संपत्ति को बेचने से पहले विक्रेता का नाम खतौनी में मिलान किया जाएगा। यदि नाम अलग पाया जाता है तो रजिस्ट्रेशन विभाग इसकी जांच करेगा।

सरकार ने सर्किल रेट पर एक प्रतिशत शुल्क और विकास शुल्क के दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप शुल्क से जुड़े प्रावधानों में भी बदलाव किया है। पहले यह राशि यूसी जारी होने के बाद निकायों को दी जाती थी, जिसे अब छमाही आधार पर जारी किया जाएगा। परिवहन विभाग से जुड़े प्रस्ताव के तहत सीएम ग्राम परिवहन योजना 2026 को स्वीकृति दी गई है। योजना के तहत 59,163 ग्राम सभाओं को बस सेवा से जोड़ा जाएगा। जिन 12,200 गांवों में अब तक बस सेवा नहीं थी, वहां भी 28 सीटर बसें चलाई जाएंगी। बस सेवा टैक्स फ्री होगी और निजी क्षेत्र को भी संचालन की अनुमति दी जाएगी।

संचालन का अनुबंध 10 वर्ष का होगा

ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत बसों की औसत आयु 15 वर्ष तय की गई है, जबकि संचालन का अनुबंध 10 वर्ष का होगा। योजना के तहत बस सेवा को पहली बार परमिट, अनुबंध और टैक्स से मुक्त रखा जाएगा। सरकार के अनुसार करीब 5000 ऐसे गांव हैं जहां अब तक कभी बस नहीं पहुंची। शुरुआत में हर रूट पर दो बसें चलाई जाएंगी। वहीं मोटर व्हीकल कानून में संशोधन कर केंद्र सरकार के नियमों को अपनाया जाएगा। इसके तहत ओला और ऊबर जैसे एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म को राज्य में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ड्राइवरों की फिटनेस जांच, मेडिकल टेस्ट और पुलिस वेरिफिकेशन भी जरूरी किया जाएगा। एग्रीगेटर के लिए आवेदन शुल्क 25 हजार रुपये और लाइसेंस फीस 5 लाख रुपये तय की गई है। लाइसेंस का नवीनीकरण हर पांच साल में 5 हजार रुपये शुल्क के साथ होगा। सरकार खुद का परिवहन ऐप भी विकसित करेगी, जिसमें ड्राइवरों की पूरी जानकारी उपलब्ध रहेगी और उनकी ट्रेनिंग भी कराई जाएगी।

शहरी आवास की सीमा बढ़ी, कर्मचारियों के निवेश नियम सख्त प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 22 वर्गमीटर तक के आवास की लागत सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दी गई है। अब 30 वर्गमीटर तक मकान का निर्माण किया जा सकेगा। इसमें 1 लाख रुपये राज्य सरकार और 1.5 लाख रुपये केंद्र सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। सरकार ने कांशीराम आवास योजना के खाली पड़े मकानों की मरम्मत और रंगाई-पुताई कराकर उन्हें दलित परिवारों को देने का फैसला किया है।

यूपी में यूनिवर्सिटी से जुड़ेंगे मदरसे

कामिल-फाजिल की परीक्षाएं कराएंगे, छात्रों को नौकरी के ज्यादा अवसर

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मदरसों को लेकर एक जरूरी खबर आई है। यूपी सरकार ने मदरसों को स्टेट यूनिवर्सिटीज से संबद्ध करने की योजना बनाई है। इसके बाद कामिल और फाजिल कक्षाओं की परीक्षाएं ये यूनिवर्सिटी ही कराएंगे।

इसके लिए सरकार 'उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय 1973' में संशोधन भी करेगी। इसके बाद डिग्री कॉलेजों की तरह मदरसों को भी आसपास के विश्वविद्यालय से संबद्धता मिल जाएगी। दरअसल, सरकार की योजना है कि मदरसे में पढ़ने वाले छात्र और छात्राओं को भी विश्वविद्यालय के बच्चों की तरह रोजगार के ज्यादा अवसर उपलब्ध हो। विश्वविद्यालय से मदरसों को संबद्ध करने के बाद उनकी डिग्री भी हर जगह मान्य रहेगी। फिलहाल मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को कुछ विशेष क्षेत्रों में छोड़कर खास सुविधा नहीं हासिल हो रही है। इसको देखते हुए राज्य सरकार ने यह प्लान बनाया है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से एक प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। जांच के बाद इसे मंजूरी के लिए शासन के पास भेज दिया जाएगा। प्रस्ताव को शासन स्तर पर पास कराने के बाद से कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी। उसके बाद यूपी सरकार शासनादेश जारी करेगी। गौरतलब है कि मदरसों में दी जाने वाली कामिल की डिग्री ग्रेजुएशन और फाजिल की डिग्री पोस्ट ग्रेजुएशन के समान है। राज्य सरकार मदरसों के विद्यार्थियों को भी विश्वविद्यालय के बच्चों के बराबर डिग्री दिलाने और सम्मानजनक रोजगार दिलाने के लिए यह प्रयास कर रही है।

26 शर्तों के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की महासभा के लिए मिली अनुमति

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मंगलवार देर शाम तक लखनऊ पहुंचेंगे। 11 मार्च को लखनऊ के कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल में उनका कार्यक्रम प्रस्तावित है, जहां वे 'गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' का शंखनाद करेंगे। उनके कार्यक्रम 'गौ माता प्रतिष्ठा संकल्प महासभा' को प्रशासन ने 26 शर्तों के साथ अनुमति दे दी है। जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने वाराणसी से शुरू की गई अपनी पदयात्रा को 'धर्मयुद्ध' का नाम दिया है।

उन्होंने इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिनों का अल्टीमेटम भी दिया था, जिसके बाद इस अभियान की शुरुआत की गई। यह पदयात्रा 7 मार्च को काशी से शुरू हुई, जो जौनपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली और उन्नाव जैसे जिलों से गुजरते हुए 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेगी। लखनऊ पहुंचने के बाद कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल पर 'गौ माता प्रतिष्ठा संकल्प महासभा' का आयोजन होगा, जिसमें गौ संरक्षण को लेकर संकल्प लिया जाएगा और मांगों से जुड़ा ज्ञापन सक्षम अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति देते हुए सख्त नियम और शर्तें लागू की हैं ताकि शांति, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। इन शर्तों के अनुसार किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय या भाषा के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही किसी राजनीतिक या धार्मिक व्यक्ति के खिलाफ विवाद उत्पन्न करने वाली टिप्पणी भी नहीं की जा सकेगी। नाबालिग बच्चों से किसी भी प्रकार के विवादित नारे नहीं लगवाए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर सीमित संख्या में ही वाहनों को प्रवेश दिया जाएगा और पार्किंग की व्यवस्था इस तरह की जाएगी कि यातायात बाधित न हो। इसके साथ ही आयोजकों को केवल पारंपरिक ध्वज-दंड रखने की अनुमति होगी, किसी भी प्रकार की घातक वस्तु लाने पर रोक रहेगी।

हर आंगनबाड़ी से 10 हजार मांगने का वीडियो वायरल, एटा के सीडीओ निलंबित

एटा, 10 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में तैनात मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) पर कथित भ्रष्टाचार मामले में शासन स्तर से बड़ी कार्रवाई हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने पर सीडीओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एटा के मुख्य विकास अधिकारी नागेंद्र नारायण मिश्रा डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर संजीव पचौरी से हर आंगनबाड़ी से 10 हजार रुपए की व्यवस्था कराने की बात करते दिखाई दे रहे हैं। वह कह रहे हैं, हर आंगनबाड़ी से 10 हजार रुपये चाहिए। आप अपने आदमी हैं पचौरी, पैसे दिलवाइए। डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ने कथित तौर पर इस मांग को मानने से इनकार दिया। उन्होंने पैसे के किसी भी लेनदेन में शामिल होने से मना कर दिया। वहीं, वायरल वीडियो सामने आने के बाद मामला शासन तक पहुंचा गया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर सीडीओ नागेंद्र नारायण मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। नागेंद्र नारायण मिश्रा ग्राम्य विकास सेवा (बीडीओ) से प्रोन्नत होकर सीडीओ बने हैं। गौरतलब है कि 2026 में कई अधिकारी-कर्मचारी निलंबित, बर्खास्त और गिरफ्तार हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लोकायुक्त, विजिलेंस और एंटी-करप्शन लगातार कार्रवाई कर रही हैं। पीडब्ल्यूडी, राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य विभागों में कई अधिशासी अभियंता, तहसीलदार, लेखपाल, बीएसए, सीएमओ स्तर के अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है।

'किसी लड़के के साथ ऐसा न हो, मुझे इंसाफ मिले'

बरेली में धोपेश्वरनाथ मंदिर के सेवादार ने दी जान

बरेली, 10 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के कैंट इलाके में स्थित धोपेश्वर नाथ मंदिर के सेवादार युवक विजय राठौर ने फंदा लगाकर जान दे दी। इससे पहले उसने 32 मिनट 34 सेकेंड का एक वीडियो बनाकर यूट्यूब पर अपलोड किया। इसमें उसने प्रेमिका के घरवालों के साथ अपने परिजनों पर भी प्रताड़ित करने व पीटने का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस से झूठी शिकायत करने और पुलिस पर रुपये लेने का भी आरोप लगाया है।

अब मेरे पास यही रास्ता बचा है... यूट्यूब पर दो दिन पहले अपलोड किए गए वीडियो में विजय कहता है कि मैं आज या कल में सुसाइड कर लूंगा। बहुत परेशान हूं। पूरी-पूरी रात सो नहीं पाता हूं। मुझे मेरे घरवालों ने और जिस लड़की की वजह से सुसाइड कर रहा हूं, इन सबने मुझे इतना परेशान कर दिया है कि मेरे पास यही रास्ता बचता है। पुलिसवालों ने पैसा खाया है। मेरे खिलाफ झूठी शिकायत की गई। जबकि सबको पता था कि मैं ऐसा नहीं कर सकता हूं। किसी ने मेरे साथ अच्छा नहीं किया।

दो साल पहले हुई थी मुलाकात

विजय आगे कहता है कि वह उस लड़की से दो साल पहले धोपेश्वर नाथ मंदिर में मिला था। इंस्टाग्राम पर उससे बातचीत हो गई। मैंने उसे प्रपोज किया था। हमारे बीच में सब कुछ अच्छा चल रहा था। महाशिवरात्रि से पहले उनकी अनबन हुई। फिर एक महीने तक उसने बात नहीं की। फिर एक दिन उसने मैसेज किया कि हमारे बीच अब कुछ नहीं हो सकता है। वह उसके आगे बहुत गिड़गिड़ाया, लेकिन वह नहीं मानी। विजय ने कहा कि मैं ये वीडियो बरेली एसएसपी के पास भिजवाना चाहता हूं। मैंने सुना है वह बहुत अच्छे अफसर हैं। मरने के बाद मुझे इंसाफ मिले।

पकौड़ी के चक्कर में खो दी पत्नी

शादी के चार माह बाद पति को छोड़ प्रेमी संग भागी बीवी

बिलारी, 10 मार्च (एजेंसियां)। बस स्टैंड पर खड़ी बस में बैठी विवाहिता ने अपने पति को पकौड़ी लेने के लिए नीचे भेज दिया। पति जब पकौड़ी लेकर वापस आया तब वह बस से गायब मिली। विवाहिता के बस से उतरकर प्रेमी संग में जाने की चर्चा होती रही।

होली मनाने मायके आई थी पत्नी

यूपी के अमरोहा के देहात थाना अंतर्गत एक गांव निवासी युवक की शादी चार माह पहले रामपुर जिले के थाना सैफनी अंतर्गत एक गांव निवासी युवती के साथ हुई है। होली का त्योहार अपने मायके में मनाने के लिए विवाहिता होली से एक सप्ताह पहले सैफनी के निकट के गांव में आई थी। सोमवार सुबह विवाहिता का पति उसे लेने के लिए आया था। दोनों पहले तो बस से सैफनी से बिलारी आए और दोपहर में बिलारी बस स्टैंड पर बिलारी से मुरादाबाद जाने के लिए रोडवेज की एक बस में बैठ गए।

'अपने सामने गर्म करवाना पकौड़ी'

पता चला है कि विवाहिता ने अपने पति को पकौड़ी और पानी की बोतल लेने के लिए बस स्टैंड के निकट कैंटीन पर भेज दिया और यह भी कहा कि पकौड़ी अपने सामने गर्म करवाकर तेज सिकवा कर लाना। युवक जब पकौड़ी लेकर बस में आया तब उसकी पत्नी सीट पर नहीं थी। फोन करने पर उसकी पत्नी का मोबाइल स्विच ऑफ आया। युवक ने बस में बैठे अन्य यात्रियों से पूछा तब वह इतना ही बता पाए कि संबंधित महिला यात्री किसी से मोबाइल फोन पर बात करते हुए बस से नीचे उतर गई। परेशान युवक ने काफी देर तक अपनी पत्नी को इधर-उधर तलाशा लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। बाद में युवक ने अपने घर और अपनी ससुराल में भी इस घटनाक्रम की सूचना दी। बस स्टैंड पर मौजूद कुछ लोग यह चर्चा करते देखे गए कि विवाहिता का शादी से पहले ही अपने गांव के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

राज्यसभा चुनाव 2026 : ओवैसी-मायावती के भरोसे तेजस्वी की नैया

पटना में राजद विधायकों की बड़ी बैठक

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए हो रहे चुनाव की 'सेटिंग' शुरू हो गई है। बैटल ग्राउंड सजने लगे हैं। एनडीए की ओर से उपेंद्र कुशवाहा और महागठबंधन से अमरेंद्रधारी सिंह का मामला फंसा हुआ है।

कुल 6 उम्मीदवारों के मैदान में होने के कारण मतदान की स्थिति बन गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आज पटना में राजद विधायक दल की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिसकी अध्यक्षता वे खुद करेंगे। इसका मुख्य एजेंडा आरजेडी प्रत्याशी अमरेंद्रधारी सिंह (एडी सिंह) की जीत सुनिश्चित करना और विधायकों को वोटिंग के तकनीकी पहलुओं का निर्देश देना है। जहां एनडीए अपनी पांचवीं सीट के लिए आश्वस्त दिख रहा है, वहीं तेजस्वी यादव छोटे दलों के सहयोग से पासा पलटने की फिराक में हैं।

एनडीए बनाम विपक्ष की सीधी जंग

बिहार की 5 सीटों के लिए चुनावी बिसात बिछ चुकी है। अब आमने-सामने का मुकाबला होगा। रणनति के लिए तेजस्वी ने विधायकों की बड़ी बैठक बुलाई है।

जादुई आंकड़े वाली चुनौती

राज्यसभा की एक सीट सुरक्षित करने के लिए 41 विधायकों के प्रथम वरीयता वोट की आवश्यकता है। वर्तमान संख्याबल के अनुसार, एनडीए की 4 सीटों पर जीत सुनिश्चित है, लेकिन पांचवीं सीट के लिए उन्हें 3 अतिरिक्त वोटों की जरूरत है। विपक्षी महागठबंधन (राजद के 25 सहित कुल 35 विधायक) को जीत के लिए 6 अतिरिक्त वोटों की दरकार है।

एआईएमआईएम-बीएसपी की भूमिका

एडी सिंह की नैया पार लगाने के लिए तेजस्वी यादव की नजर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (5 विधायक) और मायावती की बसपा (1 विधायक) पर टिकी है। अगर ये 6 विधायक विपक्ष के पाले में आते हैं और किसी तरह की क्रॉस वोटिंग नहीं हुई तो आरजेडी प्रत्याशी की राह आसान हो सकती है।

क्रॉस वोटिंग का भी खतरा

चूंकि किसी भी गठबंधन के पास पांचवीं सीट के लिए स्पष्ट बहुमत नहीं है, इसलिए 'क्रॉस वोटिंग' की संभावना प्रबल हो गई है। एनडीए नेताओं का दावा है कि विपक्ष के कई विधायक उनके संपर्क में हैं, जबकि तेजस्वी के लिए अपने 35 विधायकों को एकजुट रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

2025 में ट्रैफिक रूल तोड़ने वालों पर पुलिस का एक्शन

14 लाख लोगों पर 283 करोड़ फाइन

गाजियाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। जिले में ट्रैफिक नियमों को लेकर पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है और नियम तोड़ने वालों पर सख्ती भी कर रही है। इसके बावजूद लोग यातायात नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। यही वजह है कि साल 2025 में गाजियाबाद पुलिस ने 14 लाख 42 हजार 525 ट्रैफिक चालान किए, जिनसे करीब 283 करोड़ रुपये का जुर्माना बनता है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा चालान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के किए गए हैं।

कई चालान कोर्ट में लंबित

गाजियाबाद पुलिस के मुताबिक कुछ लोग मौके पर या ऑनलाइन चालान जमा कर देते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में चालान अभी भी कोर्ट में लंबित हैं। कई लोग चालान भरने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का इंतजार करते हैं, जिससे मामलों का निपटारा देर से हो पाता है। हाल ही में एक ही वाहन पर कई चालान पाए जाने पर पुलिस ने वाहन मालिकों को नोटिस भेजकर वाहन सीज करने की कार्रवाई भी की थी।

आईटीएमएस से ऑनलाइन चालान

डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने बताया कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शहर में आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) लागू होने के बाद अब बड़ी संख्या में ऑनलाइन चालान हो रहे हैं। जहां आईटीएमएस नहीं है, वहां पुलिस मैनुअल चालान की कार्रवाई कर रही है।

मार्च की शुरुआत में ही चढ़ने लगा पारा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश के अधिकतर हिस्सों में मौसम के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। जहां उत्तर और पश्चिम में तापमान बढ़ने के साथ लू (हीटवेव) की स्थिति बनने लगी है, वहीं पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में आंधी-तूफान, वज्रपात और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में भीषण लू की चेतावनी दी है, जबकि राजस्थान, सौराष्ट्र-कच्छ और गुजरात के कई इलाकों में अगले कुछ दिनों तक गर्म हवाएं चल सकती हैं।

इस साल मार्च की शुरुआत में ही राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गर्मी ने लोगों को हैरान कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में धूप इतनी तेज महसूस हो रही है कि मौसम अप्रैल जैसा लगने लगा है। आमतौर पर मार्च

में तापमान अपेक्षाकृत कम रहता है, लेकिन इस बार गर्मी ने जल्दी दस्तक दे दी है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो इस समय के लिए सामान्य से अधिक माना जा रहा है।

कई राज्यों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक

मौसम विभाग के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में लू या हीटवेव की स्थिति बन सकती है। हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में आज भीषण लू चलने की आशंका जताई गई है। इसके अलावा आने वाले दिनों में विदर्भ, पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र-कच्छ, उत्तर गुजरात और मराठवाड़ा में भी गर्म हवाएं चलने की संभावना है। इन क्षेत्रों में दिन का तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक दर्ज किया जा सकता है, जिससे हीटवेव जैसी स्थिति बन सकती है।

पहाड़ी इलाकों में तेज हवाएं चलने का अनुमान

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है। इसका असर मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है। इसके अलावा उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम भी सक्रिय है, जिसके कारण ऊपरी वायुमंडल में तेज हवाएं चल रही हैं। इसका असर पहाड़ी इलाकों पर पड़ सकता है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद के कुछ इलाकों में बिजली गिरने, 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की बौछारें पड़ने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत में आंधी तूफान की आशंका

पूर्वोत्तर भारत में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो असम और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर लगभग 1.5 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। इसके साथ ही एक ट्रफ रेखा बिहार से दक्षिण छत्तीसगढ़ तक झारखंड के ऊपर से होकर गुजर रही है। इससे पूर्वी हिस्सों में बादल बनने और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार ओडिशा, झारखंड, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना है।

सांबा बॉर्डर के पास दिखा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन सुरक्षाबलों ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

जम्मू, 10 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने मंगलवार को व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर पूरे क्षेत्र की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार देर रात दबोह इलाके के ऊपर एक संदिग्ध दुश्मन ड्रोन की हलचल देखी गई। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत सतर्कता बढ़ाते हुए काउंटर मेजर शुरू किए और यह सुनिश्चित करने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया कि कहीं ड्रोन के जरिए हथियार या नशीला पदार्थ तो नहीं गिराया गया। उन्होंने बताया कि सेना, पुलिस और सीमा सुरक्षाबल की संयुक्त टीम इस पूरे इलाके में तलाशी अभियान चला रही है।

छात्र के डीप फेक वीडियो मामले में आरोपियों की तलाश

इंदौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में 10वीं के छात्र के डीप फेक वीडियो मामले में क्राइम ब्रांच की जांच जारी है। टीम आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल एविडेंस जुटा रही है। संभवतः आगामी दिनों में टीम आरोपियों की तलाश में शहर से बाहर जा सकती है। दरअसल, कुछ दिनों पहले 10वीं के छात्रा के माता-पिता ने क्राइम ब्रांच में मामले की जानकारी दी थी।

पेरेंट्स की जानकारी के बाद क्राइम ब्रांच ने उनके बयान दर्ज कर इस मामले में जांच शुरू की थी। जांच में कई बातें क्राइम ब्रांच के सामने आ चुकी है, जिसके आधार पर टीम आगे बढ़ रही है और आरोपियों की तलाश में लगी है।

जिस किसान के खेत में चलाया था ट्रैक्टर

उसी की बेटी की शादी में मेहमान बने राहुल गांधी

सोनीपत, 10 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार सुबह हरियाणा के सोनीपत स्थित गोहाना में एक किसान की बेटी की शादी में पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी ने किसान और उनके परिवार के सभी सदस्यों से मुलाकात की। ये वही किसान हैं, जिनके खेत में राहुल गांधी ने तीन साल पहले ट्रैक्टर चलाकर धान रोपाई की थी। जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी में सुबह करीब 10 बजे गोहाना में किसान संजय मलिक के यहां पहुंचे। यहां जैसे ही राहुल अपने कार से नीचे उतरे तो उनके हाथ से मोबाइल गिर गया। राहुल ने मोबाइल उठाया और रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ किसान के घर चले गए। इस दौरान कई नेताओं और किसान के परिवार के बुके देकर उनका स्वागत किया।

राहुल का हरियाणवी पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। जब राहुल शादी वाले घर में जाने लगे तो दरवाजे पर खड़े युवकों ने जोर से कहा-राहुल भाई राम-राम। राहुल हाथ जोड़कर मुस्कराए और आगे बढ़ गए।

किसान के घर में एक घंटा रुके

किसान संजय की बेटी तनु की शादी में राहुल करीब एक घंटा रुके। बीकॉम पास तनु की मंगलवार शाम को रोहतक से बारात आएगी। तनु की शादी सुंदरपुर के सुनील के साथ तय है। सुनील एमए इंग्लिश है और क्रिकेटर भी हैं। तुन की छोटी बहन सारिता और भाई दीपक है। राहुल ने इस दौरान दूध के साथ चूरमा खाया। महिलाओं के गीत सुने। इस दौरान उन्होंने वहां के किसानों और महिलाओं से बात कर उनकी समस्याओं को जाना।

संजय ने राहुल को भेजा कार्ड

किसान संजय ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी का कार्ड राहुल गांधी को भी भेजा था। राहुल ने उन्हें शादी में पहुंचने का आश्वासन दिया था। मंगलवार सुबह राहुल गोहाना में उनके गांव मदीना पहुंचे तो उनकी खुशी और बढ़ गई। राहुल गांधी ने घर के सभी सदस्यों से बात की। साथ ही उनकी बेटी को आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान घर की महिलाओं ने गीत गाकर उनका घर में स्वागत किया। राहुल ने दूध के साथ चूरमा भी खाया।

पंजाब बॉर्डर पर पाकिस्तान को बीएसएफ का करारा जवाब सीमा पार कर रहा घुसपैठिया ढेर

तरनतारन, 10 मार्च (एजेंसियां)। मंगलवार की देर रात को सीमा पर तैनात बीएसएफ की टुकड़ी ने भारत पाक सीमापार करके भारतीय क्षेत्र में दाखिल हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को गोलियां मारकर ढेर कर दिया। शव को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। खेमकरण क्षेत्र में तैनात बीएसएफ की 142 वी बटालियन के जवानों ने रात को पाक की तरफ से हरकत महसूस की, जिसके बाद चौकसी बढ़ा दी गई। जवानों ने माइट विजन कैमरों की मदद से देखा कि पाकिस्तान की तरफ से एक संदिग्ध भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो रहा है। कार्रवाई से पहले उसे चेतावनी दी गई, लेकिन इसके बाद भी वह घुसपैठ करता रहा तो उक्त संदिग्ध को जवानों ने गोलियों से ढेर कर दिया।

बीएसएफ की पोस्ट नूरवाल के पास की उक्त घटना के बाद जवानों ने गोलियां लगने से मरने वाले की तलाशी ली। सूत्रों के मुताबिक, उसके कब्जे से कुछ संदिग्ध सामान मिला है। हालांकि, इस बाबत अभी किसी भी अधिकारी ने सामान की बरामदगी बाबत अधिकारित तौर पर पुष्टि नहीं की। मरने वाले पाक घुसपैठिये के शव को थाना वल्टोहा की पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है

महामंडलेश्वर के खिलाफ फर्जी एफआईआर

उज्जैन, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन से हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महामंडलेश्वर के खिलाफ रेप की फर्जी एफआईआर करने के लिए षड्यंत्रकारियों ने बनारस से एक महिला को डरा धमकाकर उज्जैन बुलाया था। षड्यंत्रकारियों की बातों में फंसकर महिला उज्जैन आ भी चुकी थी। लेकिन दत्त अखाड़ा के साधु संतों ने इस महिला और एक अन्य षड्यंत्रकारी को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया।

मामले में दो आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया- दत्त अखाड़ा क्षेत्र से महंत आनंदपुरी महाराज ने एक महिला को पकड़ा था। वो घनश्याम पटेल नामक युवक के साथ मिलकर चारधाम मंदिर के महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को झूठे रेप के मामले में फसाने के लिए बयान दे रही थी। अखाड़ा के महंत आनंदपुरी महाराज, पंडित लोकेश शर्मा और संजय गोस्वामी ने जब इन लोगों को ऐसा करते हुए देखा तो दोनों को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

शुरुआत में तो पुलिस भी कुछ समझ नहीं पाई, लेकिन जब महिला का मोबाइल चेक किया गया और उससे सख्ती के साथ पूछताछ की गई तो पता चला कि पूर्व महामंडलेश्वर साध्वी मंदाकिनी पूरी और घनश्याम पटेल के कहने पर वह उज्जैन आई थी। वो चारधाम के महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को झूठे रेप मामले में फंसाना चाहती थी। इसके लिए उसे 50,000 का लालच दिए जाने के साथ ही इस बात के लिए भी धमकाया गया था कि अगर वो बात नहीं मानेगी तो उसके अश्लील फोटो सार्वजनिक कर दिए जाएंगे।

इन धाराओं में हो गया प्रकरण दर्ज

इस मामले में महाकाल थाना पुलिस ने चार धाम मंदिर के महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को झूठ रेप के मामले में फंसाने का षड्यंत्र रचने पर पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी पूरी और घनश्याम पटेल के खिलाफ धारा 49, 61 (1), 232(1), 351(3), 296(बी), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। यह प्रकरण दर्ज किए जाने के बाद महिला के कोर्ट में भी बयान हो चुके हैं।

मामले में की जा रही जांच और बयानों में नए लोगों के नाम सामने आने के बाद अब जल्द ही आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

उज्जैन में रह चुकी है बनारस की महिला

बताया जा रहा है कि बनारस में रहने वाली महिला पहले उज्जैन में भी रह चुकी है। वो घनश्याम पटेल, मंदाकिनी पुरी और महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को भी पहचानती है, वह चार धाम मंदिर के पास किराए के मकान में रहती थी और मंदाकिनी पुरी के घर खाना बनाने भी जाती थी। महिला ने पुलिस को बताया है कि घनश्याम पटेल कुछ दिन पहले उससे मिलने बनारस आया था जहां उसने महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को रेप के झूठे केस में फसाने के लिए 50,000 का लालच दिया था।

फिर वाराणसी से उज्जैन आने की बस की टिकट कराने के साथ ही उसके बेटे के खाते में कुछ रुपए भी डाले थे। महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद के खिलाफ प्रकरण दर्ज न करवाने पर महिला को अश्लील फोटो सार्वजनिक करने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद वह उज्जैन पहुंची थी और यहां उसे पकड़ लिया गया।

भोपाल बीफ कांडः चार्जशीट से हैदराबाद की लैब रिपोर्ट 'गायब'

तीन जांच-तीन रिपोर्ट में उलझा मामला

भोपाल, 10 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के चर्चित कथित बीफ परिवहन मामले में अब एक नया और बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। आरोपियों ने अदालत में आवेदन देकर सनसनीखेज दावा किया है कि जब्त किए गए मांस के नमूने की हैदराबाद लैब वाली जांच रिपोर्ट चार्जशीट के साथ पेश ही नहीं की गई है, जबकि पुलिस को यह रिपोर्ट पहले ही मिल चुकी है। आरोपियों ने अब अदालत से मांग की है कि इस रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया जाए और किसी प्रतिष्ठित लैब से नए सिरे से डीएनए जांच कराई जाए। यह आवेदन भोपाल के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (सीजेएम) की अदालत में राज्य बनाम मोहम्मद शोएब और असलम कुरैशी उर्फ 'चमड़ा' प्रकरण में दाखिल किया गया है।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के इस मामले में आरोपियों की ओर से उनके वकील ने 9 मार्च 2026 को सीआरपीसी की धारा 91 और 94 के तहत यह आवेदन पेश किया।

आवेदन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुलिस ने 5 मार्च 2026 को अदालत में चालान तो पेश कर दिया, लेकिन विवेचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण और निर्णायक दस्तावेज उसमें संलग्न नहीं किए गए हैं।

हैदराबाद लैब रिपोर्ट और नमूनों की अदला-बदली की आशंका

दस्तावेजों के अनुसार, 14 जनवरी 2026 को भोपाल कलेक्टर के निर्देश पर मांस का एक सैंपल कूरियर के जरिए राष्ट्रीय मीट अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद भेजा गया था, जो 15 जनवरी को वहां जमा हुआ। जांच के बाद संस्थान ने अपनी रिपोर्ट पुलिस को भेज दी थी, लेकिन इसे चालान का हिस्सा नहीं बनाया गया।

इसके अलावा, आरोपियों ने एक और गंभीर तर्क दिया है कि 17 दिसंबर 2025 की रात जब कंटेनर रोका गया था, तब मौके पर मौजूद भीड़ ने उसकी सील तोड़कर मांस सड़क पर बिखरा दिया था। उन्हें आशंका है कि इस दौरान नमूना बदला गया हो या उसमें जानबूझकर किसी अन्य जानवर का मांस मिलाया गया हो। इसी आधार पर अब डीएनए जांच की मांग की जा रही है।

तीन अलग-अलग रिपोर्टों से गहराया संशय

यह पूरा मामला इसलिए भी पेचीदा हो गया है क्योंकि अब तक इस केस में तीन अलग-अलग जांच रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं, जिनके निष्कर्ष एक-दूसरे से भिन्न हैं। सबसे पहले कंटेनर से जब्त मांस का परीक्षण भोपाल वेटरनरी अस्पताल में किया गया था, जिसकी प्राथमिक रिपोर्ट में इसे भैंस का मांस बताया गया। इसके बाद 18 दिसंबर 2025 को चार नमूने मथुरा की लैब भेजे गए, जहां की रिपोर्ट में इसे गाय या गोवंश का मांस बताया गया, जिससे पूरे शहर में तनाव और सनसनी फैल गई थी।

खराब हुआ सैंपल और एसआईटी की चार्जशीट

मामले की अंतिम पुष्टि के लिए पांचवां सैंपल 2 जनवरी 2026 को हैदराबाद लैब भेजा गया था, लेकिन वहां से यह जवाब आया कि सैंपल खराब हो चुका है और अब इसकी डीएनए जांच संभव नहीं है। स्थिति यह है कि अब दोबारा जांच के लिए मांस का कोई अन्य सैंपल सुरक्षित नहीं बचा है। बता दें कि 17 दिसंबर 2025 की रात पुलिस मुख्यालय के पास पकड़े गए इस कंटेनर में करीब 26.5 टन मांस मिला था।

इस मामले में एसआईटी ने करीब 500 पन्नों की चार्जशीट पेश की है, जिसमें मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत आरोपियों को सात साल तक की सजा का प्रावधान है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब 18 मार्च को आरोप तय करने को लेकर अगली सुनवाई होनी है। गायब रिपोर्ट और डीएनए जांच की मांग ने इस कानूनी लड़ाई को और भी रोचक बना दिया है।

असम में कांग्रेस को बीजेपी की ए टीम क्यों बोल रहे हैं बदरुद्दीन अजमल?

गुवाहाटी, 10 मार्च (एजेंसियां)। असम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसको लेकर राजनीति अभी से ही गर्म होने लगी है। एआईयूडीएफ के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने अपने एक बयान से कांग्रेस और बीजेपी दोनों पर निशाना साधा है। असम में पिछले 10 साल से बीजेपी सत्ता में है और इस बार वह तीसरी बार भी सत्ता रहने की कोशिश करेगी।

अजमल ने कहा, "हमारा लक्ष्य बीजेपी को सत्ता से हटाना है, लेकिन कांग्रेस उन्हें दोबारा सत्ता में आने में मदद कर रही है। अब तक कांग्रेस के आठ विधायक बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। एआईयूडीएफ के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस बीजेपी की 'ए टीम' है। उन्होंने मीडिया से कहा कि कांग्रेस हमारे ऊपर इल्जाम लगाती है कि हम बीजेपी की बी टीम हैं। लेकिन अब पता चल गया है कांग्रेस, बीजेपी की ए टीम है। मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि असम में एक ही पार्टी ही पार्टी है, जो बीजेपी के खिलाफ लड़ा रही और वह एआईयूडीएफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के विधायक बीजेपी में चले जाते हैं। बता दें कि हाल में कांग्रेस ने तीन विधायकों को 3 निलंबित किया था और बादमें उन्होंने बीजेपी जॉइन की है।

बीजेपी में शामिल होने वाले विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ करीमगंज नॉर्थ सीट से, बसंत दास मंगलदोई से और शशिकांत दास शामिल हैं। असम की 126 विधानसभा सीटें इस साल चुनाव होने हैं। अभी चुनावों की तारीखों नहीं हुआ और अभी से सियासी पर चढ़ गया है। चुनाव आयोग ने अभी आधिकारिक शेड्यूल घोषित नहीं किया है, लेकिन मई तक इन चुनावों के होने की उम्मीद है।

पंजाब में बीजेपी को बड़ा झटका

पूर्व मंत्री सतपाल गोसाई के पोते अमित ने ज्वाइन की अकाली दल

लुधियाना, 10 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व मंत्री सतपाल गोसाई के पोते व प्रदेश प्रवक्ता अमित गोसाई अकाली दल में शामिल हो गए। चंडीगढ़ में अकाली दल पार्टी के सुप्रीमो सुखबीर बादल ने अमित गोसाई को पार्टी में ज्वाइन करवाया। इस संबंध में अकाली दल सुप्रीमो सुखबीर बादल ने अपने एक्स पोस्ट पर अमित गोसाई के शामिल होने ओर फोटो शेयर की है। विधानसभा चुनाव से पहले यह बीजेपी को एक तरह से झटका है अमित गोसाई सेंट्रल विधानसभा से आते हैं। उनके दादा स्वर्गीय सतपाल गोसाईं इस विधानसभा से ही चुनाव लड़ते थे और विधायक बने। बाद में मंत्री भी बने। क्षेत्र में गोसाई परिवार की अच्छी पकड़ है। लिहाजा अमित गोसाई के भाजपा को छोड़कर अकाली दल में शामिल होने से भारतीय जनता पार्टी के लिए यह किसी झटके से कम नहीं है। फिलहाल अमित गोसाई ने अकाली दल पार्टी ज्वाइन कर ली है। सूत्रों के मुताबिक अमित गोसाई आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान अकाली दल से उम्मीदवार हो सकते हैं।

केदारनाथ की रूप छड़ी-मुकुट गायब होने की चर्चा, मंत्री ने कहा जांच होगी, रावल ने दिया स्पष्टीकरण

रुद्रप्रयाग, 10 मार्च (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम की रूप छड़ी और मुकुट के गायब होने के सोशल मीडिया पर चर्चा है। इसे लेकर आज विधानसभा सत्र के बाद पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मामले की जांच होगी। वहीं, इसे लेकर केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग ने स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम की परंपराएं प्राचीन काल से चली आ रही है और इसे लेकर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। रावल ने बताया कि वीरशैव लिंगायत धर्म में पांच प्रमुख प्राचीन पीठ हैं।

रामभपुरी, उज्जैनी, केदार, श्रीशैल और काशी इन पांचों पीठों का विशेष महत्व है। वहीं, केदार पीठ ऊखीमठ वैराग्य पीठ है, जो चारों युगों से चली आ रही परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है। परंपरा के अनुसार धर्म प्रचार के लिए रावल को रूप छड़ी, मुकुट और अन्य धार्मिक सामग्री अपने साथ ले जाने का अधिकार है।

'मेरा पति बेवफा'

केरल के परिवहन मंत्री को पत्नी ने आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा! छिड़ा सियासी घमासान

तिरुवनंतपुरममेरा, 10 मार्च (एजेंसियां)। पति बेवफा है।।। ये कहना है केरल के परिवहन मंत्री केबी गणेश कुमार की पत्नी का। पत्नी के इस बयान के बाद मंत्रीजी विवादों में घिर गए हैं। परिवहन मंत्री केबी गणेश कुमार की पत्नी बिंदु मेनन का आरोप है कि उन्होंने अपने पति और केरल के परिवहन मंत्री को आपत्तिजनक स्थिति में देखा। मंत्री की पत्नी ने यह बात फोन पर एक मीडिया रिपोर्टर से बात करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि उनके पास इस बारे में सभी सबूत हैं, लेकिन उनकी कोई प्लानिंग नहीं है कि वे कानूनी कार्रवाई करें। मंत्री की पत्नी बिंदु मेनन के अनुसार, 'वे पिछले शनिवार दोपहर अपने घर वलाकम गई थीं।

उन्होंने घर और बेडरूम में प्रवेश किया, जहां उन्होंने मंत्री को आपत्तिजनक स्थिति में देखा। मंत्री के स्टाफ ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उनका फोन छीन लिया, जिससे उन्होंने मदद के लिए रोना शुरू किया। उन्होंने पूर्व डीजीपी और तिरुवनंतपुरम कॉरपोरेशन की पार्षद से मदद के लिए संपर्क किया, जो उनके कजिन की पत्नी भी हैं। उनकी सलाह पर उन्होंने पुलिस की टोल फ्री हेल्पलाइन 112 पर कॉल की। पुलिस पहुंची, लेकिन उन्होंने कहा कि वे इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

केबी गणेश के बीच ये हैं समस्याएं

बिंदु मेनन ने कहा कि 2014 में शादी के बाद से उनके और केबी गणेश के बीच वैवाहिक समस्याएं रही हैं। केरल कांग्रेस (बी) के नेता कुमार ने 2014 में यामिनी थांकेची से कानूनी रूप से अलग होने के बाद मेनन से शादी की थी। मेनन ने कहा कि 2019 में एक बड़ा विवाद हुआ था और उन्होंने अपनी रिश्तेदार, पूर्व डीजीपी व भाजपा नेता आर। श्रीलेखा से मदद मांगी थी। मेनन ने कहा कि वह पिछले कई महीने से अलग रह रही हैं, क्योंकि केबी गणेश के कई महिलाओं से संबंध हैं। उन्होंने कहा, 'कई महिलाओं को लेकर मेरी उनसे लड़ाई होती थी। फिर मेरे फोन ट्रैक किए गए और मुझ पर आरोप लगाए गए कि मेरा अपने दोस्तों के साथ प्रेम-प्रसंग है।'

विपक्ष हुआ हमलावर, छिड़ा सियासी घमासान

केएसयू राज्य उपाध्यक्ष यधु ने फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया कि मंत्री की पत्नी ने उनके अतरंगी संबंधों का पता लगाया और इसका सबूत रिकॉर्ड किया। पोस्ट में कहा गया कि मंत्री के व्यक्तिगत स्टाफ ने उनकी पत्नी पर शारीरिक हमला किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस के 112 नंबर पर कॉल की। पोस्ट में सवाल उठाया गया कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। यधु ने कहा कि अगर उनके द्वारा कही गई बात गलत है, तो मंत्री उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं।

पत्नी के आरोपों पर मंत्रीजी की सफाई

इन आरोपों पर मंत्री केबी। गणेश कुमार ने सफाई दी है। उनका कहना है कि यह सब चुनावों के समय मेरे खिलाफ साजिश है। वे यह नहीं कह सकते कि मैं अक्षम या भ्रष्ट हूं। जब चुनाव आते हैं, तो ऐसे मुद्दे सामने आते हैं। अगर आप मुझसे प्यार के बारे में पूछें, तो इसमें कोई अचरज की बात नहीं है। मेरे पास प्यार है, बहुत से लोग हैं जिन्हें मैं प्यार करता हूं, और बहुत लोग हैं जो मुझे प्यार करते हैं।

ट्रम्प ईरान के खार्ग आइलैंड पर कब्जा चाहते हैं

90% ईरानी तेल का एक्सपोर्ट यहां से, एक्सपर्ट बोले- इस पर हमले से विश्वयुद्ध का खतरा

तेहरान, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका, इजराइल और ईरान में जारी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट के पास मौजूद खार्ग आइलैंड की अहमियत अचानक बढ़ गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ट्रम्प सरकार इस आइलैंड पर कब्जे को लेकर सैन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, क्योंकि यह ईरान की तेल कमाई का सबसे बड़ा सेंटर माना जाता है।

दरअसल ईरान के करीब 80 से 90% कच्चे तेल का निर्यात इसी आइलैंड से होता है। यहां बड़े तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, स्टोरेज टैंक और जहाजों में तेल भरने की फैसिलिटी मौजूद हैं। इसे हर दिन करीब 70 लाख बैरल तक तेल जहाजों में भरा जा सकता है।

1960 के दशक में विदेशी निवेश के बाद इस जगह को बड़े ऑयल एक्सपोर्ट सेंटर के तौर पर डेवलप किया गया था और तब से यह ईरान की ऑयल सप्लाई की रीढ़ बन गया। हडसन इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो माइकल डोरान ने कहा, ट्रम्प सरकार युद्ध के बाद भी ईरान की पूरी अर्थव्यवस्था को तबाह नहीं करना चाहती है।

अमेरिका की पुरानी 'रेड लाइन' यानी तय सीमा यह रही है कि कुछ खास और अहम ठिकानों पर हमला नहीं किया जाए।

अमेरिका और इजराइल ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों और न्यूक्लियर फैसिलिटी को निशाना बनाया है, लेकिन खार्ग आइलैंड पर अब तक हमला नहीं हुआ है। सैटेलाइट डेटा और जहाजों की निगरानी करने वाली कंपनियों के मुताबिक जंग जारी होने के बावजूद ईरान यहां से लगातार तेल निर्यात कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक करीब 1.2 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल टैंकरों के जरिए बाहर भेजा गया है। असली आंकड़ा इससे ज्यादा भी हो सकता है क्योंकि ईरान के कई जहाज अपनी ट्रैकिंग सिस्टम बंद करके चलते हैं।

ईरान कई बार ऐसे टैंकरों का इस्तेमाल करता है जिन्हें डार्क फ्लीट कहा जाता है। ये जहाज अपनी लोकेशन दिखाने वाली ट्रैकिंग मशीन बंद कर देते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। खार्ग आइलैंड फारस की खाड़ी में ईरान के तट से करीब 25 से 30 किलोमीटर दूर स्थित है।

हाल ही में एक बड़ा तेल टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय कुछ समय के लिए ट्रैकिंग से गायब हो गया था और बाद में फिर दिखाई दिया। रिपोर्ट्स में कहा गया कि वह जहाज एशिया की ओर जा रहा था ।

खार्ग आइलैंड स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बेहद करीब है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक है। दुनिया का करीब 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। अगर इस इलाके में हमला होता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है तो पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है और कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं।

ईरान जंग- 9 एशियाई देशों में तेल संकट

बांग्लादेश में यूनिवर्सिटीज बंद, थाइलैंड में लिफ्ट इस्तेमाल पर रोक, पाकिस्तान ने मंत्रियों की सैलरी-विदेश यात्रा रोकी

इस्लामाबाद/ढाका/बैंकॉक, 10 मार्च (एजेंसियां)। ईरान जंग का असर अब एशिया के कई देशों में दिखाई देने लगा है। तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने के कारण कम से कम 9 एशियाई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। हालात ऐसे हैं कि अलग-अलग देशों को ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े हैं।

बांग्लादेश में सभी यूनिवर्सिटीज बंद कर दी गई हैं, ताकि बिजली और ईंधन की खपत कम की जा सके। वहीं थाइलैंड में सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाकर कर्मचारियों को सीढ़ियों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं और वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है।

दूसरी ओर पाकिस्तान में खर्च कम करने के लिए मंत्रियों की सैलरी और विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है, साथ ही सरकारी खर्च और ईंधन उपयोग में कटौती के फैसले लिए गए हैं।

दरअसल ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद है, इसके चलते तेल की सप्लाई ठप्प हो गई

बैंकॉक समेत पूरे थाईलैंड में पेट्रोल और डीजल लेने के लिए लाइनें लग रही हैं।

है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20% तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है।

थाईलैंड- लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों के इस्तेमाल का आदेश

थाईलैंड में सरकार ने ऊर्जा बचाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने और दफ्तरों में लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक जिन अधिकारियों को सीधे जनता की सेवा देनी होती है, उन्हें इस नियम से छूट दी गई है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने सरकारी कर्मचारियों को ऊर्जा बचाने के लिए जरूरी कदम लागू करने को कहा है। सरकार ने विदेश यात्राओं को अस्थायी रूप से रोक दिया है। ऊर्जा बचत के लिए एयर कंडीशनर का तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को सूट-टाई जैसे औपचारिक कपड़ों की जगह शॉर्ट स्लीव शर्ट पहनने की सलाह दी गई है। ऊर्जा मंत्री के अनुसार देश के पास फिलहाल करीब 95 दिन का ऊर्जा भंडार बचा है। सरकार अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से अतिरिक्त LNG खरीदने की कोशिश कर रही है।

सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर संकट और गहरा हुआ तो दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के विज्ञापन बोर्ड की रोशनी कम करने और पेट्रोल पंपों को रात 10 बजे तक बंद करने जैसे कड़े कदम भी उठाए जा सकते हैं। चीन ने संभावित ऊर्जा संकट को देखते हुए कच्चे तेल की खरीद बढ़ाकर अपने रणनीतिक भंडार मजबूत करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने साल के शुरुआती महीनों में अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदा है और इसे रणनीतिक तथा वाणिज्यिक भंडार में रखा जा रहा है। इसके साथ ही सरकार ने रिफाइनरियों को नए फ्यूल एक्सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन न करने और कुछ तय शिपमेंट को रोकने के निर्देश दिए हैं।

हमलों के लिए इराक को न करें लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल

बगदाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। यह कूटनीतिक बातचीत ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में सुरक्षा के हालात बहुत खराब हैं। लड़ाई शुरू होते ही इराक के आसमान में कई तरफ से आती मिसाइलें और लड़ाकू विमान दिखने लगे थे। प्रधानमंत्री के मीडिया ऑफिस ने बताया कि फोन पर हुई इस बातचीत में सुदानी ने एक बड़ी बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पक्का करना जरूरी है कि इराक की जमीन, आसमान और पानी का इस्तेमाल पड़ोसी देशों पर हमले के लिए न हो।

प्रधानमंत्री इराक को बढ़ती हिंसा से बचाना चाहते हैं। बगदाद सरकार अपनी सीमाओं के बिना इजाजत इस्तेमाल के खिलाफ खड़ी है। सुदानी ने अमेरिकी अधिकारी से कहा कि इराक को इन झगड़ों में घसीटने की कोशिश न की जाए। उन्होंने किसी भी पक्ष की तरफ से इराक की सीमाओं के उल्लंघन की कड़ी निंदा की।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर पांच मिसाइलें दागी

इराक शांति की कोशिश कर रहा है, लेकिन युद्ध की आग उसकी सीमाओं के भीतर पहुंच चुकी है। ईरान की सेना (आईआरजीसी) ने उत्तरी इराक में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने बताया कि उन्होंने इराक के कुर्दिस्तान में स्थित 'हरीर एयर बेस' पर हमला किया। यह एयर बेस अमेरिकी सेना का मुख्य केंद्र है। ईरानी सेना ने बताया कि इस सैन्य ठिकाने पर पांच मिसाइलें दागी गईं। अल जजीरा के मुताबिक, यह हमला इलाके में बढ़ते तनाव का बड़ा संकेत है। हरीर एयर बेस अंतरराष्ट्रीय गठबंधन सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण जगह है।

इसलिए अमेरिकी मुख्यालय को निशाना बनाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुदानी ने साफ कर दिया है कि वे अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करेंगे।

ईरान में हो रही तेजाबी बारिश

इजरायल-अमेरिका हमलों का दिखा खतरनाक असर, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में सप्ताहांत में तेल डिपो पर हुए अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के बाद कुछ इलाकों में काली बारिश होने की खबरें सामने आ रही हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में इसे एसिड रेन बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश का पानी काला दिखाई दे रहा है और उसमें तेल जैसी परत भी देखी जा रही है, जो इमारतों और वाहनों पर जम रही है। कुछ लोगों ने सिरदर्द और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत भी की है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने भी चेतावनी दी है कि इन हमलों के बाद होने वाली बारिश बेहद खतरनाक और अम्लीय हो सकती है।

वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और वायु प्रदूषण पर काम करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति केवल सामान्य एसिड रेन तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि इसमें कई खतरनाक प्रदूषक शामिल होने की आशंका है। उनके अनुसार अधिक गंभीर स्थिति हो सकती है।

वायुमंडल से प्रदूषकों को हटाने का एक प्रमुख तरीका बारिश है। जब हवा में बड़ी मात्रा में प्रदूषक मौजूद होते हैं तो बारिश की बूंदें उन्हें अपने साथ लेकर जमीन पर ले आती हैं। तेल डिपो पर हमले के बाद वातावरण में भारी मात्रा में धुआं और प्रदूषक फैल गए होंगे। इसी कारण बारिश की बूंदें इन प्रदूषकों को अपने साथ लेकर नीचे गिर रही हैं, जिससे काली बारिश की स्थिति बन रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस बारिश में कई खतरनाक पदार्थ मौजूद हो सकते हैं, जिनमें हाइड्रोकार्बन, बेहद महीन कण और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएचएस) शामिल हैं। पीएएचएस ऐसे रसायन हैं जिन्हें कैंसरकारी माना जाता है।

इसके अलावा बारिश में अन्य कई अज्ञात रसायनों का मिश्रण भी हो सकता है। इनमें भारी धातुएं और अकार्बनिक यौगिक शामिल हो सकते हैं, जो विस्फोट में नष्ट हुई इमारतों, संरचनाओं और अन्य सामग्रियों से निकलते हैं।

तेल डिपो में लगी आग से सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी बड़ी मात्रा में निकलती हैं। ये गैसें हवा में रासायनिक प्रतिक्रिया करके सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड बनाती हैं। जब ये एसिड बारिश की बूंदों में घुल जाते हैं, तो वही बारिश एसिड रेन कहलाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि केवल काली बारिश ही नहीं, बल्कि तेल डिपो में लगी आग से उठ रहा घना जहरीला धुआं भी बड़ी चिंता का विषय है। अगर हवा में धुएं की गंध महसूस हो रही है, तो इसका मतलब है कि प्रदूषण का स्तर स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने लायक हो सकता है।

घनी आबादी वाले इलाकों के ऊपर छाए जहरीले धुएं के बादल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं।

हजारीबाग के दनुआ घाटी में अनियंत्रित ट्रेलर खाई में गिरा

हादसे में चालक-उपचालक की मौत सरिया लोडकर बिहार जा रहा था ट्रेलर

हजारीबाग, 10 मार्च (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र की दनुआ घाटी में मंगलवार को एक सड़क हादसे में ट्रेलर के चालक और उपचालक की मौत हो गई। सरिया लोड कर बोकारो से बिहार जा रहा एक ट्रेलर जोड़रही पुल के पास अनियंत्रित होकर लगभग 60 फीट गहरी खाई में गिर गया था।

जानकारी के अनुसार, ट्रेलर को पंकज कुमार (35) चला रहे थे, जो भोजपुर (बिहार) के हखरकपुर निवासी बृजनंदन यादव के पुत्र थे। दुर्घटना में उपचालक की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जोड़रही पुल का डिवाइडर लंबे समय से क्षतिग्रस्त है और इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है।

लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) पर लापरवाही का आरोप लगाया है, जिसके कारण इस स्थान पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं।

मिनाब स्कूल धमाका: जांच में टॉमहॉक मिसाइल के इस्तेमाल का संकेत

ट्रंप और ईरान ने जड़े एक दूसरे पर आरोप

तेहरान, 10 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच बीते दिनों ईरान के मिनाब शहर में हुए एक भीषण धमाके को लेकर नई जानकारी सामने आई है। जांच करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला संभवतः अमेरिका की टॉमहॉक क्रूज मिसाइल से किया गया था। यह धमाका एक स्कूल के पास हमला हुआ, जिसमें 165 से अधिक मासूम बच्चियों की मौत हो गई थी। बता दें कि यह घटना 28 फरवरी को ईरान के दक्षिणी होर्मोज्गान प्रांत के शहर मिनाब में हुई। यहां एक स्कूल के पास जोरदार विस्फोट हुआ था। यह स्कूल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के एक सैन्य अड्डे के बिल्कुल पास स्थित है। जहां एक ओर इस हमले के चलते दुनियाभर में हलचल तेज हो गई थी। वहीं दूसरी ओर जांच करने वाली संस्था बेलिंगकैट ने एक नया वीडियो विश्लेषित किया है। यह वीडियो उसी दिन रिकॉर्ड किया गया था जब हमला हुआ था, लेकिन इसे बाद में ईरान की समाचार एजेंसी मेहर समाचार एजेंसी ने जारी किया। वीडियो में एक मिसाइल इमारत से टकराती दिखाई देती है और उसके बाद आसमान में काला धुआं उठता नजर आता है। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में कहा कि उनके अनुसार यह हमला ईरान ने खुद किया होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के पास भी टॉमहॉक मिसाइल हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ईरान के पास यह मिसाइल है। टॉमहॉक मिसाइल अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन बनाती है और इसे जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ सहयोगी देशों को ही बेचा जाता है। जब पत्रकारों ने पूछा कि उनके प्रशासन में सिर्फ वही ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है और जो भी आधिकारिक रिपोर्ट आएगी, वह उसे मान लेंगे।

समाचार एजेंसी एपी ने इस वीडियो की लोकेशन की जांच की और पाया कि यह वीडियो स्कूल के पास ही रिकॉर्ड किया गया था। सैटेलाइट तस्वीरों और वीडियो में दिख रहे बिजली के खंभे, इमारत और गाड़ियों से इसकी पुष्टि होती है। इसके साथ ही बेलिंगकैट के शोधकर्ता ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही मिसाइल टॉमहॉक क्रूज मिसाइल जैसी लगती है। यह मिसाइल आमतौर पर अमेरिकी सेना इस्तेमाल करती है। अभी तक इस युद्ध में इसी मिसाइल का इस्तेमाल अमेरिका द्वारा किए जाने की बात सामने आई है।

अमेरिकी हमले के शक के पीछे बड़ा कारण यह भी है कि अमेरिकी सेना की कमान संयुक्त राज्य अमेरिका मध्य कमान ने भी स्वीकार किया है कि उसने इस युद्ध में टॉमहॉक मिसाइल का इस्तेमाल किया है।

बलरामपुर में 5 एकड़ खेत में मिली अफीम की फसल

पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, दुर्ग में बीजेपी नेता विनायक के भाई की दुकान ढहाई गई

दुर्ग/बलरामपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के ग्राम समोदा में अफीम की खेती पकड़े जाने के बाद दूसरा मामला बलरामपुर जिले से आया है। जहां मंगलवार (10 मार्च) त्रिपुरी के सरनाटोली गांव से दूर जंगल किनारे अफीम की खेती की गई थी। अफीम पूरी तरह से तैयार थी और डोडों में चीरा भी लगाया गया था। मामला कुसमी थाना क्षेत्र का है। ग्रामीणों की सूचना पर कुसमी एसडीओपी सहित प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है। जहां अफीम जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है, खेत किसका है, किसने अफीम उगाया इसकी जांच जारी है। वहीं, दुर्ग जिले में अफीन उगाने वाले बीजेपी नेता विनायक के भाई के अवैध दुकान पर बुलडोजर चला है। बृजेश ताम्रकार ने गांव की 32 डिसमिल जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। 20 साल पुराने इस कब्जे को मंगलवार (10 मार्च) को पुलिस बल की मौजूदगी में हटाया गया।

कल सभी भाजपा कार्यालयों का घेराव करेगी कांग्रेस

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के समोदा गांव में अवैध अफीम खेती को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने 12 मार्च को प्रदेशभर के भाजपा जिला कार्यालयों के घेराव करने का ऐलान किया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि, भाजपा के संरक्षण में प्रदेश में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। पार्टी से जुड़े नेता आरोपियों को बचाने में लगे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि, इस मामले में भाजपा नेता विनायक ताम्रकर की भूमिका गंभीर है, लेकिन उसे मुख्य आरोपी बनाने के बजाय सह-अभियुक्त बनाया गया है। जिस व्यक्ति को सिर्फ निलंबित किया गया है, उसे पार्टी से तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।

पूरे मामले में जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा कार्यालयों के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। दरअसल, दुर्ग जिले के समोदा गांव में अवैध तरीके से पिछले करीब 5 साल से अफीम की खेती की जा रही थी, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। 6 मार्च 2026 को मामला तब सामने आया, जब गांव के कुछ बच्चों को खेत में अजीब तरह के पौधे मिले।

चीन में 56 जातीय समूहों को एक पहचान मिलेगी

अलग-अलग समुदायों में शादी को बढ़ावा बच्चों को कम्युनिस्ट पार्टी से प्रेम सिखाने की बात

बीजिंग, 10 मार्च (एजेंसियां)। चीन में जिनपिंग सरकार एक नए कानून को मंजूरी देने की तैयारी कर रही है, जिसमें अलग-अलग जातीय समूहों (एथनिक ग्रुप्स) को एक ही राष्ट्रीय पहचान दी जाएगी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस कानून का नाम 'लॉ ऑन प्रोमोटिंग एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस' है।

चीन में हान, उइगुर, तिब्बती, मंगोल जैसे 56 जातीय समूह हैं। चीन की सरकार पर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि वह देश के जातीय अल्पसंख्यकों (एथनिक माइनॉरिटी) को दबाने वाली नीतियां अपनाती है और उन्हें जबरन बहुसंख्यक हान चीनी संस्कृति में घुलने-मिलने के लिए

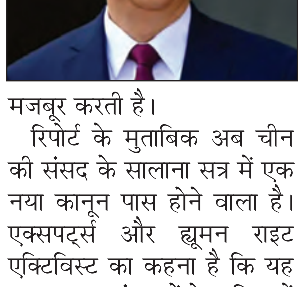

मजबूर करती है।

रिपोर्ट के मुताबिक अब चीन की संसद के सालाना सत्र में एक नया कानून पास होने वाला है। एक्सपर्ट्स और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट का कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा उनकी संस्कृति के लिए खतरा बढ़ाएगा। हालांकि चीन सरकार का कहना है कि यह कानून देश में लोगों के बीच एकता बढ़ाने और देश को आधुनिक बनाने के लिए जरूरी है। सरकार इसे 'जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून' बता रही है।

अगर कोई व्यक्ति, संगठन या गतिविधि ऐसी बात कहे या करे जिससे अलग-अलग जातीय समुदायों के बीच झगड़ा, नफरत या अलग होने की मांग बढ़े, तो उस पर रोक लगाई जाएगी।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहले भी कई बार धर्म के 'चीनीकरण' की बात कर चुके हैं। इसका मतलब है कि धार्मिक परंपराएं और प्रथाएं भी कम्युनिस्ट पार्टी के हिसाब से चीनी संस्कृति और मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि नया कानून इसी नीति को और मजबूत करेगा। पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के एरन ग्लासरमैन के मुताबिक, मंदारिन को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों की पहचान तथा धार्मिक अभिव्यक्ति पर नियंत्रण जैसी नीतियां पहले भी लागू थीं। अब चीन सरकार इन नीतियों को सिर्फ नीति नहीं बल्कि कानून का रूप दे रही है।

ईरान पर अमेरिकी बंकर-बस्टर बमों के हमलों से डरा चीन

बीजिंग, 10 मार्च (एजेंसियां)। चीन मध्य पूर्व संघर्ष के दौरान ईरान में अमेरिकी बंकर बस्टर बमों के हमलों से डरा हुआ है। इस कारण वह अपने सैन्य अड्डों, मिसाइल ठिकानों को जमीन में और अधिक गहराई में छिपाने की कोशिश कर रहा है। चीन ने तिब्बत और शिनजियांग प्रांत में बड़े पैमाने पर मिसाइल साइलो का निर्माण किया है, जिनमें लंबी दूरी तक हमला करने वाली परमाणु मिसाइलों को लॉन्च के लिए तैयार रखा गया है। ऐसे में वह जानता है कि अगर अमेरिका के साथ युद्ध होता है तो उसके इन सैन्य अड्डों पर अमेरिका बंकर बस्टर बमों से हमला कर सकता है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी एनर्जी एक्सपर्ट्स पहले से ही जियोपॉलिटिकल तनाव और वैश्विक अस्थिरता को देखते हुए स्ट्रेटेजिक एनर्जी और डिफेंस एसेट्स की सुरक्षा के लिए पश्चिमी चीन में जमीन के नीचे सुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर्स का नेटवर्क तैयार करने की अपील कर रहे हैं। सरकारी पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ़ चाइना (पावरचाइना) के चीफ टेक्निकल एक्सपर्ट झांग शिशु ने कहा कि जरूरी सुविधाओं को जमीन के नीचे गहराई में दबाना चाहिए ताकि तेल, नेचुरल गैस और रेयर मेटल्स जैसे रिसोर्स को स्टोर किया जा सके और उन्हें संभावित मिलिट्री हमलों या सर्विलांस से बचाया जा सके।

चीन इस प्लान के तहत एक टियर वाला सिस्टम विकसित करेगा। इसमें बड़े सेंट्रल स्टोरेज हब को छोटे रीजनल डिपो और बॉर्डर फैसिलिटी से जोड़ा जाएगा। इसमें खासतौर पर तिब्बत और शिनजियांग वाले सीमावर्ती इलाकों पर फोकस किया जाएगा। शोधकर्ताओं ने इसे चीन का अंडरग्राउंड स्ट्रेटेजिक कॉरिडोर और कोवर्ट सपोर्ट सिस्टम का नाम दिया है। चीन इसकी मदद से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और बॉर्डर सिक्योरिटी को मजबूत करेगा। चीन ने पहले ही इस पर काम करना शुरू कर दिया है। नई रणनीति के मुताबिक, चीन आने वाले समय में जरूरी इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर को बीजिंग, शंघाई और शेनझेंग जैसे इलाकों से हटाकर अंदरूनी स्ट्रैटजिक इलाकों में शिफ्ट करेगा। इसका मकसद सप्लाई चेन में रुकावट, ब्लॉकेड या अमेरिका और उसके साथी देशों के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान रिस्क को कम करना है।

चीन पहले से ही ड्रिलिंग और जियोलॉजिकल मॉनिटरिंग में काफी तरक्की कर चुका है। ऐसे में चीन के पास ऐसी तकनीक आ चुकी है, जिससे अब 3000 मीटर की गहराई पर प्रोजेक्ट का निर्माण मुमकिन है। चीन ने एक साल पहले अमेरिका के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान ईरान के अंडरग्राउंड न्यूक्लिर साइट्स पर हमलों को देख चुका है।

इस हमले में अमेरिका ने ईरान के कई परमाणु सुविधाओं को बंकर बस्टर बमों के हमले में नष्ट कर दिया था।

15 मार्च से थम जाएंगी शहनाइयां रुक जाएंगे शुभ काम!

सनातन धर्म में खरमास का विशेष महत्व है. हिंदू पंचांग के अनुसार खरमास की अवधि में सभी प्रकार के मांगलिक और शुभ कार्यों पर पूर्णतः विराम लग जाता है. इस वर्ष मार्च के महीने में खरमास की शुरुआत होने जा रही है. जिसके बाद अगले एक महीने तक विवाह, उपनयन संस्कार, मुंडन, गृह निर्माण और गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य वर्जित रहेंगे. जानिए कब होगा इसका समापन और कैसे लगता है खरमास।

कब और कैसे लगता है खरमास?

पूर्णिया के महाराज जी हाता स्थित प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित मनोत्पल झा ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब सूर्य देव बृहस्पति की राशियों (धनु या मीन) में प्रवेश करते हैं तो उस काल को खरमास या मास कहा जाता है. चूंकि सूर्य देव अपने गुरु बृहस्पति की सेवा में लग जाते हैं, इसलिए उनका प्रभाव कम हो जाता है. इस समय किए गए मांगलिक कार्यों का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता. साल में दो बार खरमास लगता है. एक बार जब सूर्य धनु राशि में जाते हैं और दूसरी बार जब वे मीन राशि में प्रवेश करते हैं।

मीन संक्रांति और समय का अंतर

पंडित जी ने बताया कि इस वर्ष सूर्य देव मीन राशि में प्रवेश कर रहे हैं. मीन संक्रांति का यह क्षण 14 मार्च 2026 की अहले सुबह 3:38 बजे से लेकर शाम लगभग 5:30 बजे के बीच रहेगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि अलग-अलग स्थानों के अक्षांश और देशांतर में अंतर होने के कारण सूर्योदय का समय अलग होता है. इसलिए विभिन्न क्षेत्रों के पंचांगों में समय का मामूली अंतर देखा जा सकता है।

मिथिला पंचांग के अनुसार गणना

हिंदू मिथिला पंचांग के अनुसार खरमास का विधिवत प्रारंभ 15 मार्च 2026 से हो रहा है. इस दौरान एक महीने तक किसी भी प्रकार के संस्कार नहीं किए जा सकेंगे. हालांकि पंडित झा ने यह भी स्पष्ट किया कि खरमास में नियमित पूजा-पाठ और व्रत आदि पर कोई रोक नहीं होती. इसी अवधि में चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ होगा. चैती छठ जैसे पावन पर्व भी मनाए जाएंगे. धार्मिक अनुष्ठान किए जा सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत सुख-समृद्धि से जुड़े मांगलिक कार्य नहीं होंगे।

कब होगा खरमास का समापन?

खरमास का समापन 13 अप्रैल 2026 को दोपहर लगभग 12:00 बजे होगा. जब सूर्य मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे. 14 अप्रैल से पुनः शहनाइयां गूंजने लगेंगी. सभी रुके हुए मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जो लोग खरमास के नियमों का उल्लंघन कर शुभ कार्य करते हैं उन पर ग्रहों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. जीवन में नकारात्मकता बढ़ती है।

तीन संतों की पति-पत्नी को सीख

जब परिवार में प्रेम और सहयोग होता है, तो मन शांत रहता है, रिश्ते मजबूत बनते हैं

जीवन में सुख, शांति और सफलता पाने के लिए परिवार में प्रेम आवश्यक है। ये बात पुराने समय की एक लोक कथा से हम सीख सकते हैं। कथा के अनुसार, तीन संत- धन, सफलता और प्रेम, एक साथ यात्रा करते थे और भिक्षा मांगकर जीवन यापन करते थे। एक दिन वे एक गांव में पहुंचे और वहां एक छोटी कुटिया बनाकर रहने लगे।

संतों ने भिक्षा मांगते हुए गांव की एक महिला से भोजन मांगा। महिला ने बताया कि उसके पति खेत पर हैं। संतों ने कहा कि जब आपके पति लौटेंगे, तब ही हम भोजन के लिए आएंगे। शाम को पति और उनकी बच्ची घर लौट आए। महिला ने पति और बच्ची को संतों की बातें बताई। पति ने भी संतों को भोजन देने के लिए हां कर दी। महिला संतों के पास पहुंची, तो संतों ने कहा कि वे कभी एक साथ किसी घर नहीं जाते। तीनों में से किसी एक को चुनना होगा- धन, सफलता या प्रेम। महिला घर लौटकर पति से पूछती है कि किसे बुलाना चाहिए। पति कहता है कि धन को बुलाओ ताकि हम धनवान बनें।

महिला चाहती थी कि सफलता को बुलाया जाए। तभी उनकी बच्ची कहती है कि हमें प्रेम को बुलाना चाहिए, क्योंकि प्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं।माता-पिता ने बेटी की बात मान ली। महिला ने प्रेम नामक संत को घर बुलाया। आश्चर्य की बात यह हुई कि धन और सफलता भी उसके पीछे-पीछे आने लगे। महिला ने पूछा कि आपने कहा था कि केवल एक ही आएगा, अब तीनों क्यों आए?

संतों ने उत्तर दिया कि यदि आप धन या सफलता को बुलातीं तो केवल वही आता, लेकिन प्रेम को बुलाने पर धन और सफलता अपने आप आपके घर आ जाते हैं।

इस कथा से यह स्पष्ट है कि घर में प्रेम और समझदारी बनाए रखना सबसे बड़ा धन है। जब परिवार में प्रेम, सहयोग और स्नेह होता है, तो मन शांत रहता है, रिश्ते मजबूत बनते हैं और व्यक्ति अपने कार्यों में अधिक सफल होता है। इसके विपरीत, यदि घर में लगातार झगड़े और वाद-विवाद हों, तो व्यक्ति का मन कभी भी काम में नहीं लग पाता और जीवन में सुख और सफलता की संभावना घट जाती है। सार यह है कि प्रेम वह आधार है- जिस पर जीवन की समृद्धि, संतोष और सफलता खड़ी होती है।

घर में प्रेम बनाए रखने के लिए ध्यान रखें ये बातें...

परिवार के साथ समय बिताएं

रोजाना कम से कम कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताएं। बच्चों, पति-पत्नी या माता-पिता के साथ बात करें। यह प्रेम और भरोसा बढ़ाता है।

सुनना सीखें

प्रेम का पहला कदम है दूसरों की बातें ध्यान से सुनना। किसी की बात बीच में न काटें, समझें और फिर अपनी राय दें।

छोटे-छोटे सरप्राइज और प्यार भरे काम करें

कभी-कभी छोटे-छोटे अच्छे काम- जैसे चाय बनाना, मदद करना, संदेश भेजना- रिश्तों में तालमेल बनाए रखते हैं और घर का वातावरण सकारात्मक बनाते हैं।

आभार व्यक्त करें

परिवार में हर छोटे योगदान के लिए धन्यवाद दें। यह केवल सम्मान ही नहीं बढ़ाता, बल्कि प्रेम और जुड़ाव को मजबूत करता है।

सकारात्मक संवाद बनाए रखें

झगड़े और आलोचना से बचें। अगर मतभेद हों, तो शांति से समाधान खोजें।

साझा लक्ष्य तय करें

परिवार के लिए साझा लक्ष्य- जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, छुट्टियों की योजना बनाना भी प्रेम और एकता को बढ़ाता है।

स्वयं को और दूसरों को माफ करना सीखें

छोटी-छोटी गलतियों पर गुस्सा करने से नकारात्मकता आती है। माफी और समझदारी से रिश्ते मजबूत होते हैं।

खुशियों को साझा करें- किसी की सफलता या खुशी में परिवार के साथ उत्सव मनाएं। इससे प्रेम और सहयोग की भावना बढ़ती है।

आध्यात्मिकता और मानसिक संतुलन बनाए रखें ध्यान, योग या प्रार्थना जैसी आदतें मन को शांत रखती हैं। शांत मन वाले व्यक्ति घर में प्रेम और सहयोग बढ़ाते हैं।

सर्वोत्तम उदाहरण बनें

बच्चे और परिवार आपके व्यवहार को देखकर सीखते हैं। यदि आप प्रेम, धैर्य और संतुलन दिखाते हैं, तो पूरा परिवार उसका अनुसरण करता है।

हिंदू धर्म की 'पंचकन्याएं' जिन्हें साहस, धैर्य और संघर्ष ने बना दिया देवियों से बड़ा पूजनीय

ब्रह्म पुराण में एक प्रसिद्ध श्लोक मिलता है- "अहिल्या द्रौपदी तारा कुंती मंदोदरी तथा. पंचकन्याः स्मरेन्नित्यं महापातकनाशनम्॥" इस श्लोक में अहिल्या (गौतम ऋषि की पत्नी), द्रौपदी (यज्ञसेनी), तारा (बाली की पत्नी), कुंती (पांडवों की माता) और मंदोदरी (रावण की पत्नी) को पंचकन्या के रूप में स्मरण करने की बात कही गई है. माना जाता है कि इस श्लोक के सुबह उच्चारण से सारे पाप नाश हो जाते हैं. इन पांचों स्त्रियों का जीवन संघर्ष, धैर्य और नैतिक शक्ति का उदाहरण माना जाता है.किसी ने कठिन परिस्थितियों में राज्य की जिम्मेदारी संभाली, तो किसी ने अपने सम्मान और न्याय के लिए संघर्ष का मार्ग चुना.इसलिए कुछ धार्मिक अनुष्ठानों और व्रतों में भी पंचकन्याओं का स्मरण किया जाता है।

अगर इनके जीवन पर दृष्टि डालें तो अहिल्या, महर्षि गौतम की पत्नी थीं. पुराणों के अनुसार वे अत्यंत रूपवान और विदुषी थीं. देवराज इंद्र ने छल से उनका अपमान किया. देवराज इंद्र ने छल से अहिल्या के स्त्रीत्व को ठेस पहुंचाई, जिसके बाद महर्षि गौतम के श्राप से वे पत्थर बन गईं. बाद में भगवान राम के स्पर्श से उन्हें मुक्ति मिली।

द्रौपदी, जिन्हें यज्ञसेनी भी कहा जाता है, उन्होंने पूरे जीवन अपने सम्मान की लड़ाई लड़ी. उन्होंने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार को माफ नहीं किया, बल्कि आने वाले काल को संदेश देने के लिए युद्ध को चुना. उन्होंने चुना कि महिलाओं पर अगर कोई हाथ डालेगा तो केवल एक घर नहीं बल्कि पूरा संसार जलेगा.

तारा, वानरराज बाली की पत्नी थीं. बाली की मृत्यु के बाद उन्होंने राज्य की स्थिरता बनाए रखने के लिए सुग्रीव से विवाह किया और अपनी बुद्धिमत्ता व दूरदर्शिता से शासन व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. रानी तारा ने अपनी प्रजा के लोगों की जान बचाई और उनको माता की तरह आशीर्वाद भी दिया।

कुंती को भी असाधारण धैर्य और त्याग का प्रतीक माना जाता है. उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने पांचों पुत्रों का पालन-पोषण किया और उन्हें धर्म, साहस और कर्तव्य का मार्ग सिखाया. हर पल कोई ना कोई परेशानी उनके जीवन में रही लेकिन वह अडिग होकर परेशानियों का सामना किया और अपने पांचों पुत्रों को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाया।

पंचकन्याओं में अंतिम नाम मंदोदरी का आता है, जो रावण की पत्नी थीं. वे भगवान शिव की परम भक्त मानी जाती हैं और उनको नाग कन्या भी कहा जाता है. रामायण के अनुसार मंदोदरी ने कई बार रावण को सीता का हरण छोड़कर धर्म का मार्ग अपनाने की सलाह दी, लेकिन रावण ने अपने अहंकार के कारण उनकी बात नहीं मानी.इन 5 महिलाओं का जीवन यह संदेश देता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और नैतिकता का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए. यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इन्हें आदर्श नारी के रूप में स्मरण किया जाता है।

रामकृष्ण परमहंस की सीख

मन भगवान में लगेगा तो सच्ची शांति मिल जाएगी

स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस से जुड़ा किस्सा है। एक दिन परमहंस जी अपने आश्रम में शिष्यों के साथ बैठे थे। एक शिष्य के मन में एक सवाल आया। शिष्य ने विनम्रता से पूछा कि गुरुदेव, लोग अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। कोई धन चाहता है, कोई नाम चाहता है, कोई सुख-सुविधाएं चाहता है। इन चीजों को पाने के लिए लोग बहुत एकाग्र होकर काम करते हैं, लेकिन भगवान की भक्ति में वैसी एकाग्रता क्यों नहीं बन पाती? रामकृष्ण परमहंस बोले कि इसका कारण अज्ञानता है। लोग समझते नहीं कि असली सुख कहां है। इसलिए उनका मन भगवान में नहीं, बल्कि संसार की चीजों में लगा रहता है। शिष्य ने फिर पूछा कि गुरुदेव, अज्ञानता कैसे दूर होगी? रामकृष्ण परमहंस ने पास बैठे बच्चों की ओर इशारा करते हुए एक उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि देखो, एक छोटा बच्चा जब नया खिलौना पाता है तो वह उसमें इतना खो जाता है कि उसे अपनी मां की याद भी नहीं आती। वह घंटों उसी खिलौने से खेलता रहता है। उस समय उसे दुनिया की कोई और चीज दिखाई नहीं देती। शिष्य ध्यान से सुन रहा था। परमहंसजी ने आगे कहा कि लेकिन जब वह खिलौना टूट जाता है या उससे खेलकर उसका मन भर जाता है, तब उसे अपनी मां की याद आती है। वह रोते हुए अपनी मां के पास दौड़ता है।

शिष्य ने सिर हिलाया। रामकृष्ण परमहंस बोले कि ठीक यही स्थिति इंसानों की भी है। संसार की चीजें भी खिलौनों जैसी हैं। धन, सुख-सुविधा, नाम, पद- ये सब अस्थायी हैं, लेकिन इंसान इन चीजों में इतना उलझ जाता है कि उसे भगवान की याद ही नहीं आती। जब तक मन इन इच्छाओं और भोग-विलास के खिलौनों में फंसा रहता है, तब तक भक्ति में एकाग्रता नहीं बनती। जब व्यक्ति समझ जाता है कि इन चीजों से सच्चा सुख नहीं है, तब उसका मन भगवान की ओर जाता है।

परमहंस की बातें सुन रहे सभी शिष्यों ने तय किया कि वह अपनी इच्छाओं को कम करेंगे और भगवान की भक्ति में मन लगाएंगे।

रामकृष्ण परमहंस ने कहा कि जिस दिन मन खिलौनों से हटकर भगवान में लग जाएगा, उसी दिन सच्ची शांति मिल जाएगी।

प्रसंग की सीख- इस कहानी से हमें जीवन को सही दिशा में चलाने की सीख मिलती है।

इच्छाएं कभी खत्म नहीं होती- मनुष्य की इच्छाएं बहुत हैं। एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी पैदा हो जाती है। अगर हम केवल इच्छाओं के पीछे भागते रहेंगे तो जीवन में कभी शांति नहीं मिलेगी। इसलिए इच्छाओं को नियंत्रित करना जरूरी है।

संसार की चीजें अस्थायी हैं- धन, पद, नाम और सुख-सुविधाएं स्थायी नहीं होतीं। आज हैं, कल नहीं भी हो सकतीं। इसलिए इन्हें जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं बनाना चाहिए।

भक्ति और ध्यान के लिए मन को शांत करना जरूरी है जब मन इच्छाओं और चिंताओं से भरा रहता है, तब पूजा या ध्यान में एकाग्रता नहीं बनती। इसलिए मन को शांत और सरल बनाना जरूरी है।

सीमित इच्छाएं जीवन को सरल बनाती हैं

जो लोग कम इच्छाएं रखते हैं, उनका जीवन ज्यादा शांत और संतुलित होता है। वे छोटी-छोटी चीजों में भी खुशी ढूंढ लेते हैं।

भोग से ज्यादा महत्व संतोष का है

भोग-विलास थोड़ी देर की खुशी देता है, लेकिन संतोष लंबे समय तक मन को शांत रखता है। संतोष जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है। आत्मचिंतन जरूरी है- कभी-कभी हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम सही दिशा में जा रहे हैं? क्या हमारी इच्छाएं हमें परेशान कर रही हैं? यह आत्मचिंतन हमें सही रास्ता दिखाता है। भक्ति से मन को शांति मिलती है ध्यान और भक्ति मन को स्थिर बनाते हैं। इससे तनाव कम होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

संतुलन बनाना सीखें- जीवन में काम करना भी जरूरी है और आध्यात्मिकता भी। अगर दोनों के बीच संतुलन बना लिया जाए तो जीवन अधिक सुखी और शांत बन सकता है।

पालकी पर बैठकर आएंगी मां दुर्गा, हाथी पर करेंगी प्रस्थान

देवी दुर्गा के भक्तों के लिए नवरात्रि का त्यौहार अत्यंत ही महत्वपूर्ण होता है। पूरे साल में 4 बार नवरात्रि का त्यौहार आता है, जिसमें दो गुप्त, एक शारदीय और एक चैत्र नवरात्रि होती है। इनमें शारदीय और चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व है। शारदीय और चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं गुप्त नवरात्रि जो आषाढ़ और माघ में आती है इसमें 10 महाविद्याओं की तांत्रिक साधना की जाती है।

आपको बता दें कि शारदीय नवरात्रि आश्विन माह में आती है जबकि चैत्र नवरात्रि चैत्र महीने में आती है। इस साल चैत्र नवरात्रि का आरंभ 19 मार्च 2026 से हो रहा है और समाप्त 27 मार्च को होगा। चैत्र नवरात्रि में पूरे नौ दिनों तक मां दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की विधिपूर्वक उपासना करने से भक्तों के सभी संकट दूर हो जाते हैं। इस साल चैत्र नवरात्रि में माता रानी पालकी पर सवार होकर आ रही हैं , जबकि प्रस्थान हाथी पर बैठकर करेंगी। तो चलिए जानते हैं कि माता की आने-जाने की सवारी किस बात का संकेत देती है।

पालकी या डोली पर आना होता है अशुभ संकेत

देवी दुर्गा का पालकी पर आना अशुभ संकेत होता है। मान्यताओं के अनुसार, माता रानी का पालकी पर आने का मतलब होता है कि देश-दुनिया में को बीमारी या महामारी फैल सकती है। व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए भी यह शुभ संकेत नहीं होता है।

कैसे तय होता है मां दुर्गा का वाहन

मां दुर्गा का वाहन सिंह यानी शेर है। लेकिन जब देवी मां नवरात्रि में पृथ्वीलोक पर आती हैं तब उनका वाहन बदल जाता है।जब नवरात्रि का आरंभ गुरुवार, शुक्रवार के दिन होता है दुर्गा मां की सवारी पालकी रहती है।

हाथी पर प्रस्थान क्या संकेत देता है?

देवी मां अगर हाथी पर बैठकर प्रस्थान करती हैं तो यह शुभ संकेत होता है। यह सुख-समृद्धि और खुशहाली का संकेत होता है। दुर्गा माता का हाथी पर विदा होना कृषि में वृद्धि का भी प्रतीक माना जाता है। माता रानी का प्रस्थान वाहन भी सप्ताह के दिन के हिसाब से तय होता है। मां दुर्गा बुधवार और शुक्रवार के प्रस्थान करती हैं तब उनका वाहन हाथी होता है, जो कि बहुत ही शुभ होता है।

नजर दोष होने पर मिलते हैं ये संकेत

नजर दोष या बुरी नजर का प्रभाव अगर आपके घर और जीवन पर है तो जीवन में उथल-पुथल मच सकती है। नजर दोष के कारण आपके बनते काम भी बिगड़ सकते हैं और साथ ही घर के लोगों की सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। धन हानि और मानसिक तनाव का सामना भी आपको नजर दोष के कारण करना पड़ सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि घर पर नजर दोष होने पर क्या संकेत आपको मिलते हैं और किन उपायों को करने से नजर दोष का प्रभाव दूर हो सकता है।

अगर आपके घर पर नजर दोष का प्रभाव है तो घर के लोगों को कड़ी मेहनत करने के बाद भी असफलता का सामना करना पड़ सकता है। आपकी बनती हुई बातें भी बिगड़ सकती हैं और सहयोग देने वाले लोग भी आपसे दूरी बना सकते हैं।

घर पर बुरी नजर के प्रभाव के कारण घर के लोगों की तबीयत बार-बार खराब हो सकती है। साथ ही मानसिक तनाव का सामना भी करना पड़ सकता है। बुरी नजर के चलते अनिद्रा और भूख बंद होने की समस्या का सामना भी आपको करना पड़ सकता है।

बुरी दृष्टि का प्रभाव आपके रिश्तों पर भी पड़ता है। घर के लोगों के बीच अलगाव होने लगता है। छोटी-छोटी बातों पर भी बड़े झगड़े हो सकते हैं और घर के लोग एक दूसरे के दुश्मन बन सकते हैं।

बुरी नजर का प्रभाव करियर के क्षेत्र में भी आपको देखने को मिल सकता है। आपकी तरक्की रुक सकती है। कड़ी मेहनत के बाद भी आपको वैसे फल नहीं मिलते जैसे मिलने चाहिए। इसके साथ ही आर्थिक हानि, चोरी आदि का सामना भी आपको करना पड़ सकता है। जिस व्यक्ति पर बुरी नजर लगी होती है वो आलस्य महसूस करता है, उसका किसी भी काम में मन नहीं लगता और साथ ही सामाजिक स्तर पर भी ऐसा व्यक्ति व्यवहार नहीं कर पाता।

अगर आपको भी ऊपर बताए गए संकेत आपके जीवन में मिल रहे हैं तो नजर दोष दूर करने के उपाय आपको करने चाहिए।

नजर दोष दूर करने के उपाय

बुरी नजर से बचने के लिए आपको हनुमान चालीसा का निरंतर पाठ करना चाहिए। जिन घरों में हनुमान चालीसा का पाठ होता है वहां बुरी नजर नहीं लगती और साथ ही घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है।

किसी भैरव मंदिर से काला धागा लेकर अगर आप उसे अपने गले या हाथ में धारण करते हैं तो नजर दोष से आपको मुक्ति मिलती है।

नौ मुखी रुद्राक्ष धारण करने से भी बुरी नजर का प्रभाव आप पर नहीं पड़ता।

कपूर और लौंग जलाकर पूरे घर में इसका धुआं करने से घर पर लगी बुरी नजर दूर हो सकती है।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति घर में स्थापित करने से भी बुरी नजर का साया घर से हट जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 11 मार्च - 2026

तेल, तनाव और आर्थिक चुनौती

पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ईरान के हमले और उसके बाद की जवाबी कार्रवाइयों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। इस तनाव की लपटें भारत तक भी पहुंच रही हैं। भारतीय शेयर बाजार की लडखडाहट इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। जब कुछ ही घंटों में निवेशकों के लगभग 25 लाख करोड़ रुपये डूब गए। वैश्विक तनाव का सबसे पहला प्रभाव हमेशा वित्तीय बाजारों पर पड़ता है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। विदेशी निवेशक अनिश्चितता के दौर में उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालने लगते हैं। यही कारण है कि भारत के शेयर बाजार में अचानक बिकवाली का माहौल बना। हालांकि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत मानी जाती है और विदेशी मुद्रा भंडार भी रिकॉर्ड स्तर के आसपास है, फिर भी वैश्विक संकट की स्थिति में दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। इस संकट का सबसे बड़ा खतरा ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया दुनिया के सबसे बड़े तेल और गैस उत्पादक क्षेत्रों में से एक है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और ओमान जैसे देशों से वैश्विक बाजार को बड़ी मात्रा में ऊर्जा आपूर्ति होती है। यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है या आपूर्ति श्रृंखला बाधित होती है, तो कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, उसके लिए यह स्थिति गंभीर आर्थिक दबाव पैदा कर सकती है। तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन, उत्पादन और उपभोग की लागत बढ़ जाती है। पहले से ही महंगाई के दबाव से जूझ रही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। सरकार को ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, रणनीतिक तेल भंडार और कूटनीतिक संतुलन की नीति पर तेजी से काम करना होगा। लेकिन यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक भी है। भारत के पश्चिम एशिया के अधिकांश देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। एक ओर ईरान के साथ ऐतिहासिक और सामरिक संबंध हैं, तो दूसरी ओर खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार और प्रवासी भारतीयों का गहरा जुड़ाव है। ऐसे में भारत को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी, ताकि वह किसी भी पक्ष के साथ संबंध खराब किए बिना अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू भारत की आंतरिक राजनीति से भी जुड़ा है। संकट के समय देश में राजनीतिक एकजुटता सबसे बड़ी ताकत होती है। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि वैश्विक संकटों के दौर में भी घरेलू राजनीति आरोप-प्रत्यारोप में उलझ जाती है। जिस प्रकार खेल के मैदान में टीम भावना जीत दिलाती है, उसी तरह राष्ट्रीय संकट के समय राजनीतिक दलों को भी "टीम इंडिया" की भावना के साथ काम करना चाहिए। सत्ता पक्ष को पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ निर्णय लेने होंगे, वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह रचनात्मक सुझाव देकर सरकार की नीतियों को मजबूत बनाए। संसद और लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी प्रभावी बनती हैं, जब उनमें टकराव से अधिक सहयोग की भावना दिखाई दे। इतिहास गवाह है कि वैश्विक संघर्षों का प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है। इसलिए भारत को केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी। ऊर्जा आत्मनिर्भरता, वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत, मजबूत कूटनीति और आर्थिक स्थिरता ये चार स्तंभ इस चुनौती से निपटने की कुंजी हो सकते हैं। पश्चिम एशिया की जंग भारत की नहीं है, लेकिन उसके प्रभाव से बच पाना भी संभव नहीं है। ऐसे समय में राजनीतिक परिपक्वता, आर्थिक सतर्कता और कूटनीतिक संतुलन ही भारत को इस संकट से सुरक्षित निकाल सकते हैं।

कूटनीतिक संदेशों से अमेरिकी तिलमिलाहट दूर होगी!

कमलेश पांडेय

वैश्विक सम्बन्धों को नया आयाम देने वाले रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के एक बेबाक से अब यह बात साफ हो चुकी है कि जब भारत के दोस्त अमेरिका जैसे हों, तो उसे बर्बाद होने के लिए चीन जैसे आस्तीन के सांपों की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। तब शायद यूरोप और रूस मिलकर भी भारत को न बचा पाएं। ऐसा इसलिए कि जो जहर ब्रिटेन और अमेरिका जैसे साम्राज्यवादी देशों के दिलोदिमाग में भरा हुआ है, उससे न तो ब्रिटेन का कल्याण हुआ, न ही अमेरिका का होगा। हां, इनकी क्षुद्र चालों से भारतीय उपमहाद्वीप और अरब-खाड़ी देशों में भयंकर धार्मिक कलह पैदा होगी। हालांकि भारत सरकार भी इन विदेशों हरामखोर चालों से सावधान है और जो जवाबी कूटनीतिक मोर्चेबंदी करती जा रही है, वैसी बानगी अतीत में कभी नहीं दिखती। इसलिए भारत का भविष्य उज्ज्वल है। वह वीर भोग्या वसुंधरा की तर्ज पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की राह पर अग्रसर है। समकालीन कलह के लिए अमेरिका-यूरोप की साम्राज्यवादी शह-मात के खेल जिम्मेदार हैं। इसमें जिस तरह से अरब व खाड़ी देश पिस रहे हैं, यूक्रेन से लेकर ईरान तक बर्बादी ही बर्बादी नजर आ रही है, वह भारतीय कूटनीति के लिए एक अलग ही चुनौती पैदा करती जा रही है। लेकिन हमारी जेन-जेड पीढ़ी इतनी जांबाज और कार्यकुशल है कि निकट भविष्य में एक मजबूत भारत का डंका पीट देगी और दुनिया के मुल्क देखते रह जाएंगे। कहना न होगा कि जिस तरह से रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि अमेरिका, भारत को चीन जैसी आर्थिक सुविधाएं नहीं देगा, क्योंकि इससे चीन प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका तातपर्य यह कि चीन के अभूतपूर्व विकास का दंश झेल रहा अमेरिका अब यह कभी नहीं चाहेगा कि भारत भी उसी वैश्विक स्थिति को प्राप्त करे। हालांकि, हमारे दिग्गज विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसका तगड़ा जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि भारत का उदय (अभ्युदय) अपनी आंतरिक शक्ति और क्षमताओं से होगा, न कि दूसरों की गलतियों पर निर्भर रहकर। इसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक बयानबाजी में नहले पर दहले की तरह लिया गया और इसपर गंभीर बहस छिड़ी हुई है।

अमेरिकी उपविदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने रायसीना संवाद में चेतावनी दी कि अमेरिका भारत को वह आर्थिक लाभ नहीं देगा जो उसने चीन को दिए थे, क्योंकि इससे चीन वैश्विक प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका यह बयान भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों पर सवाल उठाता प्रतीत होता है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने उनके ईर्ष्यालु बयान के दो दिन बाद दो टूक शब्दों में साफ-साफ कहा कि, देशों का उत्थान खुद तय होता है। भारत का उदय हमारी ताकत से निर्धारित होगा, न कि दूसरों की गलतियों से। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की केंद्रीय भूमिका पर जोर दिया, और इशारा किया कि यहां सहयोग करने वालों को ही अधिक लाभ मिलेगा। यह वैचारिक घटना मार्च 2026 के रायसीना डायलॉग से जुड़ी है, जहां जयशंकर ने भारत की स्वतंत्र नीतियों को रेखांकित किया। यह रूस, चीन, यूरोपीय-संघ, अरब-खाड़ी देशों, जापान-कोरिया, आशियान देशों, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका के देशों, दक्षिण अमेरिका के देशों और कनाडा आदि को वह बेवाक कूटनीतिक संदेश है जो वैश्विक संघर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप के प्रभुत्वशाली देश भारत के अंतरराष्ट्रीय महत्व को उजागर करता है। अमेरिका जैसे देश भारत की गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता की अडिग नीति बौखलाहट दिखा रहे हैं, जो खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे वाली कहावत को चरितार्थ करते हैं।

ऐसा इसलिए कि रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के बयान पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का उदय अपनी आंतरिक शक्ति से होगा। उन्होंने कहा कि देशों का उत्थान खुद तय होता है, न कि दूसरों की गलतियों पर निर्भर। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केंद्रीय भूमिका निभाएगा, जहां सहयोग करने वालों को अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने अमेरिकी चेतावनी को खारिज करते हुए भारत की स्वतंत्र क्षमताओं पर भरोसा जताया। यह जवाब रायसीना डायलॉग के सत्रों के दौरान आया, जहां जयशंकर ने वैश्विक साझेदारियों पर भारत की रणनीति रेखांकित की।

उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2025 में रूस यात्रा के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दो टूक शब्दों में अमेरिकी विदेश नीति को पेरप्लेक्सेड (कन्फ्यूजिंग या समझ से परे) कहा। इसका कारण स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने बताया कि अमेरिका ने पहले भारत को रूस से तेल खरीदने की अनुमति दी थी ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रहे। लेकिन बाद में उसी रूसी तेल खरीद पर भारत पर टैरिफ लगाने की नीति अपना ली, जो विरोधाभासी लगती है। इसलिए अतिरिक्त टिप्पणी करते हुए उन्होंने जोर दिया कि भारत न तो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है (क्योंकि ऐसा चीन है) और न ही एलएनजी का (क्योंकि ऐसे यूरोपीय देश हैं), फिर भी भारत पर विशेष रूप से टारगेट क्यों? यह अमेरिकी नीति उनकी समझ से बाहर थी।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत के प्रति अमेरिका का नजरिया पूरी तरह से नकारात्मक नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी है, लेकिन व्यापार, भू-राजनीति और घरेलू नीतियों पर मतभेद तनाव पैदा करते हैं। इससे व्यापारिक विवाद पैदा होते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत के रूसी तेल खरीद पर जो 25% टैरिफ लगाया था, उसे भारत ने अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। चूंकि अमेरिका भारत से डेयरी और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करने की मांग करता रहा है, लेकिन भारत ने अपने स्थानीय हितों की रक्षा की है, इसलिए अमेरिकी बौखलाहट स्वाभाविक है।

जहां तक भू-राजनीतिक मतभेद की बात है तो भारत के रूस और ईरान से रक्षा व ऊर्जा संबंध अमेरिका को चिंतित करते हैं, जिसके कारण प्रतिबंधों की धमकियां दी गईं। वहीं ऐतिहासिक रूप से 1974-98 के परमाणु परीक्षणों पर अमेरिका ने कड़े प्रतिबंध लगाए थे। उसकी मानवाधिकार चिंताएं भी गैरवाजिब हैं क्योंकि अमेरिकी रिपोर्ट्र्स में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों, पत्रकारों और असहमतियों पर 'गंभीर उल्लंघन' की आलोचना की गई। वहीं खालिस्तानी मुद्दे और आंतरिक राजनीति पर भी बयानबाजी ने तनाव बढ़ाया। इससे अमेरिका को कुछ नहीं हासिल होने वाला है क्योंकि उसके यूरोपीय मित्र तक उससे दूर जाने की राह तलाश रहे हैं। भारत-यूरोपीय संघ के नजदीक आने की एक वजह यह भी है।

इसकी खिसियाहट में अमेरिका ने बेनेजुएला और ईरान के राष्ट्रपतियों के साथ जो सुलूक किए, उससे उसकी वैश्विक दबंगई भले बढ़ी, लेकिन भारत में एक कहावत है कि हर गुंडा 12 वर्षों के उत्पात के बाद मारा जाता है। शायद रूस-चीन का शह पाकर मुस्लिम देशों का संघ ओआईसी भी अमेरिका के साथ कुछ यही करें। यह उसके लिए बहुत बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होगी और इससे यूरोपीय वैभव लौट सकता है। भारत के लिए यह न तो सुखद न ही दुःखद स्थिति होगी।

दूर का युद्ध, पास का असर: तेल संकट और भारत की चिंता

आरके जैन

तेल के वैश्विक बाजार में आई उथल-पुथल ने भारत के शहरी जीवन और अर्थव्यवस्था के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। जब कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार पहुँचीं, तो इसका असर केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में दिखने लगा। बेंगलुरु जैसे बड़े महानगर में हजारों रेस्तरां द्वारा 10 मार्च से शहरव्यापी बंद की चेतावनी इस संकट की गंभीरता को उजागर करती है। होटल उद्योग का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हो गई है और यदि यह स्थिति जल्दी नहीं सुधरी तो शहर की खाद्य सेवाओं की निरंतरता पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह केवल व्यापारिक समस्या नहीं, बल्कि लाखों लोगों की दैनिक भोजन व्यवस्था और हजारों कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ा प्रश्न बन चुका है।

युद्ध की आग में झुलसता मध्य पूर्व इस संकट की वास्तविक पृष्ठभूमि है। ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को अस्थिर कर बाजार में घबराहट फैला दी है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार संघर्ष बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत अचानक उछलकर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और 9 मार्च 2026 को लगभग 105 से 107 डॉलर प्रति बैरल के बीच स्थिर हुई। यह उछाल सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते गंभीर खतरे का संकेत है। युद्ध के शुरुआती दिनों में ही तेल की कीमतों में लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज हुई, जिसने ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंता और बढ़ा दी है।

दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस संकट का केंद्र बन गया है।

वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा और एलएनजी की बड़ी मात्रा इसी संकीर्ण जलमार्ग से गुजरती है। युद्ध और बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण यहां से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही अनिश्चित हो गई है, जिससे आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। कई शिपिंग कंपनियों ने अतिरिक्त सुरक्षा कारणों से सेवाएँ सीमित कर दी हैं और बीमा प्रीमियम भी तेजी से बढ़ गए हैं। परिणामस्वरूप तेल परिवहन की लागत बढ़ी और वैश्विक बाजार में कीमतें और ऊपर चली गईं। यही वजह है कि ऊर्जा बाजार में अस्थिरता लगातार बनी हुई है। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। देश अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है।

ऐसे में इस क्षेत्र में युद्ध या आपूर्ति संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। तेल की कीमतें बढ़ने का अर्थ है कि आयात बिल के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ेगी। इससे चालू खाता घाटा बढ़ने और रुपये की विनिमय दर पर दबाव पड़ने की आशंका रहती है। यही कारण है कि वैश्विक ऊर्जा संकट को भारत के आर्थिक नीति-निर्माता हमेशा अत्यंत गंभीरता से देखते हैं।

बेंगलुरु में उभरा रेस्तरां संकट इसी व्यापक समस्या का स्थानीय उदाहरण है। शहर के होटल और रेस्तरां संचालकों का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने से उनके लिए नियमित रूप से भोजन तैयार करना कठिन हो गया है। यदि गैस आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं हुई तो हजारों भोजनालयों पर संकट गहरा सकता है। आईटी उद्योग के कारण शहर में बड़ी संख्या में छात्र, पेशेवर और कामकाजी लोग रेस्तरां व फूड आउटलेट्स पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में इन सेवाओं में व्यवधान केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर की सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करेगा। इसी कारण होटल उद्योग संगठनों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

तेल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव केवल गैस आपूर्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे आर्थिक ढांचे को प्रभावित करता है। कच्चा तेल महंगा होते ही परिवहन लागत बढ़ती है और इसका असर लगभग हर वस्तु की कीमत पर पड़ता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की वृद्धि से भारत में महंगाई दर लगभग 0.2 से 0.25 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसका अर्थ है कि खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक सब कुछ महंगा हो सकता है। यदि कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बनी रहीं, तो यह महंगाई के नए दौर की शुरुआत कर सकती हैं, जिसका सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ेगा। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल भारत की आर्थिक वृद्धि को भी प्रभावित कर सकता है। यदि तेल लंबे समय तक महंगा बना रहता है तो देश की जीडीपी वृद्धि दर में लगभग 0.15 से 0.4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। इसके साथ ही शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है, रुपया कमजोर पड़ सकता है और सरकारी वित्तीय संतुलन पर भी दबाव बढ़ सकता है। सरकार यदि करों में कटौती या सब्सिडी के जरिए राहत देने की कोशिश करती है तो राजकोषीय घाटा बढ़ने की आशंका भी रहती है। इसलिए यह संकट आर्थिक नीति के लिए एक जटिल चुनौती बन गया है, जिसमें संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

बेंगलुरु में संभावित रेस्तरां बंद देश के लिए एक चेतावनी संकेत भी है। यदि ऊर्जा आपूर्ति में बाधा बनी रहती है तो यही स्थिति अन्य महानगरों में भी उभर सकती है। होटल और फूड सर्विस उद्योग भारत में लाखों लोगों को रोजगार देता है और शहरी जीवन का अहम हिस्सा है। इसलिए उद्योग संगठनों ने सुझाव दिया है कि सरकार को पाइपलाइन गैस की उपलब्धता बढ़ाने, वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहन देने और आपातकालीन ऊर्जा भंडार का उपयोग करने जैसे कदम उठाने चाहिए। साथ ही ऊर्जा आयात के स्रोतों को विविध बनाने की रणनीति भी जरूरी है, ताकि किसी एक क्षेत्र में संकट आने पर देश की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित न हो।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसी एक क्षेत्र का संकट सीमाओं में नहीं रुकता, बल्कि दूर-दराज़ देशों के दैनिक जीवन तक असर डालता है। मध्य पूर्व में बढ़ता संघर्ष हजारों किलोमीटर दूर भारत के शहरों में रेस्तरां सेवाओं को प्रभावित कर सकता है और आम लोगों की थाली तक असर पहुँचा सकता है। यदि तेल संकट लंबे समय तक बना रहा तो महंगाई, रोजगार और आर्थिक विकास सभी पर दबाव बढ़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि भारत दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति पर तेजी से काम करे, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, रणनीतिक तेल भंडार और मजबूत कूटनीतिक पहल शामिल हों। यही कदम भविष्य में ऐसे संकटों से देश को सुरक्षित रखने की सबसे प्रभावी दिशा साबित हो सकते हैं।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

योगेश कुमार गोयल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था।

विकास का खूंटा और बंधी हुई जनता

डॉ. सुरेश कुमार

गाँव की उस ऊसर जमीन पर, जहाँ दूब भी उगने से पहले पटवारी से एनओसी माँगती है, वहाँ आज 'विकास' का तंबू गड़ा था। लाउडस्पीकर अपनी फटी आवाज में वह राग अलाप रहा था, जिसे सुनकर मोहल्ले के कुत्ते भी दार्शनिक हो गए थे। सामने बैठी जनता का हाल यह था कि वे धूप में ऐसे तप रहे थे जैसे तवे पर चढ़ी हुई रोटियाँ, जिन्हें पलटने वाला कोई नहीं था। मंच पर सफेदपोश नेताओं की ऐसी कतार थी, मानो किसी ने सफेद बगुलों को जबरदस्ती कुर्ता-पजामा पहनाकर कुर्सी पर चिपका दिया हो। बीच में बैठे मुख्य अतिथि महोदय के चेहरे पर वैसी ही गंभीर निष्ठुरता थी, जैसी किसी पुरानी फाइल पर जमी धूल में होती है।

वे मुस्कुराते तो ऐसा लगता मानो उनके गालों की मांसपेशियां किसी सरकारी बजट की तरह खींचतान कर रही हों। बगल में बैठा चमचा बार-बार उनके कान में कुछ फुसफुसाता और अतिथि महोदय ऐसे सिर हिलाते जैसे किसी खराब पंखे का रेगुलेटर झटके ले रहा हो।

मंच संचालन करने वाला व्यक्ति कविता का वह प्रेमी था, जिसने तुकबंदी के चक्कर में सरस्वती की हत्या को ही अपना धर्म मान लिया था। उसने 'भाइयों और बहनों' का संबोधन कुछ इस अंदाज में किया जैसे वह किसी को गाली दे रहा हो। उसने मंच से घोषणा की कि आज इस गाँव में 'स्मार्ट पंचायत' का उद्घाटन होगा, जहाँ गोबर भी अब वाई-फाई की गति से उठाया जाएगा। जनता ने इस पर वैसी ही तालियाँ बजाईं जैसी किसी अनचाही शादी में बाराती बजाते हैं। पास ही खड़ा एक बूढ़ा अपनी लाठी पर ठुड्डी टिकाए यह सोच रहा था कि जिस गाँव में बिजली सिर्फ 'भविष्यवाणी' की तरह कभी-कभार आती है, वहाँ वाई-फाई का क्या होगा? पर सरकारी फाइल में गाँव अब डिजिटल हो चुका था, और फाइल ही वह परम सत्य है जिसे ब्रह्मा भी नहीं काट सकते। तभी विकास की वह देवी मंच पर अवतरित हुई, जिसे शहर में 'एनजीओ' और गाँव में 'मुफ्त की आफत' कहा जाता था। उन्होंने माइक सँभाला और शुद्ध अंग्रेजी मिश्रित हिंदी में भाषण देना शुरू किया। उन्होंने कहा कि हमें 'सस्टेनेबल' होना चाहिए, जबकि सामने बैठा किसान यह समझ रहा था कि शायद मैडम किसी नई किस्म की खाद का नाम ले रही हैं। उन्होंने 'महिला सशक्तिकरण' पर इतना जोर दिया कि मंच की लकड़ी चरचराने लगी। उन्होंने समझाया कि गाँव की औरतें अब फेसबुक पर अपने हाथ के बुने स्वेटर बेचेंगी, भले ही गाँव में मोबाइल सिग्नल पकड़ने के लिए पीपल के पेड़ की सबसे ऊँची टहनी पर चढ़ना पड़ता हो। भाषण के अंत में उन्होंने 'परिवर्तन' शब्द को ऐसे उछाला जैसे कोई बाजीगर हवा में खाली टोपी उछालता है और जनता से उम्मीद करता है कि उसमें से खरगोश निकलेगा।

अगला चरण था लोकार्पण का। मुख्य अतिथि ने एक फीता काटा, जो शायद पिछले दस सालों से हर छोटी-बड़ी योजना के लिए सुरक्षित रखा गया था। कैंची ऐसी थी कि उसने फीता काटने से पहले अतिथि की उंगली काटने की कोशिश की, जिससे अतिथि के चेहरे पर 'अहिंसा' के भाव आ गए। जैसे ही पर्दा हटा, सामने एक चमचमाता हुआ बोर्ड था जिस पर लिखा था-आदर्श ई-चौपाल। भीतर जाकर देखा तो एक कंप्यूटर रखा था, जिस पर धूल की इतनी मोटी परत थी कि उस पर कोई भी अनुभवी पटवारी अपनी पूरी वंशावली लिख सकता था। बिजली के तार ऐसे लटके थे जैसे किसी ने मकड़ी को नशा कराकर जाल बुनने को कह दिया हो। एक उत्साही कार्यकर्ता ने जैसे ही स्विच दबाया, बोर्ड से ऐसी चिनगारी निकली जैसे कोई छोटा-मोटा परमाणु परीक्षण हुआ हो।

कब अंत होगा नाटक का?

डॉ टी महादेव राव

भैया! मुझे लगता है हम सब वास्तविक रूप में जीते नहीं, सब दिखावा, सारा कुछ अभिनय। यथार्थ से दूर, दिखावे के करीब। हम में से वह मौलिकता वह ओरिजिनेलिटी गायब हो गई है भैया। दिखावटी है सब कुछ।

सही कहा तुमने। महान नाटककार शेक्सपियर ने कहा था इस बारे में। यह दुनिया एक रंगमंच है छोटू। हम सब कठपुतलियां हैं इस दुनिया रूपी रंगमंच की। जिसकी जितनी भूमिका होती है वह नाटक रूपी जिंदगी में उतना निभाकर चला जाता है। उस भूमिका में भी झूठ, फरेब और अति अभिनय मेरा मतलब है ओवर एक्टिंग। सारा कुछ असहनीय हो रहा है। जहां पत्नी के अति अभिनय से परेशान हैं वहीं नेता, मंत्री, बड़े नेता, बड़े मंत्री सारे ओवर एक्टिंग की भी ओवर एक्टिंग यानी की अति अभिनय को भी पीछे छोड़ अति अति अभिनय से मारे डाल रहे हैं।

हुआ क्या छोटू। नाटक, अभिनेता और अभिनय पर शोध करते अति उत्साही शोधार्थी की तरह परेशान हुआ जा रहा है।

भैया। नीरो के बारे में सुना होगा आपने। हां। नीरो रोमन सम्राट था।नीरो ने रोम शहर में एक विनाशकारी आग लगाई थी और वह जलते शहर से दूर शहर के बाहर एक पेड़ के पास वायलिन बजा रहा था। इसका अभिनय और नाटक से क्या संबंध है?

आजकल हमारे नेता अति के चलते नीरो के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। देश की समस्याओं से मुंह फेरकर बेवजह की बातों पर ध्यान ज्यादा लगा रहे हैं। घर जल रहा है और पड़ोस की आग बुझाने की नाकामयाब कोशिशों की एक्टिंग कर रहे हैं। घर में पड़े चोरों को छोड़ दूसरे शहर के कोतवाल को गरिया रहे हैं। जहां फायदा वहां वायदा करके चले आ रहे हैं। हुआ क्या ठीक ठीक बताएगा भी?

आपने किसी एक कौम का पक्ष लिया। क्या सही है? आप को तो सारी कौमों के साथ सौम्य और न्यायपूर्ण व्यवहार करना चाहिए जिसकी आपने कसम खाई है। अपनों को बचाने हद से ज्यादा कोशिशें, जिसमे भगवान से लेकर न्याय के देवता तक को नहीं छोड़ा। यह क्या सही है?

बड़े भैया के संदेशों और सार्थक अति अभिनय में जीवन के गूढ़ रहस्य छिपे हुए हैं।

वे विष्णु के ग्यारहवें अवतार के अंश हैं। वे बंदर बांट वाली बात पर विश्वास करते हैं। यही बंदर जिसको अंग्रेजी में मंकी कहा जाता है, के आधार पर मासिक मन की बात का आयोजन होता है। समझे।

भैया। आपका जहां लाभ होगा, वहां ध्यान केंद्रित करोगे बाकी जाए भाड़ में।

एक परिवार के मुखिया होने के नाते क्या यह सही है? तुम बंगाल, सुदूर उत्तर और उत्तर पूर्व के प्रांतों पर उनके व्यवहार के विषय में कह रहे हो। मैं समझ गया। आप बड़े भैया हो कि विदेश मंत्री हो या रेल मंत्री हो विदेश जाने और नई रेल को हरी झंडी दिखाने और फोटू खिंचाने में राम हो? हर विभाग में अपनी टांग और लोगों से त्याग की मांग। नाटक नहीं यह नौटंकी है जिसमें कुछ भी सिलसिलेवार नहीं होता। लेकिन लोगों का मनोरंजन तो होता है न? मनोरंजन, इनकी नौटंकीबाजी पर जब कार्टूनिस्ट कार्टून बनाकर अखबारों में छपवाते हैं, तब होता है। इनके अति अभिनय से नहीं।

समर में बॉडी कूल रखने के लिए रामबाण इलाज है सौंफ शरबत

गर्मी का मौसम बेहद परेशान करता है। इस मौसम में भूख कम और प्यास ज्यादा लगती है। पानी प्यास बुझाने में काफी नहीं होता, ऐसे में बॉडी को ठंडा और हाइड्रेट रखने के लिए कुछ खास ड्रिंक का सेवन करना भी जरूरी है। गर्मी में कई तरह की बीमारियां परेशान करती हैं ऐसे में डाइट का ध्यान नहीं रखा जाए तो मुसीबत बढ़ने लगती है। गर्मी के दिनों में पसीना ज्यादा आता है और प्यास भी ज्यादा लगती है। इस मौसम में पसीना ज्यादा आने से बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट की कमी होने लगती है। गर्मी में ज्यादा पसीना इलेक्ट्रोलाइट्स के स्तर को कम कर सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक जब आपको पसीना आता है, तो आपके शरीर का वजन 2% से 6% तक कम हो जाता है।

एक्सपर्ट के मुताबिक अगर गर्मी में बॉडी को हाइड्रेट नहीं रखा जाए तो बॉडी में थकान होने लगती है, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ने लगता है। बॉडी में डिहाइड्रेशन होने से लो ब्लड प्रेशर हो सकता है जो घबराहट, चक्कर और हार्ट बीट को बढ़ा सकता है। गर्मी में बॉडी को कूल रखने के लिए और गर्मी में होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए कुछ खास ड्रिंक का सेवन करना जरूरी है।

गर्मी के दिनों में बॉडी को कूल रखने के लिए सौंफ का ड्रिंक जादुई असर करता है। इस ड्रिंक का सेवन करने से बॉडी कूल रहती है और बॉडी में कई तरह की बीमारियां भी दूर होती है। सौंफ,मिश्री, इलायची, काली मिर्च, खसखस से तैयार ड्रिंक पाचन को दुरुस्त करता है। इस ड्रिंक में मौजूद इलायची हार्ट को हेल्दी रखती है, पाचन को दुरुस्त करती है और पूरी बॉडी को रिलैक्स करती है। इसमें मौजूद काली मिर्च पाचन के लिए बेस्ट है। एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर काली मिर्च वजन को कंट्रोल करती है और बॉडी को फायदा पहुंचाती है। खसखस और मिश्री की तासीर ठंडी होती है जो बॉडी को कूल रखती है। इसका सेवन करने से बॉडी हाइड्रेट रहती है और गर्मी से बचाव होता है। गर्मी में इस शरबत को पीने से लू से बचाव होता है। इस ड्रिंक में मौजूद मिश्री की तासीर ठंडी होती है जो बॉडी को अंदर से कूल रखती है। आयरन और कैल्शियम से भरपूर ये ड्रिंक कैंसर जैसी बीमारी से बचाव करता है।

सामग्री

आधा कप मोटी सौंफ
आधा कप बारीक सौंफ
25 हरी इलायची
एक चम्मच काली मिर्च
खसखस एक बड़ा चम्मच
मिश्री 400 ग्राम ले

शरबत को कैसे तैयार करें

इस शरबत को बनाने के लिए सबसे पहले मिश्री को क्रश कर लें ताकि इसे मिक्सर में पीसना आसान हो। अब सबसे पहले आप मिक्सर का गिलास लें और उसमें ये सभी मसाले मिक्स कर दें और उसे पीसकर बारीक पाउडर बना लें। इस पाउडर को बना कर छन्नी में छान लें ताकि इसमें मौजूद मोटे टुकड़े निकल जाएं। अब इस पाउडर को आप एयर टाइट जार में सेफ कर सकते हैं।

इस शरबत को बनाने के लिए आप एक गिलास पानी में डेढ़ चम्मच ये पाउडर डालें और उसे अच्छे से मिक्स कर लें। आप इसमें आइस क्यूब मिलाकर उसका सेवन कर सकते हैं। आप इसका स्वाद बढ़ाने के लिए मीठे की जगह नमकीन फ्लेवर डालना चाहते हैं तो आप उसमें काला नमक,सफेद नमक और भुना हुआ जीरा मिक्स करके भी उसका सेवन कर सकते हैं। ये ड्रिंक पीने में बेहद मजेदार लगेगा, साथ ही सेहत को फायदा भी पहुंचाएगा।

इस खीर को खाकर घटाएं अपना वजन नो फैट और जीरो शुगर से भरपूर!

वेट लॉस के लिए लोग क्या नहीं करते। अलग-अलग डाइट चैलेंज लेते हैं, कई प्रकार की चीजों को खाते हैं और फिर तरह-तरह की एक्सरसाइज करते हैं। जबकि, अगर आप डाइट में थोड़ा सा बदलाव करें तो अपने आप आपको वेट लॉस में मदद मिलेगी। तो, आपको करना ये है कि डाइट में सफेद कद्दू को शामिल करें। ये सफेद कद्दू पाचन क्रिया को तेज करने में मददगार है और पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है। क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। साथ ही इसमें प्रोटीन भी है क्योंकि खीर के लिए हमने दूध का इस्तेमाल किया है। तो, बस वेट लॉस के लिए आप सफेद कद्दू की खीर बना सकते हैं।

सफेद कद्दू की खीर कैसे बनाएं?

सफेद कद्दू की खीर बनाने के लिए आपको 3 चीज चाहिए पहले सफेद कद्दू, दूसरा दूध और तीसरा पीसी हुई खजूर। अब पहले तो सफेद कद्दू को काटकर दो सीटी लगा लें। इसके बाद आपको करना ये है कि खजूर को पीसकर रख लें। अब एक पैन लें और इसमें थोड़ा सा घी डालें। फिर सफेद कद्दू को इसमें डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। सबको ढककर पकाएं। इसके बाद इसमें खजूर मिला लें। सबको अच्छी तरह से ढककर पकाएं। अब अंत में इसमें दूध मिलाएं। एक उबाल लें और थोड़ा का इलायची पाउडर मिलाकर आराम से इसे खाएं। ये सफेद कद्दू से बनी खीर वेट लॉस में कारगर होगी।

वेट लॉस में कैसे फायदेमंद है सफेद कद्दू

वेट लॉस के लिए सफेद कद्दू का सेवन कई प्रकार से फायदेमंद है। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, लेकिन शुगर नहीं होता और ये कम कैलोरी वाला भी है। इसके अलावा सफेद कद्दू में फाइबर और रफेज की भी अच्छी मात्रा होती है जो कि पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाने के साथ बॉवेल मूवमेंट को तेज करता है। इससे होता ये है कि आप जो भी खाते हैं वो तेजी से पचता है।

साथ ही इसका फाइबर बॉवेल मूवमेंट को तेज करता है और पाचन क्रिया में तेजी लाता है। साथ ही ये लंबे समय तक के लिए पेट को भरा रखता है। तो, अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो नाश्ते के समय या लंच के समय सफेद कद्दू से बनी खीर जरूर खाएं। अगर अभी तक आपने इसे ट्राई नहीं किया है तो एक बार जरूर ट्राई करें। ये आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है।

हफ्तेभर खराब नहीं होगा हरा धनिया, बस फ्रिज में रखते समय कर लें ये 3 काम

हरा धनिया या हरी धनिया की पत्तियां हमारे खाने का स्वाद और सुंदरता, दोनों बढ़ा देती हैं। लेकिन इन्हें गर्मियों में स्टोर करना मुश्किल हो जाता है। अक्सर आप इसे आज खरीदकर लाते हैं और कल ही ये सूख जाते हैं। ऐसी स्थिति में आपको जानना चाहिए कि धनिया को स्टोर कैसे करें। बिना फ्रिज के आप धनिया को नॉर्मल गीले कपड़े में लपेटकर या जूट की बोरी में रख सकते हैं। लेकिन, थोड़े लंबे समय तक अगर आपको इसे रखना है तो फ्रिज में इसे रखें। पर फ्रिज में भी अगर आपने धनिया को खुले में रख दिया तो ठंड से भी ये सूख जाएंगे। तो, ऐसी स्थिति में धनिया को स्टोर करने के लिए आप इन टिप्स की मदद ले सकते हैं।

जड़ों को काट लें और धनिया साफ कर लें

हरा धनिया स्टोर करने के लिए आपको सबसे पहले इन्हें काटकर और इनकी जड़ों को काटकर रख लेना चाहिए। इसे ऐसे तैयार करें कि इसमें सड़ी हुई पत्तियां एक भी न हों और डंठल एक सीध में हों। क्योंकि अगर पत्तियों को आप बिना साफ करे ही रख देंगे तो ये सड़ सकती हैं और जल्दी खराब हो सकती हैं।

पन्नी में रखें और पेपर में डालें

इसके बाद आपको करना ये है कि धनिया को पन्नी में रख लें और इसे पेपर से लपेट लें। इसकी जगह आप इसे किसी पेपर बैग में भी रख सकते हैं। इससे होगा ये कि फ्रिज की ठंडक इससे पहुंचेगी तो पर पूरी तरह से नहीं। इससे ये जरूरत के अनुसार नमी भी लेते रहेंगे और लंबे समय तक हरे भी रहेंगे।

वेजिटेबल बास्केट में स्टोर करें

अब ये वाला स्टेप सबसे जरूरी है क्योंकि अक्सर आम लोग इसी काम में गलती कर जाते हैं। वो हरा धनिया सीधे फ्रिज के डोर में रख देते हैं या फिर कहीं ऊपर ही रख देते हैं। जबकि, आपको हमेशा इसे वेजिटेबल बास्केट में स्टोर करना चाहिए। क्योंकि ये लंबे समय तक ठंडक से बचे रहकर फ्रेश रहते हैं। तो, इस तरह आप इन टिप्स की मदद से हरा धनिया को लंबे समय तक स्टोर करके रख पाएंगे।

बच्चों को बर्बाद कर सकती हैं माता-पिता की झगडालू आदतें

बच्चों के स्वभाव में माता-पिता की छाप नजर आती है। वो क्या कर रहे हैं और आगे चलकर क्या करेंगे ये सब माता-पिता के स्वभाव से भी जुड़े हुए होते है। ऐसे में एक चीज जो ध्यान देने वाली है वो ये कि बचपन से ही माता-पिता को बच्चों के काम काज पर एक खास नजर रखना चाहिए। पर उससे पहले अपने स्वभाव और आदतों को भी सही रखना चाहिए क्योंकि बच्चे अपने माता-पिता से ही सबकुछ सीखते हैं और ये लंबे समय तक वो उन्हीं को फॉलो करते हैं। तो, आइए जानते हैं बच्चों को कैसे बर्बाद कर सकती हैं माता-पिता की ये आदतें।

बच्चों के सामने ऊंची आवाज में बात न करें

बच्चों के सामने कभी भी किसी से या फिर आपस में भी ऊंची आवाज में बात न करें। ऐसा करने से उन्हें ये बात नॉर्मल लगने लगती है और फिर वो भी ऊंची आवाज में बात करने लगते हैं। धीमे-धीमे ये उनकी आदत बन जाती है और फिर स्वभाव बन जाता है। ऐसे में आपको इस बात का खास तरह से ख्याल रखना चाहिए कि आप अपनी आवाज को संतुलित रखें और गुस्से में भी तेज आवाज में बात न करें।

अपशब्दों का इस्तेमाल न करें

अपशब्दों का इस्तेमाल करना बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। दरअसल, अगर माता-पिता किसी के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो बच्चों भी इसे सीख लेते हैं और इसका प्रयोग करने लगते हैं। तो, माता-पिता को खासतौर पर बच्चों के सामने अपशब्दों का प्रयोग न करें। बच्चों के सामने आराम से बात करें। प्यार से शब्दों का प्रयोग करें। इससे बच्चे भी ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

पैसों को बर्बाद न करें

पैसों को बर्बाद करना सबसे खराब आदतों में से एक है। आपके लिए ही नहीं आपके बच्चों के लिए भी ये आदत नुकसानदेह है। ये असल में फिजूलखर्ची से शुरू होता है। इसलिए बच्चों को पैसे का महत्व बताएं। इसके इस्तेमाल के बारे में बताएं। ताकि उन्हें समझ में आए कि पैसों को कहां खर्च करना है और कहां पैसे खर्च नहीं करने हैं। इसके अलावा बच्चों को मनी मैनेजमेंट करना भी सिखाएं।

जिद्द करने पर चीजें न दें

बच्चे जिस चीज की जिद्द करें उन्हें वो चीज बिलकुल भी न दें। इससे वो समय के साथ और जिद्दी बन जाते हैं और इसका उन्हें नुकसान होता है। वे आगे भी जिद्द करते हैं और उनके अंदर शेयरिंग की भावना नहीं आती। तो,अपने बच्चों में इन बातों का खास ख्याल रखें और इसके लिए अपनी आदतों में सुधार करें। तो, अगर आपके बच्चे हैं तो अपने स्वभाव में इन बातों का जरूर ध्यान दें।

शराब जितनी ही खतरनाक है ज्यादा देर बैठे रहना

शराब को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, शराब से सिर्फ लिवर ही नहीं बल्कि पूरे शरीर को क्षति पहुंचती है। ब्लड शुगर-कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित करने के साथ ये मस्तिष्क-हृदय की सेहत के लिए भी हानिकारक पाया गया है। क्या आप जानते हैं कि हमारी-आपकी रोजाना की जाने वाली एक गलती शराब से अधिक खतरनाक साबित हो रही है?

वैज्ञानिकों ने पाया कि जिस तरह से शराब हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाती है, ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत के भी उसी तरह के नुकसान देखे जाते रहे हैं।

एक अध्ययन में दो समान समूह ड्राइवर (जो अधिकांश दिन बैठ रहते हैं) और कंडक्टर या गार्ड (जो अक्सर खड़े रहते हैं) के लोगों के सेहत की तुलना की गई। इसमें पाया गया कि दोनों समूह के लोगों की आहार-जीवनशैली काफी हद तक एक जैसी थी, लेकिन जो लोग ज्यादा देर तक बैठे रहते थे उनमें हृदय रोग होने का खतरा, खड़े रहने वालों की तुलना में लगभग दोगुना पाया गया।

ज्यादा देर बैठे रहना हानिकारक

डॉक्टर्स की टीम ने बताया, आप ऑफिस में बैठे रहते हैं, घर में ज्यादातर समय तक बेड पर आराम करते रहते हैं या फिर ड्राइविंग जैसे बैठे रहने वाले काम करते रहते हैं, ये सभी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। जितनी ज्यादा आपकी शारीरिक निष्क्रियता बढ़ती जाती है, सेहत पर उसके उतने ही दुष्प्रभाव हो सकते हैं। ये आपकी लाइफ को कम करने के साथ-साथ डिमेंशिया जैसे मस्तिष्क विकारों डायबिटीज और हार्ट की समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है।

समय से पहले मृत्यु का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं उनमें कई प्रकार के स्वास्थ्य कारणों से समय से पहले मृत्यु होने की अधिक आशंका होती है। यदि आपका बैठे रहने का समय अधिक है, भले ही आप प्रतिदिन व्यायाम करते हैं तो भी इससे होने वाले दुष्प्रभावों को कम करना काफी कठिन हो जाता है।

किसी भी संबंध में कैसे ईगो बन जाता है रिश्तों का दुश्मन, ऐसी स्थिति में क्या करें?

एक हेल्दी रिश्ते की बुनियाद आपसी प्यार, सम्मान और समझ पर टिकी होती है। मगर जब इसमें धीरे-धीरे 'ईगो' या अहंकार आता है, तो मजबूत से मजबूत रिश्ते भी ताश के पत्तों की तरह ढहने लगते हैं। ईगो एक ऐसा दुश्मन है जो पार्टनर की उपलब्धियों पर खुशी महसूस करने के बजाय प्रतिस्पर्धा पैदा करता है और गलतियों को स्वीकार न करने के रास्ते में दीवार बनकर खड़ा हो जाता है।

अक्सर लोग 'आत्म-सम्मान' और 'ईगो' के बीच के बारीक अंतर को नहीं समझ पाते हैं। जहां आत्म-सम्मान आपको अपनी गरिमा बनाए रखना सिखाता है, वहीं ईगो आपको 'मैं हमेशा सही हूं' के भ्रम में बांध देता है। आज के आधुनिक रिश्तों में, जहां दोनों पार्टनर करियर और पर्सनल फ्रिडम को महत्व देते हैं, वहां छोटी-छोटी बातों पर ईगो का टकराना आम हो गया है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर समय रहते इसे ठीक करने की कोशिश नहीं किया गया, तो यह रिश्तों में बहुत कड़वाहट ला सकता है। कई बार यह अलगाव तक का कारण बन जाता है। ईगो को संतुष्ट करने की कोशिश में हम अक्सर उस इंसान को खो देते हैं जो हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है।

रिश्ते में ईगो के लक्षण और इसके दुष्प्रभाव

ईगो का सबसे बड़ा संकेत यह है कि विवाद के समय आपका ध्यान समस्या सुलझाने के बजाय सामने वाले को गलत साबित करने पर होता है।

जब आप अपनी गलती होने पर भी माफी मांगने में छोटा महसूस करते हैं, तो समझ लें कि अहंकार प्रेम पर हावी हो रहा है।

ईगो के कारण रिश्तों में 'साइलेंट ट्रीटमेंट' बढ़ जाता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनता है और दोनों पार्टनर के बीच भावनात्मक दूरी को कई गुना बढ़ा देता है।

ईगो और आत्म-सम्मान के बीच का अंतर पहचानें

आत्म-सम्मान आपको गलत व्यवहार के खिलाफ खड़ा करता है, जबकि ईगो आपको अपने पार्टनर को नीचा दिखाने के लिए प्रेरित करता है।

अगर आप पार्टनर से सिर्फ अपनी बात मनवाने के लिए अड़ियल रुख अपनाते हैं, तो यह ईगो है, लेकिन अगर आप अपनी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, तो वह आत्म-सम्मान है।

रिश्ते में पार्टनर से 'जीतना' रिश्ते की हार की शुरुआत होती है, क्योंकि जब एक पार्टनर जीतता है, तो असल में 'रिश्ता' कमजोर होने लगता है।

ईगो को नियंत्रित करने के प्रभावी तरीके

संवाद के दौरान 'तुम' के बजाय 'मैं' भाषा का प्रयोग करें, जैसे ₹तुमने ऐसा किया₹ के बजाय ₹मुझे ऐसा महसूस हुआ₹ कहें।

पार्टनर की बात काटने के बजाय उन्हें पूरी तरह सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

यह ध्यान रखें कि 'सही होने' से ज्यादा महत्वपूर्ण 'साथ होना' है, कभी-कभी छोटे से 'सॉरी' से वर्षों पुराने विवाद पल भर में सुलझ सकते हैं।

प्यार को ईगो से ऊपर जगह दें

रिश्ते रेशम की डोर की तरह होते हैं, जिन्हें ईगो की सख्ती से नहीं बल्कि स्नेह की कोमलता से बांधकर ही चलाया जा सकता है। एक सफल और खुशहाल जोड़ा वही है जो अपनी कमियों को स्वीकार करता है और विकास को प्राथमिकता देता है।

अहंकार को घर के दरवाजे के बाहर छोड़कर ही आप एक-दूसरे के दिल में जगह बना सकते हैं। जब आप 'मैं' को छोड़कर 'हम' की भावना को अपनाते हैं, तो ईगो अपने आप गायब हो जाता है। ध्यान रखें किसी बहस को जीतना आसान है, लेकिन किसी का दिल और भरोसा जीतना ही रिश्तों का ज्यादा मजबूत बनाता है।

क्या आप भी पार्टनर से छुपाते हैं अपनी सैलरी? जानिए कैसे बिगाड़ सकता है ये आपका रिश्ता

रिश्ते भरोसे पर टिके होते हैं। लेकिन जब रिश्ते में पैसों को लेकर झूठ आ जाए तो यह धीरे धीरे भरोसे को कमजोर कर देता है। आज के समय में कई कपल्स के बीच एक नई समस्या तेजी से सामने आ रही है जिसे वित्तीय बेवफाई कहा जाता है। यह तब होता है जब कोई व्यक्ति अपने पार्टनर से पैसे, सैलरी, खर्च, कर्ज या सेविंग्स से जुड़ी जानकारी छुपाता है। शुरू में यह छोटी बात लग सकती है, लेकिन समय के साथ यह रिश्ते में बड़ी दरार पैदा कर सकती है।

वित्तीय बेवफाई क्या होती है?

वित्तीय बेवफाई का मतलब है कि रिश्ते में एक व्यक्ति पैसों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी अपने पार्टनर से छुपाए या झूठ बोले। इसमें कई तरह की चीजें शामिल हो सकती हैं जैसे,

अपनी असली सैलरी छुपाना, गुप्त बैंक अकाउंट रखना, बिना बताए बड़ा खर्च करना, क्रेडिट कार्ड या लोन की जानकारी छुपाना, ऑनलाइन शॉपिंग या निवेश को छुपाना, यह बिल्कुल उसी तरह है जैसे भावनात्मक या रिलेशनशिप में बेवफाई, क्योंकि इसमें भी भरोसा टूटता है।

लोग पार्टनर से पैसे क्यों छुपाते हैं?

अपने पार्टनर के सामने सैलरी, खर्च या निवेश से जुड़ी जानकारी छुपाने के कई कारण हो सकते हैं। कई बार लोग जानबूझकर नहीं बल्कि कुछ कारणों से ऐसा करने लगते हैं। जैसे,

झगड़े से बचने के लिए

कुछ लोग सोचते हैं कि अगर वे अपनी सैलरी या खर्च बताएंगे तो पार्टनर नाराज़ हो सकता है, इसलिए वे चीजें छुपा लेते हैं।

आर्थिक आज़ादी बनाए रखने के लिए

कुछ लोगों को लगता है कि अगर पार्टनर को सब पता होगा तो उनकी फाइनेंशियल फ्रीडम खत्म हो जाएगी।

ज्यादा खर्च या कर्ज छुपाने के लिए

कभी-कभी लोग खरीदारी, कर्ज या क्रेडिट कार्ड बिल छुपाने के लिए भी सच्चाई नहीं बताते।

असुरक्षा या तुलना का डर

अगर एक पार्टनर ज्यादा कमाता है, तो दूसरा व्यक्ति कम सैलरी की वजह से असहज महसूस कर सकता है।

वित्तीय बेवफाई रिश्ते को कैसे नुकसान पहुंचाती है?

भरोसा टूट जाता है

रिश्ते की सबसे बड़ी नींव भरोसे पर टिकी होती है। जब पार्टनर को पता चलता है कि उनसे पैसे छुपाए गए हैं, तो भरोसा टूट जाता है।

बार-बार झगड़े शुरू हो जाते हैं

पैसों से जुड़े मुद्दे पहले ही रिश्तों में सबसे बड़ा तनाव पैदा करते हैं। जब इसमें झूठ जुड़ जाए, तो झगड़े और बढ़ जाते हैं।

भविष्य की प्लानिंग प्रभावित होती है

अगर दोनों पार्टनर को एक-दूसरे की सही आर्थिक स्थिति नहीं पता होगी, तो भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर असर पड़ता है। घर खरीदना, निवेश करना और बच्चों की शिक्षा की योजना जैसी चीजें सही तरीके से प्लान नहीं हो पातीं।

भावनात्मक दूरी बढ़ जाती है

जब एक व्यक्ति को लगता है कि उससे कुछ छुपाया जा रहा है, तो रिश्ते में दूरी और असुरक्षा बढ़ने लगती है।

वित्तीय बेवफाई के संकेत

वित्तीय बेवफाई के कुछ लक्षण हैं। अगर आपको अपने रिश्ते या पार्टनर में ये संकेत दिखे तो समझ जाइए कि आपके रिश्ते में सावधान रहने की जरूरत है।

पार्टनर अपने खर्च के बारे में खुलकर बात नहीं करता

बैंक स्टेटमेंट या सैलरी की जानकारी छुपाई जाती है

अचानक कर्ज या क्रेडिट कार्ड बिल सामने आना

पैसे से जुड़े सवालों से बचना

ये सभी वित्तीय बेवफाई के संकेत हो सकते हैं।

वित्तीय बेवफाई से बचने के लिए क्या करें?

खुलकर बातचीत करें

रिश्ते में पैसे को लेकर ईमानदार बातचीत बेहद जरूरी है। फाइनेंशियल गोल्स साथ में तय करें। जैसे, बचत, निवेश और खर्च की योजना पर बात करें।

पारदर्शिता बनाए रखें

दोनों पार्टनर को एक-दूसरे की आर्थिक स्थिति की जानकारी होनी चाहिए। एक दूसरे के सामने पैसों व खुद को वित्तीय स्थिति को पारदर्शी रखें।

बजट बनाएं

एक मासिक बजट बनाकर खर्च और सेविंग्स को मैनेज किया जा सकता है। समस्या का निवारण करें ना कि समस्या को छुपाएं

गोपीचंद की फिल्म में हुई अभिनेत्री ऋतु वर्मा की एंट्री

तेलुगु फिल्मों में अपनी एक्शन भूमिकाओं से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता गोपिचंद जल्द ही अपनी 33वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मुख्य अभिनेत्री के बारे में जानकारी दी गई है। जानिए कौन हैं यह अभिनेत्री?

फिल्म में हुई ऋतु वर्मा की एंट्री

अभिनेत्री ऋतु वर्मा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यही वजह है कि आज निर्माताओं ने उनकी आगामी फिल्म से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है। अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि ऋतु वर्मा अभिनेता गोपीचंद की 33वीं फिल्म का हिस्सा हैं।

ऋतु निभाएंगी खास किरदार

निर्माताओं ने आज फिल्म का एक खास पोस्टर जारी किया है। जिसमें ऋतु वर्मा धनुष से किसी पर निशाना साधते नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा,'अचूक निशाना। दमदार उपस्थिति।' इसके साथ ही निर्माताओं ने ऋतु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी कि इस फिल्म में ऋतु 'सत्यावती' का किरदार निभाएंगी।

सत्यवती नाम की एक आदिवासी लड़की की भूमिका में ऋतु को लुक काफी दमदार दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर से पता चल रहा है कि इस फिल्म में उनका किरदार दमदार और प्रभावशाली होगा। गोपीचंद 33 एक बड़ी बजट की तेलुगु ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संकल्प रेड्डी कर रहे हैं। यह फिल्म 7वीं शताब्दी की एक कम ज्ञात ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जिसमें गोपीचंद एक योद्धा की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीनिवासा सिल्वर स्क्रीन बैनर के तहत बन रही इस फिल्म का पहला शेड्यूल कश्मीर में पूरा हो चुका है।

63 साल की उम्र में राधिका सरथकुमार ने रचा इतिहास 'थाई किझवी' ने दुनियाभर में कमाए 50 करोड़ रुपये

63 साल की उम्र में राधिका सरथकुमार ने अपने अभिनय से कमाल कर दिखाया है। उनकी तमिल कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'थाई किझावी' ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म बिना किसी पुरुष कलाकार के सफल हुई है।

50 करोड़ रुपये का आंकड़ा किया पार

यह सफलता इसलिए खास है क्योंकि तमिल सिनेमा को इस साल कोई बड़ी हिट फिल्म की जरूरत थी और यह फिल्म बिना किसी बड़े हीरो के आई है। इस फिल्म ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

'थाई किझवी' का अब तक का कलेक्शन

पहले दिन भारत में 'थाई किझवी' ने 2.65 करोड़ रुपये कमाए। वीकेंड में कमाई बहुत बढ़ी और शनिवार को 5 करोड़ और रविवार को 6.15 करोड़ रुपये की कमाई हुई। बाकी दिनों में भी रोज 1.7 करोड़ से ज्यादा कमाई होती रही। दूसरे हफ्ते में भी फिल्म का प्रदर्शन अच्छा रहा। वहीं इस फिल्म ने अब तक दुनियाभर में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

क्या है 'थाई किझवी' की कहानी?

फिल्म 'थाई किझवी' की कहानी गांव में रहने वाली एक 70 साल की अमीर औरत पावुनुथायी (राधिका सरथकुमार) के इर्द-गिर्द है। उनके तीन बेटे उनकी संपत्ति के लिए लड़ते हैं, जबकि वो बिस्तर पर लेटी रहती हैं। यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। खास बात यह है कि फिल्म में कोई बड़ा पुरुष स्टार नहीं है, फिर भी इतनी कमाई हुई। यह फिल्म शिवकुमार मुरुगेसन ने निर्देशित की है। इसे सुधन सुंदरम और अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने बनाया है। इस फिल्म में राधिका के अलावा सिंगम पुली, अरुल डॉस, बाला सरवनन, मुनीशकांत जैसे कलाकार हैं।

फिल्म को लेकर राधिका की राय

राधिका सरथकुमार ने कहा कि अगर टिकट महंगे (1000-1500 रुपये) होते, जैसा बड़े हीरो वाली फिल्मों में होता है, तो यह फिल्म आसानी से 100 करोड़ कमा सकती थी। लेकिन यहां टिकट सिर्फ 150 रुपये के आसपास थे, इसलिए जनता पर कोई बोझ नहीं पड़ा। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से बहुत प्यार मिला है।

कब और कहां होगा ऑस्कर? भारत में कब देख सकेंगे?

भारत से प्रियंका चोपडा होंगी शामिल

कुछ ही दिनों में ऑस्कर 2026 का आयोजन होने वाला है और अब इसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस साल का कार्यक्रम और ज्यादा खास होने वाला है, क्योंकि इसे कोनन ओ'ब्रायन होस्ट करने वाले हैं। इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह में प्रियंका चोपड़ा भी शामिल होने वाली हैं। आइए समारोह से जुड़ी सारी जानकारी जानते हैं।

कहां होगा अवॉर्ड शो?

98वां अकादमी अवॉर्ड समारोह 15 मार्च 2026 को हॉलीवुड के लॉस एंजेलिस स्थित मशहूर डॉल्बी थिएटर में आयोजित किया जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी दुनियाभर की फिल्म इंडस्ट्री की नजरें इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह पर टिकी हुई हैं।

कौन करेगा होस्ट?

इस बार समारोह को मशहूर कॉमेडियन और टीवी होस्ट कोनन ओ'ब्रायन होस्ट करेंगे, जिनकी मौजूदगी से शो को चार-चांद लगने की उम्मीद है।

क्या होगी टाइमिंग?

भारत में टाइम डिफरेंस की वजह से दर्शक इस समारोह को 16 मार्च की सुबह लगभग 4:30 बजे से देख सकेंगे। आप जियो हॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर सुबह 4:30 बजे से इसकी लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं। भारत में स्टार मूवीज चैनल पर भी इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

इंडियन फैंस के लिए इस बार का ऑस्कर और भी खास है क्योंकि ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इस समारोह में प्रेजेंटर के तौर पर नजर आएंगी। वह मंच पर विजेताओं को अवॉर्ड देती दिखाई देंगी। उनके साथ रॉबर्ट डाउनी जूनियर और ऐन हैथवे जैसे बड़े हॉलीवुड सितारे भी मंच पर नजर आएंगे, जिससे इस साल का शो और भी ग्लैमरस होने की उम्मीद है।

इन फिल्मों पर सबकी नजरें

नॉमिनेशन की बात करें तो इस बार फिल्म 'सिनर्स' सबसे आगे मानी जा रही है। इस फिल्म को करीब 16 नॉमिनेशन मिले हैं और यह कई बड़ी कैटेगरी में मजबूत दावेदार मानी जा रही है। इसके अलावा 'वन बैटल आफ्टर अनदर' को भी लगभग 13 नॉमिनेशन मिले हैं और यह भी अवॉर्ड रेस में काफी आगे बताई जा रही है।

बेस्ट पिक्चर की रेस में कई बड़ी फिल्में

वहीं 'फ्रैंकेंस्टाइन', 'मार्टी सुप्रीम', 'सेंटीमेंटल वैल्यू', 'हैमनेट', 'बुगोनिया', 'एफ1', 'द सीक्रेट एजेंट' और 'ट्रैन ड्रीम्स' जैसी फिल्में भी अलग-अलग कैटेगरी में नॉमिनेशन के साथ चर्चा में बनी हुई हैं। खास तौर पर बेस्ट पिक्चर की रेस इस बार काफी दिलचस्प मानी जा रही है, क्योंकि कई बड़ी और चर्चित फिल्में इस कैटेगरी में शामिल हैं।

कुल मिलाकर इस साल ऑस्कर में बड़े बजट की फिल्मों के साथ-साथ अलग और दमदार कहानियों वाली फिल्मों का भी दबदबा देखने को मिल रहा है, जिससे अवॉर्ड्स की रेस और भी दिलचस्प हो गई है।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच कुवैत से लौटीं उर्वशी रौतेला वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मैं बेहद डरी हुई थीं'

ईरान और इस्राइल संकट के बीच कई सेलेब्स वहां फंसे हुए हैं कुछ वापस आ चुके हैं और कुछ वहां से अपनी अपडेट्स फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी इस युद्ध के बीच कुवैत में थीं। इस तनाव की स्थिती में वहां होने और फिर भारत लौटने के बारे में एक्ट्रेस ने पोस्ट साझा की जिसमें वह काफी भावुक दिखीं।

तनाव के दौरान कुवैत मे थीं एक्ट्रेस

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ईरान, इस्राइल और अमेरिका के युद्ध के दौरान कुवैत में फंसी हुई थीं। हाल ही में भारत लौटने के बाद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर उस दौरान हुए अपने रिएक्शन को शेयर किया। उन्होनें एक वीडियो में कहा, 'मैं अब भारत के लिए प्लेन से रवाना हो चुकी हूं। जब मैं प्लेन में बैठी बिल्कुल ठीक थी। मगर फिर भी मुझे काफी डर महसूस होने लगा। मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा। मैं नहीं जानती कि ऐसा मेरे साथ क्यों हो रहा है।'

उर्वशी ने कहा असुरक्षित और तनावग्रस्त हूं

इस वीडियो को इंस्टाग्राम में शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि वह इस समय काफी असुरक्षित और चिंतित महसूस कर रही हैं। इसके साथ ही फैंस से खुद के लिए प्रार्थना करने की गुजारिश की। उर्वशी ने आगे यह भी बोला कि अगर कोई इस वीडियो को देखने के बाद असहज या चिंतित हो उसके लिए वह माफी मंगती हैं। मगर वह अपने मन की बात फैंस को बताना चाहती हैं।

कई सितारों ने साझा की थी लौटने की खुशी

पिछले दिनों एक्ट्रेस ईशा गुप्ता भी अबू धाबी में थीं लेकिन एक्ट्रेस सुरक्षित भारत लौट आई हैं। उन्होंने दिल्ली में लैंड करते ही फैंस का धन्यवाद किया था।वहीं सिंगर हनी सिंह भी दुबई ने भी सही सलामत होने की अपडेट फैंस के साथ शेयर की थी। एक्ट्रेस लारा दत्ता ने भी कुछ दिनों पहले एक वीडियो जारी कर बताया था कि वह सही सुरक्षित हैं और जल्द भारत लौटने की कोशिश कर रहीं हैं। साथ ही फैंस को धन्यवाद भी कहा था।

'द 50' से बाहर होने के बाद निकी तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट, निशाने पर कौन?

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं।

अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या लिखा?

निकी तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।'

निक्की तंबोली के निशाने पर कौन था?

निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त 'द 50' शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।

कौन बनेगा शो का विनर?

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिसं नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

मधुबाला की बायोपिक में अनीत पड्डा निभाएंगी प्रमुख भूमिका?

सामने आई सच्चाई, नेटिजेंस ने की इस एक्ट्रेस की मांग

लेजेंडरी एक्ट्रेस मधुबाला की बायोपिक को लेकर इन दिनों लगातार चर्चाएं चल रही हैं। पहले ऐसी खबरें आईं कि कियारा आडवाणी इस फिल्म में प्रमुख भूमिका निभाएंगी। लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद अब अनीत पड्डा के मधुबाला के किरदार

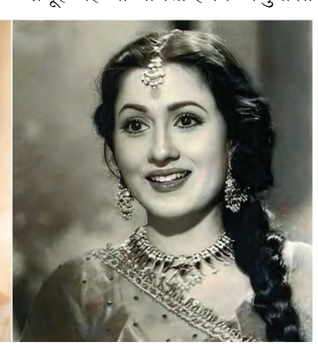

को पर्दे पर उतारने की चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि, अब अनीत पड्डा के फिल्म में होने की खबरों पर इंडस्ट्री से बड़ी जानकारी सामने आ रही है। वहीं इन दोनों अभिनेत्रियों से इतर फैंस मधुबाला के किरदार में किसी और एक्ट्रेस को देखना चाहते हैं। जानिए फैंस किस एक्ट्रेस की कर रहे डिमांड और अनीत पड्डा को लेकर सामने आई क्या सच्चाई?

अनीत पड्डा के मधुबाला का किरदार निभाने की खबरें गलत

कुछ दिन पहले कियारा आडवाणी के मधुबाला के किरदार में होने की इस अफवाह का खंडन किया था। अब फिल्मफेयर की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा को मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन कर लिया गया है और जल्द ही शूटिंग शुरू होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मेकर्स जल्द ही कास्टिंग की घोषणा कर सकते हैं। लेकिन अब इंडस्ट्री सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। एक सोर्स ने साफ किया कि अनीत पड्डा का नाम मधुबाला की बायोपिक से जोड़ना एकदम गलत है। सोर्स ने कहा, 'अनीत पड्डा को लेकर जो भी खबरें उड़ रही हैं, उनमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।'

फैंस ने की तृप्ति डिमरी की मांग

अनीत पड्डा का नाम सामने आने के बाद एक ओर जहां कुछ प्रशंसकों ने इस पर खुशी जताई, तो वहीं कई फैंस अनीत की कास्टिंग की खबरों से नाखुश दिखे। प्रशंसकों का एक समूह यह भी मानता है कि मधुबाला की बायोपिक के लिए तृप्ति डिमरी एक अच्छा विकल्प होतीं।

एक यूजर ने कहा, 'नए कलाकारों में से मुझे लगता है कि सिर्फ तृप्ति डिमरी ही इस भूमिका को निभा सकती हैं। उनमें वो मासूमियत और अभिनय क्षमता है।' एक ने कहा कि तृप्ति अपनी आंखों से अभिनय कर सकती हैं और खामोशी में भी पूरे फ्रेम को थामे रख सकती हैं। मुझे लगता है कि मधुबाला का किरदार निभाने के लिए यह जरूरी है। मधुबाला के मामले में सब कुछ आंखों और उनमें छिपे दर्द, खुशी और भावनाओं के बारे में है। एक अन्य प्रशंसक ने भी तृप्ति के फिल्म में होने का समर्थन करते हुए कहा कि तृप्ति डिमरी मधुबाला की बायोपिक के लिए एकदम सही रहेंगी।

भारतीय सिनेमा का बड़ा नाम हैं मधुबाला

मधुबाला इंडियन सिनेमा का एक बहुत बड़ा नाम हैं, इसलिए इन अफवाहों ने फिल्म प्रेमियों के बीच काफी हलचल मचा दी थी। पर सोर्स ने फिर से जोर देकर कहा कि अनीत पड्डा के प्रोजेक्ट से जुड़ने की बात सिर्फ एक अफवाह है और फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन 'डार्लिंग्स' फेम जसमीत के. रीन कर रहे हैं।

जो नेहरू की आलोचना करते थे वही अब उनका हवाला दे रहे

प्रियंका गांधी ने किरेन रिजिजू पर किया पलटवार

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधा। यह तब हुआ जब रिजिजू लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू का हवाला दे रहे थे। प्रियंका ने कहा कि जो लोग भारत के पहले प्रधानमंत्री की दिन-रात आलोचना करते हैं, वही आज उनके वक्तव्यों का हवाला दे रहे हैं।

रिजिजू ने क्या कहा?

चर्चा के दौरान रिजिजू ने 1954 में तत्कालीन स्पीकर जीवी मावलंकर को हटाने के प्रस्ताव पर नेहरू के बयान का हवाला दिया। रिजिजू ने नेहरू के शब्दों का उद्धरण देते हुए कहा, मैं उन माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा, जिन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए हैं और जिन्होंने इसका समर्थन किया है कि वे उस दस्तावेज को पढ़ें जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं। यह एक घातक दस्तावेज है। मुझे शक है कि उन्होंने इसे पढ़ा भी है या नहीं। यदि उन्होंने पढ़ा होता तो सौ बार सोचते इससे पहले कि इसे हस्ताक्षर करते।

रिजिजू ने कांग्रेस पर भी तंज कसा और कहा कि अगर प्रियंका गांधी को विपक्ष के नेता बनाया गया होता तो प्रदर्शन बेहतर होता। उन्होंने कहा, प्रियंका गांधी वहां बैठी हैं और हंस रही हैं। यदि उन्हें विपक्ष का नेता बनाया गया होता, तो प्रदर्शन बेहतर होता। कम से कम वह सदन में बैठतीं, सुनतीं और मुस्कुरातीं।

रिजिजू के बयान के बाद प्रियंका गांधी ने कहा, उन्होंने कहा कि मैं हंस रही थी। मैं यह साफ करना चाहती हूं कि मैं इसलिए हंस रही थी क्योंकि जिन नेहरूजी की वे दिन-रात आलोचना करते हैं और उन्होंने अपने तर्क के समर्थन में नेहरू जी का हवाला दिया।

उन्होंने आगे कहा, उन्होंने अचानक नेहरू जी का सम्मान करना शुरू कर दिया कि उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत किया और ऐसे भाषण दिए। प्रियंका गांधी ने जोर देकर कहा कि केवल एक व्यक्ति ऐसा है, जिसने सरकार के सामने सिर नहीं झुकाया और वह है विपक्ष के नेता राहुल गांधी।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बेझिझक सच बोलते हैं और जो लोग सत्ता पक्ष में बैठे हैं, वे उस सच को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। बाद में संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के सामने झुक गई है और उसने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने संस्थाओं को नष्ट कर दिया और विपक्ष उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव इसलिए लाया गया, क्योंकि सरकार ने बिरला पर दबाव डाला और उनकी स्वतंत्रता को प्रभावित किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार के पास राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों का कोई जवाब नहीं है, इसलिए वह ध्यान भटकाने के लिए मामूली मुद्दे उठाती रहती है।

सदन में 'मुसवा' के नाम पर हंगामा

30 विधायक सस्पेंड किए गए, अतिक्रमण पर मंत्री केदार के जवाब से विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को धान खरीदी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी दल ने 'मुसवा' के नाम पर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और कहा कि 2024-25 सीजन में किसानों से खरीदे गए बड़ी मात्रा में धान को चूहों ने खा लिया, कुछ धान भ्रष्ट अधिकारियों ने बेच दिया या रखरखाव के कारण खराब हो गया।

कांग्रेस ने दावा किया कि इससे राज्य को करीब 8500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। हंगामे के दौरान कांग्रेस के 30 विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिसे बाद में वापस ले लिया गया।

वहीं, सदन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। उन्होंने अवैध कब्जा करने वाले आरोपियों पर एक्शन और सख्त नियम बनाने की मांग की। मंत्री केदार कश्यप ने इस मुद्दे पर जवाब दिया लेकिन विपक्ष इससे असतुंष्ट नजर आया।

शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने कहा कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीदे गए धान के उचित भंडारण और सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है।

उन्होंने बताया कि 2024-25 के खरीफ विपणन सीजन में 149.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया था, जिसमें से विभाग की सिटीजन रिपोर्ट के अनुसार 22.71 लाख क्विंटल धान का अब तक निपटान नहीं हुआ है।

महंत ने आरोप लगाया कि यह धान अब फेयर एवरेज क्वालिटी का नहीं रहा और इसे चूहों ने खा लिया, भ्रष्ट अधिकारियों ने बेच दिया या खराब भंडारण और रखरखाव के कारण यह नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि मार्कफेड के भंडारण केंद्रों से 16.03 लाख क्विंटल और खरीदी केंद्रों से 6.67 लाख क्विंटल धान गायब बताया जा रहा है।

आरोपों पर जवाब देते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि धान खरीदी योजना में कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार के कारण राज्य को भारी नुकसान होने का दावा गलत है।

उन्होंने बताया कि 2024-25 के खरीफ विपणन सीजन में राज्य ने 25.49 लाख किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 149.25 लाख टन धान खरीदा। इसके लिए किसानों को MSP के रूप में 34,349 करोड़ रुपए और कृषक उन्नति योजना के तहत 11,928 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इस तरह किसानों को कुल 46,277 करोड़ रुपए दिए गए।

मंत्री ने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था के तहत बोनस सहित प्रति क्विंटल 3100 रुपए की कीमत देने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है। उन्होंने बताया कि 2024-25 सीजन में खरीदे गए धान के निपटान की अंतिम तारीख 30 अप्रैल 2026 तय की गई है और प्रक्रिया जारी है।

मंत्री बघेल के मुताबिक, 18.36 लाख टन अतिरिक्त धान का ऑनलाइन नीलामी के जरिए निपटान किया जा चुका है, जबकि करीब 1.60 लाख टन धान भंडारण केंद्रों और 67 हजार टन धान खरीदी केंद्रों में मौजूद है, जो कुल खरीदी का तीन प्रतिशत से भी कम है।

दयालदास बघेल ने इस आरोप को भी खारिज किया कि धान को चूहों ने खा लिया या भ्रष्ट अधिकारियों ने बेच दिया।

सरकारी अफसर की पत्नी से रेप

स्वर्णभूमि निवासी कारोबारी ने किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सरकारी अफसर की पत्नी से रेप हुआ है। स्वर्णभूमि सोसायटी में रहने वाले कारोबारी गोपाल गोयल ने 8 मार्च को महिला को बंधक बनाया, उससे दुष्कर्म किया।

किसी तरह महिला वहां से बचकर निकली और थाने में शिकायत दर्ज कराई। 10 मार्च को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। आरोपी गोपाल गोयल सेकेंड हैंड गाड़ियों का व्यापार करता है।

सरकारी अफसर की पत्नी ने थाने में बयान दर्ज कराया जिसके मुताबिक, 8 मार्च को आरोपी ने उसे अपने कब्जे में लेकर बंधक बना लिया था। उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। घटना के बाद किसी तरह वह आरोपी के चंगुल से निकलकर थाने पहुंची। पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की। जांच के बाद सोसायटी में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा।

सिविल लाइन थाना प्रभारी यमन देवांगन ने बताया कि, आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की रेप से संबंधित धाराओं के साथ-साथ अनुसूचित जाति और जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी केस दर्ज किया गया है।

घटना के बाद पीड़िता का हेल्थ चेकअप कराया गया है। उसके बयान भी दर्ज किए गए हैं। इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पीड़िता के बयान और सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा अध्यक्ष को विपक्ष का माइक बंद करने में महारत

महुआ मोइत्रा का तीखा हमला, मचा हंगामा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर तीखा हमला बोला है। मंगलवार को सदन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि स्पीकर ने विपक्षी सांसदों के माइक्रोफोन बंद करने की कला में महारत हासिल कर ली है। वे स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर अपनी बात रख रही थीं। मोइत्रा ने बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने सदन में बहस के दौरान संसदीय प्रक्रियाओं को लेकर कई आपत्तियां उठाईं।

महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि सदन में भेदभाव होता है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों को अंत तक बोलने की इजाजत मिलती है, लेकिन जब भी विपक्ष अपनी बात रखने की कोशिश करता है, तो उनका समय कम कर दिया जाता है। मोइत्रा के अनुसार, स्पीकर ने योजनाबद्ध तरीके से विपक्ष की आवाज को दबाया है।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सांसदों की नहीं, बल्कि उन 41 करोड़ भारतीयों की आवाज को दबाने जैसा है जिन्होंने विपक्ष को चुनकर भेजा है। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए एक और बड़ी कमी बताई। मोइत्रा ने कहा कि नियम के मुताबिक स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के पद खाली होते ही भरे जाने चाहिए। लेकिन वर्तमान लोकसभा में अभी तक कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि इस प्रस्ताव पर बहस के दौरान कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा, इसके लिए सदन की सलाह नहीं ली गई।

महुआ मोइत्रा ने अपने भाषण में खुद को सदन से निकाले जाने की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह एक विडंबना है कि जिस स्पीकर ने उन्हें अपना बचाव करने का मौका नहीं दिया, आज वे उसी स्पीकर के खिलाफ बहस शुरू कर रही हैं। उन्होंने पिछली सरकार को महिला विरोधी बताते हुए कहा कि एथिक्स कमेटी ने उन्हें गलत तरीके से निकाला था। उन्होंने इसे 'कर्म का फल' बताया और कहा कि कोई भी अपने कर्मों से भाग नहीं सकता।

इतिहास का जिक्र करते हुए मोइत्रा ने बताया कि स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव लाना एक पुरानी संसदीय परंपरा है। उन्होंने 1954 में पहले स्पीकर जी.वी. मावलंकर के खिलाफ आए प्रस्ताव की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने खुद सुझाव दिया था कि बहस में सरकार से ज्यादा समय विपक्ष को मिलना चाहिए।

इंडिगो में बड़ा बदलाव: सीईओ पीटर एल्बर्स ने दिया इस्तीफा

राहुल भाटिया को मिली अंतरिम कमान

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो के शीर्ष नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव हुआ है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन का कहना है कि उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से मुक्त कर दिया गया है। मंगलवार को विमानन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह बड़ा कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब एयरलाइन हाल ही में एक गंभीर 'ऑपरेशनल संकट' से गुजरी है, इस संकट ने भारत के विमानन क्षेत्र में प्रबंधन के स्तर पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे

पीटर एल्बर्स का यह इस्तीफा दिसंबर महीने में एयरलाइन की ओर से सामना किए गए अब तक के सबसे खराब परिचालन संकट के बाद आया है।

भारी दबाव और जांच: इस संकट के दौरान एयरलाइन के संचालन में बड़ी बाधाएं आई थीं, जिसके कारण न केवल आम जनता की ओर से एयरलाइन को भारी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, बल्कि सरकारी स्तर पर भी इंडिगो की कड़ी जांच की गई थी।

बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू: एयरलाइन की ओर से मंगलवार को जारी बयान में साफ किया गया है कि पीटर एल्बर्स का इस्तीफा 10 मार्च 2026 से ही प्रभावी हो गया है।

इस चुनौतीपूर्ण समय में कंपनी को स्थिरता प्रदान करने के लिए इंडिगो के मौजूदा प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया को यह अहम कमान सौंपी गई है।

अंतरिम जिम्मेदारी: पीटर एल्बर्स के बाहर जाने के बाद, राहुल भाटिया अब अंतरिम आधार पर कंपनी के प्रबंधन का प्रभार संभालेंगे।

हादसे में जान गंवाने वाली फ्लाइट अटेंडेंट के पिता का आरोप- अब तक नहीं मिला मुआवजा

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे को एक महीने से ज्यादा हो गया है। अजित पवार विमान हादसे की जांच पर उनके भतीजे रोहित पवार ने गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विमान हादसे में जान गंवाने वाली फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली के पिता शिवकुमार माली का हाल ही में एक बयान आया है। उन्होंने कहा है कि वीएसआर वेंचर्स से अभी तक कोई हमसे मिलने नहीं आया। ना ही हमें कोई मुआवजा मिला है।

उन्होंने कहा, एक हफ्ते पहले मेरे बेटे को व्हाट्सएप पर एक कॉल आया, जिसमें कहा गया था, 'अगर तुम मीडिया के पास जाओगे तो क्या होगा। इससे तुम्हारी बहन या अजित दादा वापस नहीं आएंगे। जब मैं मुंबई आऊंगा तो तुमसे मिलने आऊंगा। अगर पायलट ने विमान दुर्घटनाग्रस्त किया है तो हम क्या कर सकते हैं?' अब हम असमंजस में हैं कि क्या करें। हमारी कहानी ऐसी है कि हम न तो बर्दाश्त कर सकते हैं और न ही अपनी बात कह सकते हैं। अगर हम कुछ कहते हैं, तो ये लोग नाराज हो जाते हैं। हमारी बीमा राशि भी अटक सकती है, सरकार से भी हमें कोई मदद नहीं मिल रही है।

उन्होंने आगे कहा कि हमें पता चला है कि बारामती के एक अधिकारी, अमोल सोनावाने ने 5 लाख रुपये का चेक दिया है। कंपनी (वीएसआर वेंचर्स) से अभी तक कोई हमसे मिलने नहीं आया है। समाधान सर्वंकर पहले व्यक्ति थे जो हमसे मिलने आए। उन्होंने हमें बहुत हिम्मत और धैर्य दिया। निशिकांत शिंदे भी हमसे मिलने आए।

सचिन अहीर, सुनील शिंदे, आदित्य ठाकरे और अरविंद सावंत भी हमसे मिलने आए। सबसे बड़ी बात यह थी कि सरकार से छगन भुजबल हमसे मिलने आए।

उनके बेटे पंकज और भतीजे समीर भी आए। अनिल देशमुख भी हमसे मिलने आए।

भारतीय एयरलाइंस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स का 15% किराया बढ़ाया

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे आम आदमी की जेब पर भी पड़ते दिखाई दे रहा है। भारतीय एयरलांइस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के किराए में करीब 15% की बढ़ोतरी की है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती जंग और होर्मुज रूट प्रभावित होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों और जेट फ्यूल के दाम में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जिसका असर ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है। भारत समेत एशिया की प्रमुख एयरलाइंस ने भी टिकटों के दाम बढ़ा दिए हैं और कई कंपनियां अपने विमानों को ग्राउंडेड करने का प्लान भी बना रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह 1970 के दशक के बाद का सबसे बड़ा तेल संकट हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, जेट फ्यूल यानी ATF की कीमतों में हो रहे इजाफे को देखते हुए भारत की एविएशन कंपनियां आने वाले दिनों में किराया और भी बढ़ा सकती हैं। एयरलाइंस का कहना है कि ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने के कारण उनके पास किराया बढ़ाने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचा है।

28 फरवरी को शुरू हुई ईरान-इजराइल जंग के बाद से तेल की सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस वजह से क्रूड ऑयल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत आज 93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। वहीं एक दिन पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई थी। वहीं कई मार्केट में जेट फ्यूल की कीमतें संघर्ष शुरू होने के बाद से दोगुनी हो चुकी हैं। जंग से पहले जेट फ्यूल की कीमतें लगभग 85 से 90 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच गई है। वहीं मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण दुनियाभर में अब तक 40,000 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल भी हुई हैं।

सेना की बड़ी कामयाबी: सीमा पर पाक आतंकी मारा गया

जम्मू, 10 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

अधिकारियों के अनुसार खुफिया एजेंसियों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे नौशेरा के झांगर इलाके में एलओसी के पास दो आतंकियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद सतर्क सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में ऑपरेशन शुरू किया।

भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एक आतंकी मारा गया, जिससे एलओसी पर किसी भी तरह की घुसपैठ को सफल होने से रोक दिया गया।

सुरक्षाबलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और दूसरे आतंकी की तलाश की जा रही है।

सेना ने पूरे सेक्टर में निगरानी बढ़ा दी है और जमीनी तथा हवाई निगरानी के जरिए इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते गैस सप्लाई ठप हो गई है। इससे देश में एलपीजी की किल्लत हो रही है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक लगा दी है।

गैस सप्लाई बंद होने की वजह से कई शहरों में रेस्टोरेंट्स और होटल बंद होने की नौबत आ गई है। ऐसे में सरकारी सूत्रों का कहना है कि तेल कंपनियां तीन सदस्यी कमेटी के जरिए रेस्टोरेंट एसोसिएशनों से बात करेंगी, ताकि एलपीजी सप्लाई की दिक्कतों को समझा जा सके।

इधर, केंद्र सरकार ने गैस समेत जरूरी चीजों की जमाखोरी रोक ने लिए देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। अब गैस को 4 कैटेगरी में बांटा जाएगा।

पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई): इसमें घर की रसोई गैस (पीएनजी) और गाड़ियों में डलने वाली सीएनजी आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।

दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने): खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।

तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग): नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।

चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल): शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 एक ऐसा कानून है, जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे- अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके। इसे आसान भाषा में 'जमाखोरी रोकने वाला कानून' कह सकते हैं।

अब इस देश लौटकर नहीं आना, इससे अच्छा तो मेरा वतन

खाड़ी में फंसे कई भारतीय कर रहे तौबा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। हम तो बहरीन कमाने आए थे। सोचा था कुछ साल रुककर पैसे बना लेंगे, मगर यहां तो लड़ाई छिड़ गई है। हम लोग डर-डरकर लुक-छिपकर काम कर रहे हैं। काम करते हैं और फिर चुपचाप अपने-अपने कमरों में रहने चले जाते हैं। बाजार की ओर भी नहीं जाते हैं। डर लगता है कि पता नहीं कब कौन सा बम या मिसाइल आकर गिर जाए।' दुबई में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करने वाले पंकज राय ने ये बातें शेयर कीं। पंकज राय बताते हैं कि वह बहरीन की राजधानी मनामा में कमाने की चाहत में अपने गांव के कुछ साथियों के साथ आए थे। मगर, जब से ईरान ने यहां पर हमला किया है, पानी का संकट सताने लगा है। एक तो वैसे ही यहां पानी महंगा है। डर लगता है कि कहीं बहरीन में पानी की किल्लत न शुरू हो जाए। बहरीन या पूरे खाड़ी में समुद्री खारे पानी को मीठा पानी बनाने वाले संयंत्र हैं, जिनकी सप्लाई होती है। हाल ही में ईरान ने बहरीन के एक डीसैलिनेशन प्लांट को ड्रोन से हमला करके उड़ा दिया था।

वहीं, सीतापुर के हरगांव तहसील के आईटी प्रोफेशनल हरेंद्र नाथ पाठक भी दुबई में अच्छी सैलरी पर एक कंपनी में काम करते थे। वह बताते हैं कि दुबई की लग्जरी लाइफ उन्हें शुरुआत में बहुत अच्छी लगती थी।

अमेरिका-ईरान के हमले तेज होने से पहले ही वह किसी तरह बच बचाकर इंडिया आ गए। उनका कहना था कि जैसा भी हो, अपना देश अपना ही है। थोड़ा कमाना, मगर सुरक्षित और सुखी रहना ही मेरे जीवन का मकसद है। उनका कहना है कि अब वह अपने देश में ही पैसे कमाएंगे और फिर दुबई लौटकर नहीं जाएंगे।

खाड़ी में जब-तक सब ठीक-ठाक रहा तो बहुत अच्छा लगा, मगर युद्ध या संकट के दौरान बस अपना देश ही याद आता है। लगता है कि किसी तरह एक बार अपने देश पहुंच जाऊं।

जब से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बमबारी शुरू की, तो दोनों देशों के हमलों और ईरान के जवाबी हमलों की एक ऐसी सीरीज को जन्म दिया, जिसके चलते पड़ोसी देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे हैं।

खाड़ी के मुहाने पर स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग पूरी तरह से जहाजों के लिए बंद हो गया है। दुबई जैसे शानदार शहर, जिन्हें लंबे समय से इस क्षेत्र में व्यवसायों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना माना जाता था, ठप पड़ गए हैं, हवाई अड्डे और शेयर बाजार ठप हो गए हैं। भारत की आबादी अब 140 करोड़ से अधिक है और यह दुनिया भर में सबसे अधिक प्रवासी कामगारों को विदेशों में भेजता है। इनमें से 1.5 करोड़ लोग अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और लगभग हर जगह अपना नाम कमा रहे हैं। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा फारस की खाड़ी में स्थित है, जो भारत से तीन घंटे की उड़ान की दूरी पर है। भारत सरकार के नवीनतम अनुमान के अनुसार, खाड़ी में 93 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं, जबकि अमेरिका में यह संख्या 20 लाख है। नई दिल्ली में रहने वाली और फारस की खाड़ी में पली-बढ़ी प्रवास नीति शोधकर्ता नम्रता राजू के हवाले से कहा-होर्मुज का यह गलियारा सभी देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और फारस की खाड़ी के देश व्यापार संतुलन से लेकर बोलचाल की भाषा तक, हर चीज में एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। दुबई में भारतीय स्वास्थ्य सेवा अधिकारी रेहान खान ने कहा-मैं यहां लगभग सभी से हिंदी में बात करता हूं। कई अरब लोग भी इसे बोलते हैं। रेहान खान अपनी कामकाजी लाइफ के लिए दुबई और मुंबई के बीच सफर करते रहते हैं।

हिंदी बॉलीवुड की लोकप्रिय भाषा है, उन दक्षिण एशियाई लोगों के लिए एक सेतु भाषा का काम करती है जो पश्तून, मलयालम या बंगाली बोलते हुए बड़े हुए हैं।

वित्तीय वर्ष 26 के लिए लोकसभा से 2.81 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च की मांगी मंजूरी

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय प्रबंधन और योजनाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को लोकसभा से 2.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए मंजूरी मांगी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सरकार को विभिन्न मंत्रालयों के तहत तय बजट के अलावे धन की आवश्यकता है।

अनुपूरक अनुदान मांगों की दूसरी खेप

संसद में यह प्रस्ताव वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुपूरक अनुदान मांगों के दूसरे बैच के रूप में पेश किया गया। जब बजट में आवंटित राशि कम पड़ जाती है या किसी नए खर्च की जरूरत होती है, तब सरकार संसद से अतिरिक्त खर्च की अनुमति मांगती है। इस प्रस्ताव के तहत सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस भारी-भरकम राशि का प्रबंधन किस प्रकार किया जाएगा।

खर्च और फंड का पूरा गणित

सरकार द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़ों के अनुसार, संसद से कुल 2,81,289.26 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय को अधिकृत करने की मांग की गई है। इस विशाल राशि को दो मुख्य हिस्सों में बांटा गया हैः शुद्ध नकद व्ययः इस कुल अतिरिक्त खर्च में से वास्तविक नकद निकासी या 'नेट कैश आउटगो' 2,01,142.96 करोड़ रुपये का होगा। आसान भाषा में, यह वह राशि है जो सीधे सरकारी खजाने से निकाली जाएगी। बचत और प्राप्तियों से भरपाईः खर्च का बाकी हिस्सा, जो कि 80,145.71 करोड़ रुपये है, उसके लिए नए फंड की जरूरत नहीं होगी। इसकी व्यवस्था विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की मौजूदा बचत, या फिर बढ़ी हुई प्राप्तियों और रिकवरी के जरिए की जाएगी।

वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव पर अब संसद में चर्चा होगी। 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रबंधन विभागों की बचत से करना सरकार के संतुलित वित्तीय ढांचे को दर्शाता है। लोकसभा से इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद, चालू वित्त वर्ष के लिए मंत्रालयों को यह अतिरिक्त फंड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

ट्रंप के बयान से पलटा खेल, एक झटके में सस्ता हुआ कच्चा तेल

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के साथ युद्ध खत्म होने को लेकर दिए गए बयान से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। मंगलवार को कच्चे तेल के दाम एक दिन में रिकॉर्ड हाई से गिरकर करीब 20 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गए। फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा कि वे तेल से जुड़े कुछ प्रतिबंधों में ढील देने और अमेरिकी नौसेना के जरिए तेल टैंकरों को स्ट्रेट ऑफर होर्मुज से सुरक्षित गुजरने की व्यवस्था करने पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा, हम तेल की कीमतें कम रखना चाहते हैं। यह कीमतें इस संघर्ष के कारण बढ़ गई थीं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सामान्य रूप से गुजर रहे हैं या नहीं। दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों, जैसे सऊदी अरब को भंडारण की कमी के चलते उत्पादन कम करना पड़ा है।

कितना गिरा कच्चा तेल

मंगलवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत दिन के सबसे ऊंचे स्तर से 20 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा गिरकर करीब 88.5 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई। सोमवार को ब्रेंट क्रूड दिन में 119.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई अमेरिकी कच्चे तेल के फ्यूचर्स भी करीब 10% गिरकर 85.02 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए। सोमवार को यह 115 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया था।

रिकॉर्ड गिरावट

कच्चे तेल की कीमतों में यह किसी भी दिन के उच्च स्तर से बंद कीमत तक की अब तक की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। मंगलवार सुबह कीमतों में लगभग 10% की और गिरावट आई और यह 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। इस तरह कीमतों में करीब 38 डॉलर का उतार-चढ़ाव देखा गया, जो 2020 की कोरोना महामारी के बाद सबसे ज्यादा है। उस समय तेल की कीमतें कुछ समय के लिए नकारात्मक भी हो गई थीं।

केंद्र ने प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की

नई दिल्ली,10 मार्च(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को घरेलू ऊर्जा बाजार को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी अधिनियम) लागू करते हुए रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि देश में रसोई गैस की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे।

प्राकृति गैस के वितरण को लेकर क्या है नई व्यवस्था?

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, जारी नियंत्रण आदेश के तहत प्रमुख हाइड्रोकार्बन संसाधनों को एलपीजी पूल में डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की गई है, ताकि मौजूदा आपूर्ति बाधाओं को प्रभावी तरीके से संभाला जा सके।

भारत 30% प्राकृतिक गैस के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर

सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत अपनी लगभग 30% प्राकृतिक गैस आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए प्राप्त करता है और क्षेत्रीय तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। कमी की भरपाई के लिए भारत वैकल्पिक व्यापार मार्गों से प्राकृतिक गैस की खरीद भी कर रहा है। इसके अलावा, रेस्तरां, ऑटोमोबाइल और अन्य क्षेत्रों में एलपीजी की जरूरतों की समीक्षा के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक समिति भी गठित की है। मंत्रालय ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। ब्लैक मार्केटिंग और जमाखोरी रोकने के लिए सरकार ने एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन का इंटर-बुकिंग पीरियड भी लागू किया है, ताकि मौजूदा आपूर्ति परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

इस बीच इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उपभोक्ताओं और आवश्यक गैर-घरेलू क्षेत्रों जैसे अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, अन्य गैर-घरेलू क्षेत्रों से आने वाले अनुरोधों की समीक्षा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स की एक समिति द्वारा की जाएगी। यह समिति जरूरत, प्राथमिकता और उपलब्धता के आधार पर एलपीजी आवंटन पर निर्णय लेगी।

ईरान युद्ध की भेंट चढ़ गया 18 करोड़ बैरल तेल

आगे आने वाली है तबाही! आरामको के सीईओ ने कहा

नई दिल्ली,10 मार्च(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई टाइट हो गई है। ईरान का कहना है कि वह होर्मुज की खाड़ी से एक लीटर तेल भी नहीं निकलने देगा। इस रूट से दुनिया के 17 फीसदी कच्चे तेल की सप्लाई होती है।

इसमें से ज्यादातर तेल एशियाई देशों को जाता है। इस बीच दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको के चीफ एग्जीक्यूटिव अमीन एच नासिर ने कहा कि अगर इजरायल/अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाई जारी रहती है तो इसका दुनिया के तेल बाजारों पर भयावह असर हो सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक नासिर ने कहा कि इस लड़ाई के कारण अब तक 180 मिलियन बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इससे ग्लोबल इकॉनमी पर काफी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। पिछले सत्र में यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया था जो इसका तीन साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि आज इसमें 10 फीसदी तक गिरावट आई है।

पाइपलाइन का विकल्प

नासिर ने कहा कि होर्मुज की खाड़ी को बाइपास करने के लिए कंपनी के पास के केवल एक ही विकल्प ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन है। इससे रोजाना 7 मिलियन बैरल तेल भेजा जा सकता है। उनका कहना है कि अगले कुछ दिनों में इस पाइपलाइन से ज्यादा से ज्यादा तेल भेजा जाएगा क्योंकि लोडिंग टर्मिनल्स पर ज्यादा कस्टमर आ रहे हैं। यह पाइपलाइन देश के पूर्व में स्थित ऑयल फील्ड से लाल सागर के तट तक जा सकती है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान युद्ध जल्दी खत्म हो सकता है। इस कारण आज कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। अभी ब्रेंट क्रूड 7.23 डॉलर यानी 7.31 फीसदी तेजी के साथ 91.73 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही डब्ल्यूटीआई क्रूड 7.12 डॉलर यानी 7.51 डॉलर की गिरावट के साथ 87.65 डॉलर प्रति बैरल पर है।

चांदी आज 13 हजार बढ़कर 2.73 लाख पर पहुंची

सोना 1700 बढ़कर 1.60 लाख का हुआ

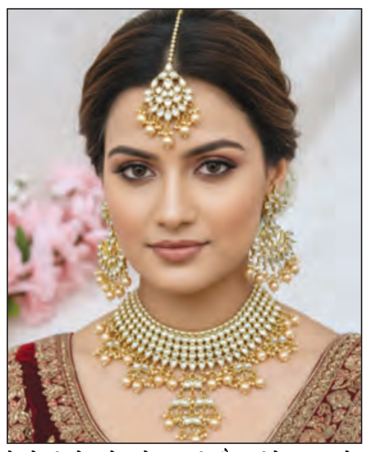

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दामों में आज यानी 10 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,700 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। एक किलो चांदी 13 हजार रुपए बढ़कर 2.73 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए प्रति किलो थी।

एक्सपर्ट्स के अनुसार 29 जनवरी को सोने की कीमत 1.76 लाख रुपए और चांदी के दाम 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए थे। इसके बाद से इनकी कीमत में काफी गिरावट आ चुकी है। इसलिए इनकी खरीदारी देखने को मिल रही है।

सोना इस साल 27 हजार और चांदी 42 हजार महंगी इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.60 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 27 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 24 हजार रुपए महंगी हुई है।

युद्ध के बीच दुबई में फंसे भारतीयों के लिए 'मसीहा' बन कर उभरे नागौर के धीरज जैन, आनंद महिंद्रा ने की तारीफ

नई दिल्ली,10 मार्च(एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमिरात के रियल एस्टेट सेक्टर में काम करने वाले भारतीय कारोबारी संकट के समय अपने हमवतनों की खूब सेवा कर रहे हैं। तभी तो मशहूर उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी उनकी तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय मूल के कारोबारी धीरज जैन की तरीफ करते हुए लिखा है कि उन्होंने 'अतिथि देवो भव' भारतीय दर्शन को साकार कर दिखाया। क्या लिखा है महिंद्रा ने उन्होंने एक्स पर लिखा है जब हाल ही में खाड़ी देशों की फ्लाइट्स थम गई और कई भारतीय परिवार दुबई में फंसे हुए रह गए, धीरज जैन ने अपने फार्महाउस के दरवाजे खोल दिए और उनका स्वागत किया। यह एक अद्भुत याद दिलाने वाला है कि भारतीय दर्शन का 'अतिथि देवो भव' हमें जहां भी जाएं, अपने साथ रखना चाहिए। कभी-कभी बस एक व्यक्ति का दरवाजा खोलना ही पर्याप्त होता है... लोगों का एक-दूसरे में विश्वास बहाल करने के लिए। आपको सलाम, धीरज। सोशल मीडिया पर शेयर की गई जानकारी के अनुसार धीरज जैन मूल रूप से राजस्थान के नागौर जिले में मेड़ता सिटी के रहने वाले हैं। वह पिछले 11 वर्षों से यूएई में एक सफल रियल एस्टेट डेवलपर के रूप में स्थापित हैं। महिंद्रा के पोस्ट के मुताबिक उन्होंने संकट में फंसे भारतीयों के लिए अपने फार्म हाउस के दरवाजे खोल दिए हैं। वीडियो में धीरज बता रहे हैं कि युद्ध की स्थिति के कारण अचानक फ्लाइट्स और होटल बुकिंग्स कैंसल होने लगीं। कई भारतीय पर्यटक वहां सीमित बजट के साथ वहां गए थे। अचानक आए इस संकट ने उनके सामने रहने और खाने-पीने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई थी। तब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना नंबर जारी कर कहा- 'घबराएं नहीं, मैं हूं ना' उन्होंने मैसेज दिया कि जिस भी भारतीय के पास रुकने का ठिकाना नहीं है, वे बेझिझक उनके अजमान स्थित फार्महाउस पर ठहर सकते हैं।बताया जाता है कि धीरज जैन सिर्फ ठहरने की जगह देकर ही नहीं रुके, बल्कि उन्होंने देखा कि कई लोगों के पास उनके फार्म हाउस तक पहुंचने के लिए साधन भी नहीं हैं। उन्होंने तुरंत अपनी 11 गाड़ियां दुबई और आसपास के शहरों में भेजीं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित अपने फार्म हाउस पर पहुंचाया। वीडियों में वह कहते दिखते हैं कि फिलहाल उनके फार्महाउस पर करीब 75 लोग हैं। एक समय तो वहां करीब पौने तीन सौ भारतीय भारतीय ठहरे हुए थे। उनके खाने-पीने और रहने का पूरा खर्च उन्होंने उठाया। जैसे-जैसे फ्लाइट खुल रही है, अब लोट वापस लौट रहे हैं। यूएई में अल मिजान ग्रुप के चेयरमैन हैं योगेश दोषी। उन्होंने भी अपने 64 अपार्टमेंट की पूरी बिल्डिंग ही भारतीयों के लिए खोल दी।

देश में बढ़ी बिजली की खपत, फरवरी में 2% बढ़कर 133 अरब यूनिट

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश में बिजली की मांग फरवरी में लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर 133 अरब यूनिट पर पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने के 131 अरब यूनिट की तुलना में अधिक है। यह फरवरी महीने के लिए कम से कम 2010 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, कई हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम और अधिकतम तापमान दर्ज होने के कारण कूलिंग की जरूरत बढ़ी, जिससे बिजली की खपत में इजाफा हुआ। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में देश की बिजली मांग सालाना आधार पर 1 से 1.5 प्रतिशत बढ़कर 1,705 से 1,715 अरब यूनिट के बीच रह सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, कड़ी सर्दी, वित्त वर्ष के अंत में सामान्य से अधिक तापमान की शुरुआत और स्थिर आर्थिक वृद्धि बिजली मांग को बढ़ावा दे सकती है, हालांकि लंबे मॉनसून के कारण इस वृद्धि पर कुछ असर पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। एमके वेल्थ मैनेजमेंट की एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि क्षेत्र में जारी तनाव भारत के लिए ऊर्जा लागत और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह संघर्ष कई देशों से जुड़ा हुआ है और इसका आर्थिक प्रभाव उम्मीद से अधिक गंभीर हो सकता है। सबसे बड़ी चिंता कच्चे तेल और ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी को लेकर जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 65-70 डॉलर प्रति बैरल के दायरे से बढ़कर करीब 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इसका कारण क्षेत्र में ऊर्जा ढांचे को हुआ नुकसान बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के तेल बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, जबकि होरमुज जलडमरूमध्य बंद होने और कतर से एलएनजी आपूर्ति रुकने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ गया है।

इसके चलते प्राकृतिक गैस की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यदि संघर्ष जारी रहता है तो 2026 में एलएनजी उत्पादन में भी बड़ा नुकसान हो सकता है। अनुमान है कि दो सप्ताह में करीब 3.30 मिलियन टन और यदि युद्ध एक महीने या उससे अधिक चला तो करीब 11.20 मिलियन टन तक एलएनजी उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 640 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार

मुंबई,10 मार्च(एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और पश्चिम एशिया में संघर्ष के जल्द समाप्त होने की उम्मीदों के बीच घरेल बाजार में बढ़त देखने को मिली। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर से मजबूती से उबरते हुए 36 पैसे बढ़कर 91.85 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक या 0.82 प्रतिशत बढ़कर 78,205.98 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान इसमें 960.09 अंक या 1.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 78,526.25 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 233.55 अंक या 0.97 प्रतिशत चढ़कर 24,261.60 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। पिछड़ने वाली कंपनियों में इटरनल, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल शामिल थीं।

यूरोपीय बजारों में दिखी तेजी

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 5.35 प्रतिशत की तीव्र उछाल के साथ बढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक 2.88 प्रतिशत की तेजी से ऊपर चढ़ा। शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी सकारात्मक स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में भारी तेजी देखी गई। सोमवार को अमेरिकी बाजार में तेजी के साथ कारोबार समाप्त हुआ।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष में संभावित तनाव कम होने के संकेतों के बाद बाजार में उछाल आया, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध के जल्द समाप्त होने का संकेत दिया था।

इस घटनाक्रम ने भू-राजनीतिक चिंताओं को कम किया और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई, जिससे जोखिम की भावना स्थिर हुई। अनुसंधान विश्लेषक और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में आए तीव्र उलटफेर के कारण हाल की अस्थिरता के बाद निवेशकों का विश्वास बहाल होने से भारतीय शेयर बाजारों में आज जोरदार उछाल देखने को मिला। उन्होंने कहा कि निफ्टी-50 में 200 से अधिक अंकों की बढ़त दर्ज की गई, जिसे वैश्विक भावना में सुधार का समर्थन मिला क्योंकि बाजारों ने इस संकेत पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के आसपास तनाव कम होना शुरू हो सकता है।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 90.26 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत में 9.03 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 90.26 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 6,345.57 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 9,013.80 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 1,352.74 अंक या 1.71 प्रतिशत गिरकर 77,566.16 पर बंद हुआ, लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। इसी क्रम में निफ्टी भी 422.40 अंक या 1.73 प्रतिशत गिरकर 24,028.05 पर समाप्त हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कुंभ	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
कुंभ....	05-00 बजे
मीन....	06-39 बजे
मेष.....	08-15 बजे
वृष....	09-59 बजे
मिथुन..	12-01 बजे
कर्क...	14-12 बजे
सिंह---	16-24 बजे
कन्या--	18-31 बजे
तुला----	20-36 बजे
वृश्चिक..	22-47 बजे
धनु.....	01-00 बजे
मकर...	03-06 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
सूर्योदय 06-38
सूर्यास्त. 18 -19
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष बुधवार 11 March 2026
तिथि - नवमी 04-19 रात्रि तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - ज्येष्ठा 22-00 रात तक उप मूल
योग - वज्र 09-12 तक उप सिद्धी
करण - बालव 15-08 तक उप कौलव

शीतलाष्टमी बासोडा
गुरु मार्गी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-26 से 13-56 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-31 - 07-58	शुभ	उत्पात	18-21 - 19-54	अशुभ
अमृत	07-58 - 09-27	शुभ	शुभ	19-54 - 21-25	शुभ
काल	09-27 - 10-57	अशुभ	अमृत	21-25 - 22-55	शुभ
शुभ	10-57 - 12-26	शुभ	चंचल	22-55 - 00-26	शुभ
रोग	12-26 - 13-56	अशुभ	रोग	00-26 - 01-56	अशुभ
उत्पात	13-56 - 15-25	अशुभ	काल	01-56 - 03-27	अशुभ
चंचल	15-25 - 16-55	शुभ	लाभ	03-27 - 04-57	शुभ
लाभ	16-55 - 18-21	शुभ	उत्पात	04-57 - 06-31	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है । खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है । आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें । सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भ्रष्टाचार पर सबसे बड़ा एक्शन

एसडीएम से लेकर आईपीएस तक - 50 अफसरों पर एक साथ गिरी गाज, किसी पर केस, तो कोई बर्खास्त

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ राजस्थान की भजनलाल सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा और कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को धरातल पर उतारते हुए भ्रष्ट लोक सेवकों के खिलाफ 'हंटर' चला दिया है। राजस्थान में सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक ऐतिहासिक और बेहद सख्त कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने सरकारी तंत्र में बैठे 'सफेदपोश' अपराधियों और लापरवाह अधिकारियों की लंबी कुंडली खंगालते हुए अभियोजन स्वीकृति और विभागीय जांच के 50 से अधिक प्रकरणों का एक साथ निस्तारण कर दिया।

इस कार्रवाई की जद में भारतीय पुलिस सेवा के एक बड़े अधिकारी से लेकर उपखंड अधिकारी, विकास अधिकारी और सचिव स्तर के कार्मिक आए हैं। सरकार के इस 'क्लीनअप ऑपरेशन' से प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है।

आईपीएस अधिकारी पर गाज, एसडीएम पर केस

मुख्यमंत्री ने सुशासन की मिसाल पेश करते हुए भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी के खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से दण्ड की मात्रा बढ़ाने का कड़ा निर्णय लिया है। इसके साथ ही, निजी व्यक्तियों को अवैध लाभ पहुँचाने के आरोप में तत्कालीन उपखंड अधिकारी सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति दे दी गई है। अब इन अधिकारियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। राजस्थान में सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक ऐतिहासिक और बेहद सख्त कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने सरकारी तंत्र में बैठे 'सफेदपोश'

अपराधियों और लापरवाह अधिकारियों की लंबी कुंडली खंगालते हुए अभियोजन स्वीकृति और विभागीय जांच के 50 से अधिक प्रकरणों का एक साथ निस्तारण कर दिया। इस कार्रवाई की जद में भारतीय पुलिस सेवा के एक बड़े अधिकारी से लेकर उपखंड अधिकारी , विकास अधिकारी और सचिव स्तर के कार्मिक आए हैं। सरकार के इस 'क्लीनअप ऑपरेशन' से प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है।

आईपीएस अधिकारी पर गाज, एसडीएम पर केस

मुख्यमंत्री ने सुशासन की मिसाल पेश करते हुए भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी के खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से दण्ड की मात्रा बढ़ाने का कड़ा निर्णय लिया है। इसके साथ ही, निजी व्यक्तियों को अवैध लाभ पहुँचाने के आरोप में तत्कालीन उपखंड अधिकारी सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति दे दी गई है। अब इन अधिकारियों के खिलाफ न्यायालय में कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

कृषि उपज मण्डी सचिव बर्खास्त, कई अधिकारी सेवा से बेदखल

भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में मुख्यमंत्री ने 'अंतिम प्रहार' करते हुए कई अधिकारियों का करियर खत्म कर दिया है।

कृषि उपज मण्डी समिति के तत्कालीन सचिवः अदालत से दोषसिद्ध होने के तुरंत बाद उन्हें राज्य सेवा से पदच्युत कर दिया गया। लंबी अनुपस्थितिः ड्यूटी से लगातार गायब रहने वाले एक अन्य अधिकारी को भी नौकरी से हटा दिया गया है।

विकास अधिकारी पर 17-एः पद के दुरुपयोग और राजकोष को हानि पहुँचाने के आरोप में तत्कालीन विकास अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं।

वेतन वृद्धि रोकी, पेंशन पर भी चला 'चाबुक'

राज्य सेवा के अधिकारियों में अनुशासन का पाठ पढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम-16 के तहत कड़ी शास्ति लगाई है। वेतन वृद्धि पर रोकः गंभीर आरोपों में घिरे 23 प्रकरणों के 27 अधिकारियों की 2 से 4 वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोक दी गई हैं। इसका सीधा असर उनके पूरे करियर और रिटायरमेंट के बाद मिलने वाले लाभों पर पड़ेगा।

रिटायर्ड अधिकारियों पर गाजः मुख्यमंत्री ने 5 सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन रोकने का अनुमोदन किया है। इसके अलावा 9 अन्य मामलों में जांच निष्कर्षों के आधार पर राज्यपाल को कार्रवाई के लिए फाइल अग्रेषित की गई है।

अपीलों को किया खारिज

मुख्यमंत्री कार्यालय में जब सजा के खिलाफ अधिकारियों ने अपील पेश की, तो मुख्यमंत्री ने उनमें से 4 अपीलों को सिरे से खारिज कर दिया। केवल एक मामले में परिस्थितियों को देखते हुए दण्ड की मात्रा कम की गई।

सुखदेव गोगामेड़ी हत्याकांड: करणी सेना का सरकार के खिलाफ आंदोलन का एलान

29 मार्च को सीएम आवास घेरने की चेतावनी

उदयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में हुए सुखदेव गोगामेड़ी हत्याकांड में न्याय नहीं मिलने के आरोप को लेकर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का एलान किया है। संगठन ने 29 मार्च को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करते हुए महापड़ाव करने की घोषणा की है। इस निर्णय के साथ करणी सेना ने सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति भी स्पष्ट कर दी है। इस पूरे मामले को लेकर संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि हत्याकांड के बाद सरकार ने जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ पूरी तरह से कार्रवाई नहीं हो पाई है।

उदयपुर में प्रेस वार्ता में रखी आंदोलन की रूपरेखा

उदयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान करणी सेना की कार्यकारी अध्यक्ष शिला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने कहा कि राजस्थान सरकार ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में शीघ्र न्याय दिलाने का वादा किया था। उनके अनुसार अभी तक आरोपियों को पूरी तरह कानून के शिकंजे में नहीं लाया जा सका है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में ढुलमुल रवैया अपनाए जाने के कारण बदमाश अब भी खुले घूम रहे हैं और लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। उनके अनुसार इस स्थिति से करणी सेना और राजपूत समाज में भारी आक्रोश है।

जयपुर में महापड़ाव की घोषणा

शिला गोगामेड़ी ने बताया कि 29 मार्च को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास के बाहर महापड़ाव किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजस्थान सहित कई अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन न्याय की मांग को लेकर इस आंदोलन को आगे बढ़ाएगा और सरकार से ठोस कार्रवाई की अपेक्षा कर रहा है।

मांगें नहीं मानी गई तो इच्छा मृत्यु की चेतावनी

प्रेस वार्ता के दौरान शिला गोगामेड़ी ने यह भी कहा कि यदि जयपुर में प्रस्तावित महापड़ाव के बाद भी सरकार उनकी मांगों को नहीं मानती है, तो वे सरकार से इच्छा मृत्यु की मांग करेंगी। उनके इस बयान को संगठन के आंदोलन के अगले चरण की चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

पंचायत चुनाव को लेकर भी दी चेतावनी

करणी सेना के राष्ट्रीय महामंत्री योगेंद्र सिंह कटार ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द न्याय सुनिश्चित नहीं किया, तो आने वाले राजस्थान पंचायत चुनाव में इसका राजनीतिक असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच केंद्र सरकार की एजेंसी से कराने के बजाय राजस्थान सरकार के पुलिस मुखिया दिनेश एम एन से कराने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि संगठन चाहता है कि जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

उल्लेखनीय है कि 5 दिसंबर 2023 को जयपुर में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद जयपुर सहित प्रदेश के कई स्थानों पर शहर बंद कर विरोध प्रदर्शन किए गए थे। अब इसी मामले में न्याय की मांग को लेकर श्री राजपूत करणी सेना ने सरकार के खिलाफ आंदोलन का एलान करते हुए 29 मार्च को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर महापड़ाव करने की घोषणा की है।

10 से ज्यादा शहरों में पासपोर्ट-पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप; खाली कराए परिसर

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के 10 से ज्यादा शहरों में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कहीं पासपोर्ट ऑफिस तो कहीं पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली। प्रदेश में एक साथ 10 से ज्यादा जगह सरकारी दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी से पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सभी जगह पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मोर्चा संभाला और परिसरों को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। बांसवाड़ा, सीकर, जोधपुर और जैसलमेर जिले के पासपोर्ट ऑफिस को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। वहीं, अजमेर व बीकानेर के हेड पोस्ट ऑफिस और दौसा के पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है सभी जगह ईमेल के जरिए धमकी भरा संदेश आया। इसके अलावा राजधानी जयपुर सहित अलवर, सवाई माधोपुर और हनुमानगढ़ में भी सरकारी दफ्तरों को भी धमकी भरा ईमेल मिला है।

धमकी भरे ईमेल की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। इसके बाद तुरंत स्थानीय थाना पुलिस को अलर्ट किया गया। सूचना मिलते ही सभी जगह

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंची। एहतियात के तौर पर परिसरों को भी खाली करवाया गया। इसके बाद सघन तलाशी ली गई। हालांकि, अभी तक किसी भी जगह कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

जैसलमेर शहर के डाकघर परिसर में स्थित पासपोर्ट कार्यालय में मंगलवार को ई-मेल के माध्यम से पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने डाकघर परिसर खाली कराया और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा। स्थानीय पुलिस ने कार्यालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मिलकर सर्च ऑपरेशन जारी रखी हैं। धमकी की गंभीरता को देखते हुए परिसर का संपूर्ण कामकाज फिलहाल बंद कर दिया गया है। परिसर को अस्थायी रूप से सील किया गया है।

बीकानेर के पासपोर्ट कार्यालय में मंगलवार को संदिग्ध ई-मेल आने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। ई-मेल में दावा किया गया है कि कुछ संदिग्ध तत्व पासपोर्ट कार्यालय से जुड़े वीवीआईपी दस्तावेजों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि पहले यह मेल एजेंसियों की प्रतिक्रिया और सुरक्षा प्रोटोकॉल को परखने के लिए भेजा गया था। साथ ही कथित तौर पर आईईडी ब्लास्ट जैसी घटनाओं की आशंका जताते हुए पासपोर्ट और पोस्ट ऑफिस के आसपास से स्टाफ और लोगों को हटाने की बात कही गई है। बांसवाड़ा के नया बस स्टैंड पर स्थित पासपोर्ट कार्यालय को मंगलवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी भरा मैसेज मेल के जरिए आया है। एहतियात के तौर पर डाकघर बिल्डिंग को भी खाली करवा लिया गया। इस धमकी के बाद कर्मचारियों और काम के सिलसिले में आए आम नागरिकों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मिट्टी ढहने से 7 श्रमिकों की मौत

भिवाड़ी में कापड़ीवास मोड़ के पास हुआ हादसा

अलवर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के भिवाड़ी के सीमावर्ती हरियाणा क्षेत्र में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बड़ा हादसा हो गया। कापड़ियावास गांव के पास निर्माणाधीन आवासीय परियोजना में मिट्टी की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी ढह गई, जिससे कई श्रमिक उसके नीचे दब गए। हादसे में अब तक सात मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कुछ अन्य को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

हाईवे पर होटल राव के सामने स्थित निर्माणाधीन सोसाइटी में बेसमेंट के लिए गहरी खुदाई का काम चल रहा था। यह परियोजना रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल की बताई जा रही है। इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाकर मजदूरों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार मलबे से अब तक सात मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं। कुछ अन्य श्रमिकों को घायल अवस्था में बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आशंका जताई जा रही है कि हादसे के समय वहां कई मजदूर काम कर रहे थे, इसलिए राहत कार्य देर रात तक जारी रहा।

डॉक्टरों ने सतीश, भागीरथ, मिलन, मंगोल, शिव शंकर, परमेश्वर समेत सात मजदूरों को मृत घोषित कर दिया, जबकि चार मजदूर छोटेलाल, शिवकांत, दीन दयाल, इंद्रजीत की हालत गंभीर है। इनका अस्पताल में ही इलाज चल रहा है। जानकारी मिलते ही भिवाड़ी पुलिस भी सक्रिय हो गई है और पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। प्रशासन द्वारा हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

हादसे को लेकर एक और गंभीर बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन को करीब दो घंटे तक नहीं लग सकी। इस दौरान साइट का मुख्य गेट बंद रखा गया और मीडिया को अंदर जाने नहीं दिया गया। देर रात तक मशीनों की मदद से मिट्टी हटाने का काम जारी रहा।

हादसे की सूचना मिलने पर कई घायल और मृतकों के परिजन निर्माण स्थल पर पहुंचे लेकिन बिल्डर की ओर से साइट का गेट बंद कर दिया गया। परिजनों को अंदर जाने से रोका गया और धक्का-मुक्की की भी सूचना है। मौके पर बाउंसर तैनात कर दिए गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण बना रहा। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

हंगामे और तीखी तकरार के बीच विधानसभा के बजट सत्र का अंतिम दिन, कई अहम बिल पास

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र का आज अंतिम दिन है। करीब डेढ़ महीने तक चले इस सत्र में बजट पेश होने से लेकर कई विधेयकों के पारित होने तक सदन का माहौल कई बार गरमाया रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखे आरोप-प्रत्यारोप, तंज और हंगामे भी देखने को मिले। कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और महंगाई जैसे मुद्दों पर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि सरकार ने बजट और नीतियों को विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया।

इस बार का बजट वित्त मंत्री दीया कुमारी ने करीब 6.10 लाख करोड़ रुपये का पेश किया। सरकार ने बजट में आधारभूत ढांचे के विकास, निवेश बढ़ाने, पर्यटन, कृषि और रोजगार के अवसरों पर जोर दिया। सड़कों, शहरी विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रावधानों की घोषणा की गई। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं से राज्य में निवेश बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे।

हालांकि बजट पर चर्चा के दौरान सरकार कई मुद्दों पर विपक्ष के निशाने पर आई। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि बजट में बड़े-बड़े ऐलान तो किए गए हैं, लेकिन आम जनता को तुरंत राहत देने वाले ठोस प्रावधान कम हैं। बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में देरी, महंगाई और कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए गए। कई बार विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए सदन में विरोध जताया, जिससे माहौल काफी गरम हो गया।

सदन में कई मौकों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी तकरार भी देखने को मिली। विपक्ष ने सरकार पर घोषणाओं की राजनीति करने का आरोप लगाया, तो सत्ता पक्ष ने पलटवार करते हुए पिछली सरकार के कार्यकाल पर सवाल खड़े किए। इसी दौरान कई बार तंज और राजनीतिक कटाक्ष भी सुनने को मिले, जिससे सदन का माहौल काफी चटपटा और गरमागरम बना रहा।

बजट सत्र के दौरान कई अहम विधेयक भी पारित किए गए। इनमें राजस्थान जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) विधेयक और डिस्टर्ब्ड एरिया प्रॉपर्टी से जुड़ा विधेयक प्रमुख रहे। सरकार का कहना है कि इन कानूनों से प्रशासनिक प्रक्रियाएं आसान होंगी और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

हीराचौक पथराव मामले में नाबालिग बच्चे भी शामिल

तीन आरोपी हिरासत में, दिल्ली तक अलर्ट हुई एजेंसियां

टोंक, 10 मार्च (एजेंसियां)। जिले के हीराचौक में बीते दिनों हुई पत्थरबाजी की घटना को लेकर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक राजेश मीना के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है और पुलिस एक-एक कर पत्थरबाजी में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज रही है। इसी बीच पुलिस जांच के दौरान कुछ अहम जानकारियां भी सामने आई हैं, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सीओ सिटी मृत्युंजय मिश्रा ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि अब तक इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेजा गया है। इसके अलावा दर्जनभर नाबालिगों को भी पूछताछ के लिए डिटेन किया गया है। उन्होंने बताया कि पुरानी टोंक के हीराचौक में हुई पत्थरबाजी की घटना में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है और लगातार गिरफ्तारी की कार्रवाई जारी है।

सीओ सिटी ने बताया कि इस मामले की जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि पत्थरबाजी की घटना में कुछ नाबालिग भी शामिल थे। फिलहाल गिरफ्तार तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं एक नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा देश का सिर शर्म से झुक गया है

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। यूएस-ईरान युद्ध का असर अब आमजन पर सीधे-सीधे तौर पर पड़ना शुरू हो गया है। पिछले दिनों घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी के बाद अब सप्लाई को सुचारू रखने के लिए गैस कंपनियों ने व्यावसायिक गैस सिलेंडर की बुकिंग पर रोक लगाने निर्देश दिए है। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने अपनी नाराजगी जताते हुए डबल इंजन की भाजपा सरकार पर हमला किया। राजस्थान से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने पीएम नरेंद्र मोदी को हाथोंहाथ लिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इस देश का सिर शर्म से झुक गया है।

एलपीजी सिलेंडर की कमी पर कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, पहले ये सरकार एलपीजी-कमर्शियल घरेलू के दाम बढ़ाती है। और फिर ये युद्ध 9-10 दिन चला और गैस की कमी हो गई है। अब बुकिंग में नया बदलाव किया। 25 दिन से पहले घरेलू की बुकिंग नहीं होगी।

प्रमोद तिवारी ने कहा, जो ये कमी है इसके लिए भारत सरकार का पेट्रोलियम मंत्रालय जिम्मेदार है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी, इस देश का सिर शर्म से झुक गया है। जब ट्रंप कहते हैं कि 30 दिन और पेट्रोल खरीद लो...क्या भारत अब ट्रंप के दया पर निर्भर करेगा कि उसे कहां से क्या व्यापार करना है। गौरतलब है कि प्रदेश में करीब 13 हजार गैस एजेंसियों के माध्यम से 1.65 करोड़ उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की सप्लाई की जाती है। इसमें व्यावसायिक क्षेत्र में प्रतिदिन 19 किलो के करीब 35 हजार सिलेंडर की खपत होती है।

नर्सिंग कोर्स की मान्यता को लेकर मेवाड़ यूनिवर्सिटी में हंगामा, छात्र ने आत्मदाह की कोशिश की

चित्तौड़गढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। जिले के गंगरार उपखंड में स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी में बीएससी नर्सिंग कोर्स की मान्यता को लेकर चल रहा विवाद उग्र हो गया। डिग्री की मान्यता की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कश्मीरी छात्रों में से एक छात्र ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे रोक लिया। इसके बाद कार्रवाई करते हुए 17 छात्रों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। छात्र यूनिवर्सिटी कैंपस में नारेबाजी करते हुए डिग्री की मान्यता की मांग कर रहे थे। इसी दौरान माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया और एक छात्र ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए 17 छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शन के दौरान कई छात्र भावुक हो गए। कुछ छात्र रोते हुए पुलिस और प्रशासन से गुहार लगाते नजर आए।

भारतीय सेना का बड़ा कदम, एंटी-एयरक्राफ्ट गन से ड्रोन को किया राख

जैसलमेर, 10 मार्च (एजेंसियां)। जैसलमेरः पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच गहराते सैन्य तनाव और वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय सेना ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर कड़ा संदेश दिया है। राजस्थान के जैसलमेर स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना की दक्षिणी कमान की एयर डिफेंस ब्रिगेड ने एक 'हाई-इंटेंसिटी' सैन्य अभ्यास कर अपनी मारक क्षमता का लोहा मनवाया। इस युद्धाभ्यास का मुख्य उद्देश्य भविष्य के युद्धों में सबसे बड़े खतरे के रूप में उभर रहे ड्रोन और स्वार्म हमलों को नाकाम करना था। आज के दौर में युद्ध केवल टैंकों और पैदल सेना तक सीमित

नहीं रह गया है। यूक्रेन-रूस और मध्य-पूर्व के संघर्षों ने यह सिद्ध कर दिया है कि कम लागत वाले 'कामिकेज़' ड्रोन और छोटे मानवरहित विमान बड़े से बड़े सैन्य ठिकानों के लिए चुनौती बन सकते हैं। इसी खतरे को भांपते हुए भारतीय सेना ने पोकरण की तपती रेत में 'एंटी-ड्रोन' क्षमताओं का कड़ा परीक्षण किया। अभ्यास के दौरान एक काल्पनिक परिदृश्य रचा गया, जिसमें दुश्मन के कई ड्रोन ने एक साथ भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश की। भारतीय एयर डिफेंस यूनिट्स ने पलक झपकते ही सक्रियता दिखाई। सबसे पहले इन ड्रोन्स को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक जैमर्स के जरिए पंगु बनाया गया और फिर रडार-गाइडेड एंटी-एयरक्राफ्ट गनों से उन्हें हवा में ही मलबे में तब्दील कर दिया गया।

इस पूरे युद्धाभ्यास का मुख्य आकर्षण अपग्रेड की गई एल-70 विमानभेदी गन रही। मूल रूप से स्वीडन की बोफोर्स कंपनी द्वारा निर्मित और अब भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा आधुनिक सेंसरों से लैस यह गन भारतीय वायु सुरक्षा की रीढ़ है।

रामसिंहपुरा के खेतों में पहुंचा बाघ टी-2407

रेडियो कॉलर लगाकर जंगल में छोड़ा

सवाई माधोपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर टाइगर रिजर्व के जंगलों से निकलकर रामसिंहपुरा गांव के खेतों में पहुंचे बाघ टी-2407 को वन विभाग की टीम ने ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद बाघ को रेडियो कॉलर लगाकर स्वास्थ्य जांच की गई और आवश्यक परीक्षणों के बाद उसे दोबारा रणथंभौर के जंगलों में छोड़ दिया गया।

रणथंभौर के उपवन संरक्षक मानव सिंह ने बताया कि लगभग चार वर्ष आयु का नर बाघ टी-2407 रामसिंहपुरा गांव के एक खेत में पहुंच गया था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। जनसुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीम ने बाघ को सुरक्षित तरीके से ट्रेंकुलाइज कर पकड़ा।

ग्राम पंचायतों के लिए स्थायी भवन बनाए जाएं : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य की जिन ग्राम पंचायतों के पास अभी स्थायी भवन नहीं हैं, उन्हें अगले तीन वर्षों के भीतर स्थायी भवन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने पंचायत राज विभाग को इस संबंध में योजनाएं तैयार कर उनके क्रियान्वयन के लिए आगे बढ़ने का निर्देश दिया। मंगलवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर सचिवालय में आयोजित बजट पूर्व लेनदेन के तहत उपमुख्यमंत्री ने मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, सीतक्का, पोंगुलेती श्रीनिवास रेड्डी और गड्डाम विवेक के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि जहां भूमि उपलब्ध हो, वहां तहसीलदार कार्यालय और मंडल विकास अधिकारी कार्यालय का निर्माण एक साथ किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बच्चों के मस्तिष्क के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त शिक्षण पद्धतियां भी लागू की जानी चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कुछ लोग शिशुओं को लेकर सड़कों पर भीख मांगने की प्रवृत्ति जारी रखे हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे बच्चों को शिशु विहार केंद्रों में लाकर उनके कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क पर रहने वाले बच्चे दिन में तेज धूप और वर्षा ऋतु में बारिश के बीच रहते हैं, जिससे उनका अमूल्य बचपन नष्ट हो रहा है, और ऐसी स्थिति को जारी नहीं रहने दिया जाना चाहिए। उन्होंने शिशु विहार केंद्रों में आधुनिक रसोईघर बनाने का भी निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री ने आगे निर्देश दिया कि उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं। वैश्विक सम्मेलन के दौरान जिन कंपनियों ने समझौता किया था, उनसे संपर्क कर उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम इन केंद्रों में प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने कहा कि क्योर, प्योर और रेयर नीति के अंतर्गत आने वाले उद्योगों को ध्यान में रखते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में संबंधित पाठ्यक्रम तैयार किए जाएं और उन्हें कौशल विश्वविद्यालय से जोड़ा जाए। आदिवासी क्षेत्रों में खनन के विषय में उन्होंने कहा कि रेत खनन केवल आदिवासी संस्थाओं के माध्यम से ही किया जाना चाहिए और समेकित जनजातीय विकास एजेंसियों को उन्हें पूरा सहयोग देना चाहिए। आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमी बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य के पर्यटन क्षेत्र को उच्च स्तर तक विकसित करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कवाल और श्रीशैलम जैसे बाघ क्षेत्रों को विकसित करने तथा पर्यावरण पर्यटन और मंदिर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार करने का सुझाव दिया।

पत्थर तराशने वाले तुर्खा काशा समुदाय की हालत अब भी बदहाल

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद से करीब 112 किलोमीटर दूर सिद्दिपेट जिले के चेरियाल मंडल का अलियाबाद गांव पत्थर तराशने के काम के लिए जाना जाता है। यहां लगभग 100 मुस्लिम परिवार कई दशकों से इस काम में लगे हुए हैं, लेकिन आज भी इनमें से कई परिवार बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। सरकारी अभिलेखों में इन परिवारों को 'तुर्खा काशा' समुदाय के रूप में दर्ज किया गया है, जिसमें 'तुर्खा' का मतलब मुस्लिम समुदाय से है और 'काशा' पत्थर तराशने वाले कारीगरों को कहा जाता है। बताया जाता है कि गांव के लगभग 30 परिवार आज भी झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं और जमीन पर सोते हैं।

स्थानीय निवासी बीबी ने बताया कि सरकार ने उन्हें दो बेडरूम वाले घर का वादा किया था, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 2बीएचके फ्लैट दिलाने के नाम पर उन्होंने एक एजेंट को 25 हजार रुपये भी दिए थे, लेकिन कोई लाभ नहीं मिला। समुदाय की महिलाओं का कहना है कि उनकी आमदनी इतनी कम है कि वे एस्बेस्टस की छत वाला पक्का घर भी नहीं बना पा रहे हैं।

को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन की भूमिका से अवगत कराया गया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन के पदाधिकारियों वी नरसिम्हा रेड्डी-प्रेसिडेंट, जी मदन गोपाल स्वामी-वर्किंग प्रेसिडेंट, प्रमोद कुमार केडिया-वाइस प्रेसिडेंट, नवीन कुमार अग्रवाल, सीनियर वाइस चेयरमैन- अग्रसेन बैंक ने पी.एस. राहुल राज, आईएएस, स्पेशल कमिश्नर फॉर को-ऑपरेशन और रजिस्ट्रार ऑफ को-ऑपरेटिव सोसाइटीज और श्रीमती रमा देवी, डीसीओ, गृहकल्पा बिल्डिंग, नामपल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना सरकार से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने रजिस्ट्रार को तेलंगाना राज्य में को-ऑपरेटिव अर्बन बैंकों की स्थिति और आरबीआई और को-ऑपरेटिव डिपार्टमेंट द्वारा तय अलग-अलग गाइडलाइंस और नियमों का पालन करने में यूसीबीएस की मदद करने में फेडरेशन की भूमिका के बारे में बताया। वे संबंधित रेगुलेटर्स के साथ बातचीत करके यूसीबीएस को उनकी समस्याओं और सवालों को सुलझाने में भी मदद करते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक, राज्य में 48 यूसीबीएस का कुल बिजनेस साइज 19246 करोड है, जिसमें 11323 करोड का डिपॉजिट और 7923 करोड का एडवांस है। श्री कृष्ण मूर्ति, सीईओ तेलंगाना फेडरेशन, आनंद अग्रवाल-डीजीएम भी अग्रसेन बैंक मीटिंग के लिए पदाधिकारियों के साथ थे।

पुलिस स्टेशन में दो पक्षों में झड़प, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

मेदक, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तूप्रान पुलिस स्टेशन में मंगलवार को उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के परिजनों के बीच विवाद के दौरान झड़प हो गई। हालात काबू में लाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस के अनुसार तूप्रान मंडल के अल्लापुर गांव की रहने वाली ज्योति की शादी कुछ महीने पहले चेगुंटा मंडल के रामपुर निवासी उदयकिरण से हुई थी। बाद में ज्योति ने अपने पति के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए तूप्रान पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। मंगलवार को दोनों पक्षों के परिजन मामले पर बातचीत करने के लिए पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। पुलिस स्टेशन परिसर में करीब 100 लोग मौजूद होने के कारण स्थिति को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। अंत में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। झड़प में दूल्हा-दुल्हन समेत कई लोग घायल हो गए। पुलिस इस मामले में झगड़े में शामिल लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने की तैयारी कर रही है।

सैनिकों के आश्रितों और वीरनारियों के लिए जॉब मेला कल

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर 12 मार्च गुरुवार को सुबह 8:30 बजे से गोल्डन पाम सैनिक भवन, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास, तेलंगाना में जॉब मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए ए.डब्लू.पी.ओ., सिकंदराबाद के निदेशक, कर्नल बी.जी. भुधोरी ने बताया कि ईएमएस के सेवारत सैनिकों के आश्रितों (महिला और पुरुष) और वीरनारी के लिए के लिए जॉब मेला का आयोजन किया जा रहा है। दसवीं/इंटर/कोई भी डिग्री धारक मेले में भाग ले सकेंगे। इस मेले में आईटी, सिक्योरिटी, हेल्थ, एजूकेशन, बैंकिंग से जुड़ी कई कंपनी भाग ले रही है। कर्नल बी.जी. भुधोरी ने इस प्लेसमेंट ड्राइव में सेवारत सैनिकों के आश्रितों और वीरनारियों से भाग लेने का अनुरोध किया है।

प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण के सफल आयोजन का निर्देश

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के मुख्य सचिव के. रामाकृष्णा राव ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि 12 मार्च को होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए। यह प्रशिक्षण नए निर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के लिए सरकार की 'प्रजा पालना-प्रगति प्रणाली' 99-दिवसीय कार्ययोजना के तहत आयोजित किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने जिले के कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरकारी कल्याण और विकास योजनाओं तथा 99-दिवसीय कार्ययोजना के उद्देश्यों के बारे में व्यापक जागरूकता प्रदान की जानी चाहिए। यह योजना 12 जून तक चलने वाली है। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 15,000 निर्वाचित प्रतिनिधि राज्य के लगभग 12,700 ग्राम पंचायतों और 110 नगर निकायों से इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। राव ने जोर देते हुए कहा कि प्रभावी शासन केवल जनता के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय से ही संभव है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में प्रतिनिधियों की भूमिका को स्पष्ट रूप से समझाया जाना चाहिए, ताकि वे राज्य की प्रमुख योजनाओं और केन्द्र प्रायोजित कार्यक्रमों को लागू करने में सक्षम हो सकें। मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को यह भी निर्देश दिया कि उद्घाटन सत्र के लिए मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों को आमंत्रित किया जाए और उनके जिलों में किए गए विकास कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए फोटो प्रदर्शनी आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि नए निर्वाचित सरपंचों, पार्षदों, निगम सदस्यों, नगर पालिका अध्यक्षों और महापौरों को विशेष पहचान पत्र भी जारी किए जाएं।

आईडीएच कॉलोनी में बच्चों के पार्क विकसित किए जाएं : कर्णन

आयुक्त ने आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बच्चों के लिए सुखद और मनोरंजक वातावरण उपलब्ध कराने हेतु आईडीएच डबल बेडरूम आवास कॉलोनी में बच्चों के पार्क विकसित किए जाएं। उन्होंने कॉलोनी में स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। राज्य सरकार के 'प्रजा पालन-प्रगति प्रणालिका' कार्यक्रम के अंतर्गत आयुक्त ने मंगलवार को सनतनगर विधानसभा क्षेत्र के बंसीलालपेट प्रभाग में स्थित आईडीएच डबल बेडरूम कॉलोनी तथा अंबेडकर नगर कॉलोनी का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलेक्टर दासारी हरिचंदना साथ थे। दल ने पुरानी वाम्बे योजना के अंतर्गत निर्मित चार आवासीय भवनों का निरीक्षण किया। इसके बाद आयुक्त ने एक आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया और बच्चों को दिए जा रहे पौष्टिक भोजन के बारे में शिक्षिका से जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में बच्चों का नामांकन बढ़ाने का सुझाव दिया और परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों को अनुपयोगी सामग्री हटाकर स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। गांधी पट्टन शहरी स्वास्थ्य केंद्र के दौरे के दौरान आयुक्त ने चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले जैव-चिकित्सीय कचरे को अलग-अलग किया जाए। उन्होंने पुराने उपकरणों को तुरंत हटाने और अस्पताल परिसर तथा आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का भी निर्देश दिया। कॉलोनी में पैदल भ्रमण करते हुए निवासियों से बातचीत में कर्णन ने उनसे अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का आग्रह किया। उन्होंने सिकंदराबाद क्षेत्र के अधिकारियों को कॉलोनी में उपलब्ध दो खाली स्थानों पर बच्चों के पार्क विकसित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कलेक्टर हरिचंदना ने आवास विभाग के प्रबंध निदेशक के साथ मारेडपल्ली स्थित अंबेडकर कॉलोनी में गरीब परिवारों के घरों का भी निरीक्षण किया और निवासियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निवासियों को क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी और कहा कि सरकार पात्र गरीब परिवारों के लिए इंदिरम्मा आवास निर्माण की संभावना पर विचार कर रही है।

नानी बाई रो मायरो व प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 4 से

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालाजी मंदिर, सीताराम सेवा आश्रम मोहरा कला की पावन नगरी में संतों एवं महतं श्री सुरेन्द्रदासजी महाराज के पावन सानिध्य में 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक नानी बाई रो मायरो एवं शिव मंदिर का द्वादश पाटोत्सव एवं श्री इच्छाधारी बालाजी मंदिर का त्रयोदश पाटोत्सव महोत्सव, हवन-यज्ञ, जागरण कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में महंत श्री सुरेन्द्रदासजी महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव, भव्य जागरण एवं नानी बाई रो मायरो कार्यक्रम भक्तों के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। शनिवार 4 अप्रैल कलश-यात्रा, गणपति पूजन, हवन-यज्ञ, सुश्री अनन्या शर्मा इंदौर के मुखारबिंद से नानी बाई रो मायरो, प्रकाश माली द्वारा भव्य जागरण, रविवार 5 अप्रैल शिव मंदिर का द्वादश पाटोत्सव, श्री राघवदासजी महाराज चित्रकूट धाम के मुखारबिंद से भव्य अनुष्ठान, गीता बेन रबारी एवं अनिता जांगिड़ की मधुर आवाज में जागरण, सोमवार 6 अप्रैल श्री इच्छाधारी बालाजी मंदिर का त्रयोदश पाटोत्सव महोत्सव, हवन-यज्ञ, अभिषेक एवं पूर्णाहुति कार्यक्रम पंडित रोहित शर्मा, रामचन्द्र जोशी के मंत्रोच्चारण से किया जाएगा।

तीन दिवसीय भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। स्वागत कार्यक्रम में सत्यनारायण शर्मा, महेन्द्र कुमावत, श्यामलाल बर्फा, जगदीश सीरवी, हिमताराम हाम्बड़, प्रभुराम परिहारियां, प्रकाश बाकरेचा, भंवरलाल आलोदिया, पारसमल शर्मा, परबत सोलंकी, ललित, निखिल, कुन्दन व बहुत से भक्तगण उपस्थित रहे। महतं श्री सुरेन्द्रदासजी महाराज ने भव्य धार्मिक कार्यक्रम के लिए तेलंगाना में बसे प्रवासी बन्धुओं एवं भक्तों को निमंत्रण पत्रिका देकर सपरिवार पावन आयोजन में सहभागी बनने के लिए एवं कार्यक्रम के विशेष कवरेज के लिए परबत सोलंकी को निमंत्रण देकर आमंत्रित किया। कार्यक्रम के भव्य आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से हजारों की संख्या में भक्तगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे।

सुरक्षित ड्राइविंग के लिए 10 ट्रक चालकों को किया गया सम्मानित

विशिष्ट सारथी सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और जिम्मेदार ड्राइविंग करने वाले वाणिज्यिक वाहन चालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंगलवार को हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र मुतंगी ट्रक पार्किंग सुविधा में 'विशिष्ट सारथी' सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर 10 ट्रक चालकों को उनकी उत्कृष्ट और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा संचालित है। समारोह में एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, आईएचएमसीएल के प्रबंध निदेशक विशाल चौहान तथा आईएचएमसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुदित अग्रवाल ने नई दिल्ली से वर्चुअली भाग लिया। यह कार्यक्रम देश के पांच शहरों में एक साथ आयोजित किया गया। इस पहल के तहत सुरक्षित ड्राइविंग, ट्रैफिक नियमों का पालन और लेन अनुशासन बनाए रखने वाले 10 ट्रक चालकों को 'विशिष्ट सारथी' प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। 'विशिष्ट सारथी' एक ड्राइवर कल्याण और सम्मान कार्यक्रम है, जिसे केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में शुरू किया गया है।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30265337, दिनांक: 02.03.2026

कार्य का नाम : BOXNS वैगन के लिए 25T एक्सल लोड (LWLH 25) बोगी असेम्बली कम्प्लीट के LWLH बोगी। ड्राइंग नं. WD-15021-S-02, ALT-04, आइटम नं. 3 से 20। सामग्री एवं विनिर्देश : ड्राइंग एवं RDSO विनिर्देश सं. WD-40-LWLH 25 BOGIE (K-CLASS)-2015 (REV-1), फरवरी 2021 के संशोधन नं. 2 के अनुसार। RDSO आइटम ID : 3100036. मात्रा : 30 सेट। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने), TPI द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 30 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 01.04.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-1204/Q/25-26

आत्महत्या का किया प्रयास

मंचेरियल, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि विभाग के एक कर्मचारी ने जिला कृषि अधिकारी द्वारा कथित उत्पीड़न से परेशान होकर मंगलवार को कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कर्मचारी की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार कृषि विभाग में अटेंडर के रूप में कार्यरत श्रीनिवास ने सुबह करीब 11 बजे जिला कृषि अधिकारी ई. सुरेखा के कार्यालय परिसर में कीटनाशक पी लिया। इसके बाद उसे तुरंत सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/सी.79/कैटरिंग/ ई-टेन्डर्स/5/1-2/2025-2026 दि.26-02-2026

PUB/2083

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, गुन्टूर डिवीजन द्वारा 05 वर्षों की अवधि हेतु निम्न विवरित नुसार कैटरिंग युनिट्स के संचालनार्थ लाइसेन्स प्रदान करने के लिए इच्छुक पार्टियों से ई-बोलियां आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या	निविदा सूचना संख्या	नाम तथा स्टेशन की श्रेणी	युनिट का नाम	स्टाल आयडी	पीएफ नंबर	स्थान	निम्न हेतु आरक्षित	वार्षिक संकेतित लाइसेन्स शुल्क (रु.)	अग्र धन (इएमडी) (रु.)	निविदा प्रकार
1	सीएटीजी/1/2025-26	गुन्टूर-ए	टी स्टाल	जीएमयु	01	प्लेटफार्म के मध्य	सामान्य	19,85,500/-	5,16,300/-	दो पैकेट्स प्रणाली
2	सीएटीजी/2/2025-26	गुन्टूर-ए	टी स्टाल	जीएमयु	2&3	प्लेटफार्म के मध्य	सामान्य	5,79,700/-	1,50,800/-	दो पैकेट्स प्रणाली

निविदा दस्तावेज का http://www.ireps.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है तथा इसे वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास क्लास-॥। डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है एवं आईआरइपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना भी अनिवार्य है। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ही ई-टेंडरिंग में भाग ले सकते हैं। ई-टेंडरिंग में भाग लेने के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेजों को अनिवार्य रुप से अपलोड किया जाना चाहिए। मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। अग्रधन (इएमडी) को आनलाइन में नेट बैंकिंग या पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से जमा किया जाना चाहिए।

टिप्पणी: निविदाकार द्वारा यथावत रुप से निविदा प्रपत्र को भरकर, डिजीटल सर्टिफिकेट सहित उचित रुप से हस्ताक्षरित कर, अपलोड किया जाना चाहिए।

प्रकाशन तिथि	26.02.2026
बंद करने की तिथि व समय	25-03-2026 के 15.00 बजे (बुधवार)
निविदा आमंत्रण प्राधिकरण	वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, विभागीय रेल प्रबंधक का कार्यालय, गुन्टूर डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, गुन्टूर-6

अधिक जानकारी हेतु बोलीदातागण किसी भी कार्यालयीन दिनों में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

A2640 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुन्टूर

एससीआर ने रिकॉर्ड तोड़ा, स्क्रैप बिक्री से अर्जित किए 602.06 करोड़ रुपये

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्क्रैप बिक्री से 602.06 करोड़ रुपये कमाकर रेलवे बोर्ड के निर्धारित लक्ष्य 510 करोड़ रुपये को पार कर दिया। यह एससीआर के इतिहास में सबसे उच्च स्क्रैप बिक्री कमाई का रिकॉर्ड है। एससीआर ने 'मिशन जीरो स्क्रैप' की पहल को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिसके तहत किसी भी स्क्रैप को एक महीने से अधिक समय तक जमा नहीं होने दिया जाएगा। इस दिशा में एससीआर ने 1,32,583 मीट्रिक टन स्क्रैप एकत्रित कर ई-नीलामी के माध्यम से पूरे भारत के खरीदारों को बेचा, जिससे 100 प्रतिशत पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। इस प्रयास ने न केवल स्वच्छ भारत मिशन को समर्थन दिया बल्कि पूरे साउथ सेंट्रल रेलवे के परिसरों को स्वच्छ और हरित बनाने में भी योगदान दिया।

पिछले वर्ष एससीआर ने 501.72 करोड़ रुपये के स्क्रैप बिक्री रिकॉर्ड किए थे, और इस वर्ष 100 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ोतरी के साथ नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया। एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्टोर्स विभाग की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि 'मिशन जीरो स्क्रैप' को सफलतापूर्वक लागू करने और रेलवे बोर्ड के लक्ष्य को पार करने में विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण रही। ए. श्रीधर ने इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि सावधानीपूर्वक योजना और समर्पित प्रयास है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

चीन समेत पड़ोसी ...

कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए यह सख्त नियम लागू किया गया था। पुराने नियमों के अनुसार, भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों (चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान) से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी।

गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में भारी तनाव आ गया था। इसके परिणामस्वरूप, भारत सरकार ने टिकटॉक, वीचैट और यूसी ब्राउजर जैसे 200 से अधिक चीनी मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था।

देश में रणनीतिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए भी केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी इन्वेस्टमेंट एजेंडा 2024' के तहत कैबिनेट ने कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है। इन फैसलों में रेलवे, हाईवे, एविएशन और ग्रामीण जल आपूर्ति जैसे प्रमुख सेक्टर्स शामिल हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये के फंड में से सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों और ग्रामीण विकास पर केंद्रित है। सरकार ने 'जल जीवन मिशन' के विस्तार के लिए 8.7 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

जूडिशियल अफसरों पर ...

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने की हिम्मत भी मत करिए। आप उनसे और कितनी कुर्बानी चाहते हैं? वे पश्चिम बंगाल से हटाए गए मतदाताओं के मामलों की सुनवाई के लिए तय समय से ज़्यादा काम कर रहे हैं। मैं इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करूंगा। चीफ जस्टिस कहा कि उनके फैसलों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग को कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की ओर से रिवीजन प्रक्रिया के संबंध में उठाए गए मुद्दों का समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही, पश्चिम बंगाल सरकार को एसआईआर जांच में जुटे जूडिशियल अफसरों को पर्याप्त सहायता और लॉजिस्टिकल सपोर्ट सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिया।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग से सवाल किया कि न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने वाली नई याचिका किसने दायर की है? याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुईं राज्यसभा सांसद और सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी और टीएमसी सांसद वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई नई याचिका दायर होने की जानकारी नहीं है, जिसमें इस तरह के सवाल उठाए गए हों। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर में हटाए गए नामों के खिलाफ की गई अपीलों की सुनवाई के लिए हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस और हाई कोर्ट के पूर्व जजों की एक 'अपीलीय ट्रिब्यूनल' गठन करने का निर्देश दिया।

इस नए अपीलीय ट्रिब्यूनल में ऐसे वोटर अपील कर सकते हैं, जिनके दावे न्यायिक अधिकारियों ने खारिज कर दिए हैं। इस ट्रिब्यूनल में कितने सदस्य होंगे, यह तय करने का फैसला कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पर छोड़ दिया गया है। बता दें कि एसआईआर की सुनवाई के दौरान याचिका करने वालों की ओर पेश वकीलों ने यह सवाल उठाया था कि अगर न्यायिक अधिकारी किसी वोटर के दावे को खारिज करते हैं तो उनके पास अपील करने का विकल्प नहीं है। हालांकि कोर्ट ने साफ किया कि न्यायिक अधिकारियों की ओर से जारी आदेशों के खिलाफ किसी भी कार्यकारी या प्रशासनिक मंच के सामने अपील नहीं की जा सकेगी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम ऑफ द टूर्नामेंट में संजू-बुमराह समेत 4 भारतीय

साउथ अफ्रीका के मार्करम कप्तान, पाकिस्तान के फरहान और वेस्टइंडीज के होल्डर भी शामिल

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान किया है। चैंपियन बनी भारतीय टीम के चार खिलाड़ी इस टीम में शामिल किए गए हैं। इनमें संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह का नाम है।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को टीम का ओपनर बनाया गया है। इस टीम की कप्तानी साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले एडेन मार्करम को दी गई है। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी और वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर भी टीम में शामिल हैं।

संजू प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

टीम में संजू सैमसन का ओपनर और बतौर विकेटकीपर नाम हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन ने पांच पारियों में 321 रन बनाए। वह वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की पारी खेली, जो टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

3 अर्धशतक बनाने वाले ईशान भी टीम में

ईशान किशन ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 317 रन बनाए और 193.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी। पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की पारी और फाइनल में अर्धशतक उनकी अहम पारियों में शामिल रही।

हार्दिक-जसप्रीत को भी जगह

हार्दिक पांड्या को ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए टीम में जगह मिली। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए और पूरे टूर्नामेंट में 9 विकेट भी लिए। वहीं जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आठ मैच में 14 विकेट लिए। फाइनल में उन्होंने 4 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

साउथ अफ्रीका-इंग्लैंड के 2-2 प्लेयर्स

टीम में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भी शामिल हैं, जो 383 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर रहे। साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को भी टीम में जगह मिली है।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स और स्पिनर आदिल राशिद, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल हैं। अमेरिका के शैडली वैन शाल्कविक को टीम का 12वां खिलाड़ी चुना गया है।

वरुण, सूर्या और अभिषेक टीम में जगह नहीं

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव और इस फॉर्मेट के नंबर-1 बैटर और बॉलर अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह नहीं मिल पाई। सूर्या ने 9 मैच में 242 और अभिषेक ने 8 मैच में 141 रन बनाए। वहीं वरुण चक्रवर्ती के नाम 14 विकेट थे।

न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया का कोई खिलाड़ी नहीं

फाइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड के किसी भी प्लेयर को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं ग्रुप स्टेज में जिम्बाब्वे से हारकर बाहर होने ऑस्ट्रेलिया के भी किसी भी खिलाड़ी को टीम में नहीं रखा गया है।

'संजू सैमसन बन सकते हैं भारत की टी20 टीम के कप्तान'

खेल डेस्क, 10 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले विस्फोट खिलाड़ी संजू सैमसन इस वक्त छाए हुए हैं. इस खिलाड़ी ने कमाल की बैटिंग कर टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाया और वो प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुने गए. संजू सैमसन के इस कमाल प्रदर्शन के बाद अब उन्हें टीम इंडिया का टी20 कप्तान बनाने की बातें हो रही हैं. पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि अगर सूर्यकुमार यादव किसी वजह से कप्तानी छोड़ते हैं तो संजू सैमसन टीम को लीड करने के अच्छे विकल्प हैं.

संजू सैमसन के अंदर टी20 कप्तान बनने का दम

मोहम्मद कैफ ने कहा, ' संजू सैमसन कप्तान बन सकते हैं. कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है. जिस खिलाड़ी को पता हो कि आउट ऑफ फॉर्म खिलाड़ी भी अहम है, जो समझता है कि असफलता खेल का हिस्सा है, अच्छी फिटनेस हो तो सूर्यकुमार यादव 38 तक खेल सकते हैं. छोटे फॉर्मेट में तो और जरूरी है कि कोई तजुर्बे वाला कप्तान हो. सूर्या अगर हट जाते हैं तो संजू अच्छा विकल्प हैं. संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी का अनुभव भी है. वो टीम को फाइनल में भी पहुंचा चुके हैं. उनकी फॉर्म अच्छी रही, फिटनेस बनाकर रखी तो बिल्कुल वो कप्तानी कर सकते हैं.'

सूर्यकुमार यादव को हटाना सही रहेगा?

सूर्यकुमार यादव फिलहाल 35 साल के हैं. 2028 टी20 वर्ल्ड कप तक वो 37 साल के हो जाएंगे. 37 साल की उम्र में वो टीम की कमान संभालेंगे, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल है. वैसे यहां उम्र से ज्यादा उनकी फॉर्म और फिटनेस पर ये बात निर्भर करेगी. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप तो जीता लेकिन बतौर खिलाड़ी उनका प्रदर्शन औसत रहा. सूर्यकुमार यादव ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ यूएसए के खिलाफ अर्धशतक लगाया. वो सेमीफाइनल और फाइनल में भी फेल रहे. खिताबी मुकाबले में तो वो गोल्डन डक पर आउट हो गए. सूर्या ने टी20 वर्ल्ड कप में 30.25 की औसत से 242 रन ही बनाए, उनका स्ट्राइक रेट भी 136 का रहा. साफ है सूर्या का बल्ला नहीं चल रहा है, ऐसे में उनका कप्तान रहना तो छोड़िए उनका टीम में रहना ही मुश्किल है. अब देखना ये है कि बीसीसीआई क्या फैसला लेती है.

इंग्लैंड की टी20 लीग द हंड्रेड में भारतीय दिग्गज हेमंग बदानी की एंट्री, मिली बड़ी जिम्मेदारी

लंदन, 10 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड की टी20 लीग द हंड्रेड का नया सीजन 21 जुलाई से 16 अगस्त तक खेला जाएगा. इस बार द हंड्रेड में बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है. द हंड्रेड में कुल आठ फ्रेंचाइजी हैं, इनमें से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, सदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स जैसी टीमों के मालिक अब इंडियन हैं. वहीं, पहली पार लीग में खिलाड़ियों का ऑक्शन भी होने जा रहा है. द हंड्रेड का ऑक्शन 2 दिन होगा. 11 मार्च को महिला और 12 मार्च को पुरुष खिलाड़ियों पर बोली लगेगी, ये ऑक्शन लंदन में आयोजित होगा. इससे पहले सदर्न ब्रेव की टीम ने बड़ा फैसला लिया है.

सदर्न ब्रेव टीम में इस भारतीय की एंट्री

द हंड्रेड लीग की टीम सदर्न ब्रेव ने अपने पुरुष टीम के लिए नए कोचिंग स्टाफ का ऐलान कर दिया है. भारतीय क्रिकेट के पूर्व बल्लेबाज और अनुभवी कोच हेमंग बदानी को टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है. वहीं, इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज इयान बेल असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे. यह बदलाव इसलिए अहम है क्योंकि जीएमआर ग्रुप ने पिछले साल सदर्न ब्रेव में 49% हिस्सेदारी हासिल की थी. इसके बाद से टीम के कोचिंग ढांचे में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है.

हेमंग बदानी के पास कोचिंग का काफी अनुभव

हेमंग बदानी फिलहाल आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हैं, जहां उन्होंने पिछले सीजन में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी. हालांकि प्लेऑफ में जगह नहीं बन पाए. उनके पास फ्रेंचाइजी क्रिकेट में काफी अनुभव है, वह मेजर लीग क्रिकेट में सीटल ओरकास और आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स जैसी जीएमआर ग्रुप की टीमों के साथ भी जुड़े रहे हैं. उनकी कोचिंग स्टाइल और रणनीति ने कई लीगों में सफलता दिलाई है.

दूसरी ओर, इयान बेल इंग्लैंड की कंडीशन को ध्यान में रखते हुए टीम में शामिल किए गए हैं. उन्होंने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स में भी बदानी के साथ काम किया है. इंग्लैंड की अंडर-19 और लॉयंस टीमों के साथ काम करने के अलावा, उन्होंने श्रीलंका की टेस्ट टीम के बैटिंग कोच के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर योगदान दिया है. वह न्यूजीलैंड टीम के साथ भी 2023 वनडे वर्ल्ड कप से पहले जुड़े थे. हैंड्रेड में वह पहले बर्मिंघम फीनिक्स के असिस्टेंट कोच रह चुके हैं.

क्रिकेटर कुलदीप यादव वंशिका संग मसूरी में 7 फेरे लेंगे

14 मार्च को शादी, 17 को लखनऊ में रिसेप्शन; सीएम योगी को दिया न्योता

कानपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के फिरकी गेंदबाज कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी करने जा रहे हैं। दोनों 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में सात फेरे लेंगे। तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होगी।

इस बीच, कुलदीप के पिता राम सिंह यादव ने लखनऊ में सीएम योगी को शादी का न्योता दिया। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह, प्रिया सरोज समेत कई करीबी लोग शामिल हुए थे।

पहले दोनों शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन भारतीय टीम के व्यस्त शेड्यूल और टी20 विश्व कप की तैयारियों की वजह से तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब विश्व कप चैंपियन बनने के बाद कुलदीप नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। शादी की रस्में 13 मार्च से शुरू होंगी। इस दिन हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम होगा। शादी के बाद लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन दिया जाएगा। इसमें जाने-माने क्रिकेटर्स, बॉलीवुड की नामचीन हस्तियां और यूपी के दिग्गज राजनेता शामिल होंगे।

कुलदीप टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। मैच में कुलदीप ने 14 रन देकर एक विकेट लिया था। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए अब तक 191 मैच खेले हैं। उन्होंने 22.50 के एवरेज और 4.84 की इकोनॉमी रेट से 365 विकेट झटके हैं। 31 साल के कुलदीप ने 9 मौकों पर पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। बचपन के दोस्त, धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदलीः कुलदीप की होने वाली पत्नी वंशिका कानपुर के श्याम नगर की रहने वाली हैं। पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी में कार्यरत हैं। वंशिका ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं। कुलदीप यादव लाल बंगले इलाके में रहते हैं। दोनों के घर के बीच दूरी सिर्फ 3 किलोमीटर है। दोनों बचपन के दोस्त हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई।

कुलदीप ने कहा था- वंशिका उनके लिए खासः कुलदीप ने साल 2024 में एक इंटरव्यू में कहा था कि वह किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से शादी नहीं करेंगे। उनकी पत्नी ऐसी होगी, जो परिवार का ध्यान रख सके। वंशिका के बारे में बात करते हुए कुलदीप ने बताया था कि उनकी जिंदगी में उनके लिए खास जगह है। उनका रिश्ता बहुत पुराना है।

टीम इंडिया को 131 करोड़ देगा बीसीसीआई

बोर्ड ने खिलाड़ियों, स्टाफ और सिलेक्टर्स को बधाई दी

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया है। भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह खिताब अपने नाम किया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को हराया और ट्रॉफी जीत ली। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सिलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बोर्ड ने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करती रहेगी।

भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारतीय टीम 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया।

अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।

सूर्या का 500 साल पुरानी बावड़ी में फोटोशूट

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों के जश्न के अलग-अलग अंदाज देखने को मिले। कप्तान सूर्यकुमार यादव गुजरात के गांधीनगर स्थित 500 साल पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी अडालज नी वाव में ट्रॉफी के साथ फोटोशूट करते नजर आए।

'शराब पीकर पीटा, पैसे छीने, कई दिन भूखा रखा'

मॉडल पत्नी ने क्रिकेटर अमित मिश्रा पर लगाए गंभीर आरोप

कानपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में मॉडल गरिमा तिवारी ने अपने पति और आईपीएल क्रिकेटर अमित मिश्रा सहित ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कराया है. पुलिस से मदद न मिलने पर पीड़िता ने अब अदालत की शरण ली है, जहां जल्द ही मामले की सुनवाई होगी.

यूपी के कानपुर की 35 वर्षीय मॉडल गरिमा तिवारी ने अतिरिक्त सिविल जज की अदालत में अपने पति आईपीएल क्रिकेटर अमित मिश्रा और उनके परिजनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. गरिमा ने दहेज के लिए शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न, मारपीट और खुदकुशी के लिए उकसाने के गंभीर आरोप लगाए हैं. साल 2021 में शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े के बीच विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है. पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न करने के कारण पीड़िता ने कोर्ट के जरिए न्याय की गुहार लगाई है.

इंस्टाग्राम पर प्यार और फिर शादी

गरिमा तिवारी ने मीडिया को बताया कि उनकी और अमित मिश्रा की मुलाकात 2019 में इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी. तीन साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, उन्होंने 26 अप्रैल 2021 को कानपुर क्लब में शादी की थी. अमित मिश्रा वर्तमान में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में अधिकारी हैं. गरिमा का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल वालों ने होंडा सिटी कार और 10 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी थी.

प्रताड़ना और करियर पर असर

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मॉडल का आरोप है कि अमित शराब पीकर अक्सर उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज करते थे. उन्हें कई दिनों तक भूखा रखा जाता था और उनकी मॉडलिंग से होने वाली कमाई भी छीन ली जाती थी. इस प्रताड़ना की वजह से गरिमा डिप्रेशन में चली गईं और उन्हें अपना करियर छोड़ना पड़ा. मानसिक तनाव के चलते उन्होंने एक बार फिनाइल पीकर आत्महत्या की कोशिश भी की थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था.

पुलिस पर रसूख के प्रभाव का आरोप

गरिमा ने दावा किया कि उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय सहित कई बार गुहार लगाई, लेकिन अमित के प्रभाव के कारण एफआईआर दर्ज नहीं हुई. उनके वकील करीम अहमद सिद्दीकी ने बताया कि पुलिस की निष्क्रियता के बाद अदालत का रुख किया गया है. बता दें कि अमित पर यह तीसरा केस है. इससे पहले गरिमा ने 2025 में घरेलू हिंसा और 50,000 रुपये मासिक भत्ते व 1 करोड़ रुपये के मुआवजे के लिए रखरखाव याचिका दायर की थी.

स्विस ओपन में हिस्सा नहीं ले रहीं पीवी सिंधू

बासेल, 10 मार्च (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी। वहीं, एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और उन्हें आल इंग्लैंड चैंपियनशिप से नाम वापस लेना पड़ा था। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, 'सिंधू स्विस ओपन नहीं खेलेंगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थीं। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा।'

पश्चिम एशिया संकट के बीच ऑस्ट्रेलिया में फंसी ईरानी महिला फुटबॉल टीम

ट्रंप ने की बड़ी अपील

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया से ईरान की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम को शरण देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि टीम को वापस ईरान भेजना एक बड़ी मानवीय भूल होगी।ऑस्ट्रेलिया में चल रहे एएफसी महिला एशियन कप के दौरान यह विवाद सामने आया। टूर्नामेंट के दौरान ही अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हवाई हमले किए, जिनमें ईरान के सर्वोच्च की मौत की खबर सामने आई। इसी बीच ईरान की महिला टीम अपने पहले मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ राष्ट्रगान के दौरान चुप खड़ी रही।

टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई, जब वह फिलीपींस से 2-0 से हार गई। खिलाड़ियों के वैश्विक संघ फिफप्रो ने भी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। संघ का कहना है कि टीम के ईरान लौटने पर उनके साथ कठोर कार्रवाई होने का खतरा हो सकता है। इस मुद्दे पर ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ऑस्ट्रेलिया टीम को वापस भेजकर भयंकर मानवीय गलती कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऑस्ट्रेलिया शरण नहीं देता तो अमेरिका इन खिलाड़ियों को अपने यहां आश्रय देने के लिए तैयार है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया सरकार के सहायक विदेश मंत्री मैट थिस्टलेटवेट ने कहा कि सरकार गोपनीयता के कारण किसी भी खिलाड़ी के व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती।

गैरी कर्स्टन श्रीलंका के नए हेड कोच बने : दो साल का कॉन्ट्रैक्ट, पूर्व साउथ अफ्रीकी ने भारत को 2011 वर्ल्ड कप दिलाया था

कोलंबो, 10 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व साउथ अफ्रीकी ओपनर गैरी कर्स्टन श्रीलंका के नए हेड कोच होंगे। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने इसका ऐलान किया। वे 15 अप्रैल 2026 से टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कर्स्टन को दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त किया गया है। वे सनथ जयसूर्या की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम के सुपर-8 से बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था। श्रीलंका के साथ उनके दो साल के कार्यकाल में सबसे बड़ा टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्ड कप होगा, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। टीम की कोशिश उस टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालिफाई करने की होगी। कोचिंग में भी कर्स्टन का अच्छा रिकॉर्ड रहा है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 2011 का वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद टीम ने टेस्ट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और रैंकिंग में नंबर-1 बना था। इसके बाद उन्होंने दो साल तक साउथ अफ्रीका की टीम को भी कोचिंग दी। कर्स्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच भी बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने बीच में ही पद छोड़ दिया था।

मुख्यमंत्री की टिप्पणियों के खिलाफ कर्मचारियों का विरोध

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा सफाईकर्मियों, पुलिसकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों की आलोचना के बाद कर्मचारियों के बीच नाराजगी बढ़ गई है। नगर निगम कर्मचारियों और विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने उनकी टिप्पणियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और इसे अनुचित बताया। मंगलवार को नगर निगम कर्मचारियों ने हैदराबाद में खराब कूड़ा संग्रहण और बिगड़ती स्वच्छता व्यवस्था के लिए सफाई कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराए जाने पर विरोध जताया। स्वच्छ ऑटो के कर्मचारी जगदगिरिगुट्टा स्थित ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के सेकेंडरी कलेक्शन और ट्रांसपोर्ट पोर्ट पर एकत्र हुए और मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी की मांग की।

दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और मूसी नदी में बढ़ते प्रदूषण का जिक्र करते हुए कहा था कि कचरा संग्रहण के लिए लगभग 5,000 ऑटो-रिक्शा तैनात होने के बावजूद सफाई कार्य प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा है। उन्होंने नगर प्रशासन विभाग से व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए थे। इसी तरह सोमवार को पुलिस अधिकारियों के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में यातायात बड़ी चुनौती बन गया है और पुलिस की तैनाती पर्याप्त नहीं दिखाई देती। उन्होंने अधिकारियों से अपने कार्य में लापरवाही छोड़कर जिम्मेदारी से काम करने को कहा। मुख्यमंत्री की इन टिप्पणियों पर कर्मचारी संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तेलंगाना उद्योगुला संगम के अध्यक्ष ए. पद्माचार्य ने कहा कि कर्मचारियों

और श्रमिकों को दोष देना समाधान नहीं है, बल्कि सरकार को संसाधनों का बेहतर उपयोग कर राजस्व बढ़ाने और प्रशासन को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

निजी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण की कीमतों को लेकर खफा हुए स्वास्थ्य मंत्री

अंगदान प्रक्रिया को सरल बनाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने अधिकारियों को तेलंगाना में अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण उपचार के क्षेत्र में तेलंगाना को देश के अन्य राज्यों के लिए आदर्श बनाने हेतु एक कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम की नीति के निर्माण तथा चिकित्सीय संस्थान अधिनियम के कार्यान्वयन पर निजी अस्पतालों के प्रबंधन के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस समीक्षा के दौरान निजी अस्पतालों के प्रबंधन के साथ अंग प्रत्यारोपण उपचारों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने तेलंगाना राज्य में अंगदान अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक व्यापक नीति के निर्माण पर निजी अस्पतालों के प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श किया। मंत्री ने निजी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण उपचार की कीमतों पर नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने निजी प्रबंधन को सलाह दी कि वे शुल्क को नियंत्रित करें ताकि सामान्य नागरिक भी अंग प्रत्यारोपण उपचार का खर्च वहन कर सके। दामोदर राजनरसिम्हा ने निजी अस्पतालों को होने वाली समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली और कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अंग प्रत्यारोपण उपचार के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में चार अस्पतालों को हाथ प्रत्यारोपण उपचार की अनुमति दी

गई है। मंत्री ने इस अवसर पर निजी अस्पतालों के प्रबंधन के साथ राज्य में चिकित्सीय संस्थान अधिनियम के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में इस अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। मंत्री ने कहा कि निजी अस्पतालों में चिकित्सा खर्च सामान्य नागरिक पर बोझ नहीं बनना चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी निजी अस्पतालों में उपचार शुल्क को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई की गई है।

सड़क पार करते समय वाहन की चपेट में आया हिरण घायल

संगारेड्डी, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोहिर मंडल के डिगवाल गांव में सोमवार को एनएच-65 पार करते समय एक हिरण अज्ञात वाहन की चपेट में आकर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल हिरण को सुरक्षित बचा लिया। वन अधिकारियों ने घायल काले हिरण को इलाज के लिए जहीराबाद के एक पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। स्थानीय पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार, बेहतर इलाज और देखभाल के लिए हिरण को बाद में नेहरू जूलोजिकल पार्क भेजा जा सकता है।

मंदिर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी

संगारेड्डी, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात आरसी पुरम मंडल के अशोक नगर कॉलोनी स्थित श्री वर सिद्धि विनायक स्वामी मंदिर में चोरों ने धावा बोलकर छह तोला सोने के आभूषण, आठ किलो चांदी और 90 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। घटना का पता मंगलवार सुबह तब चला जब मंदिर के पुजारी पूजा के लिए पहुंचे और मंदिर में सामान बिखरा हुआ देखा। सूचना मिलने पर आरसी पुरम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच टीम ने मंदिर परिसर से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

नवजात बेटे को 17 लाख रुपये में बेचने का आरोप

मेदक, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में एक आदिवासी दंपति पर अपने नवजात बेटे को कामारेड्डी जिले के एक निःसंतान दंपति को 17 लाख रुपये में बेचने का आरोप सामने आया है। मामला सोमवार को तब उजागर हुआ जब एक स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने देखा कि शिशु और दंपति दोनों घर पर नहीं हैं। जानकारी के अनुसार, हवेलिघनपुर मंडल के लिंगासनीपल्ली थंडा की निवासी महिला ने 10 फरवरी को मेदक स्थित मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र में एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था। बताया जा रहा है कि बच्चे के जन्म के करीब एक सप्ताह बाद दंपति ने उसे कामारेड्डी के एक निःसंतान दंपति को बेच दिया। आंगनवाड़ी केंद्र से मिलने वाले अंडे और भोजन लेने के लिए महिला के नियमित रूप से न आने पर कार्यकर्ता उसके घर पहुंची, जहां ताला लगा मिला। पड़ोसियों से पूछताछ में पता चला कि दंपति रिश्तेदारों के यहां गए हैं। सोमवार को ग्रामीणों ने दंपति को चेगुंटा में बिना बच्चे के देखा और इसकी सूचना आईसीडीएस पर्यवेक्षक विजयलक्ष्मी को दी। इसके बाद विजयलक्ष्मी दंपति को लेकर हवेलिघनपुर पुलिस थाने पहुंचीं, जहां दंपति ने कथित तौर पर बच्चे को बेचने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

नए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला हैदराबाद पहुंचे

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नव-नियुक्त राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला मंगलवार को हैदराबाद पहुंचे। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया है। वे बुधवार को नए राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। शुक्ला वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं और वे जिष्णु देव वर्मा का स्थान लेंगे, जिन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

जिष्णु देव वर्मा ने 31 जुलाई 2024 को तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला था। सोमवार को उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, हैदराबाद जिला कलेक्टर हरिचंदना दासारी, विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर सहित अन्य अधिकारियों ने उन्हें विदाई दी। शिव प्रताप शुक्ला का जन्म 1 अप्रैल 1952 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रुद्रपुर गांव में हुआ था। छात्र जीवन में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। वे उत्तर प्रदेश विधानसभा के कई बार सदस्य रहे और विभिन्न विभागों में मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। 2016 में वे उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य चुने गए और 2017 में केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री भी रहे।

गांधी प्रतिमा को लेकर विवाद, तुषार गांधी ने मुख्यमंत्री से मांगा स्पष्टीकरण

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस बीच महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट करने की अपील की है। तुषार गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नागरिकों को यह गलतफहमी हो रही है कि हैदराबाद में लोगों को उनके घरों से हटाकर गांधी प्रतिमा के लिए जगह बनाई जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि इस भ्रम को दूर करने के लिए स्पष्ट बयान जारी किया जाए।

यह मुद्दा उस समय चर्चा में आया जब अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा था कि एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स ईसा नदी के 50 मीटर के बफर जोन के भीतर बना हुआ है और नियमों के अनुसार ऐसे क्षेत्र में बनी संरचनाओं को खाली कराना आवश्यक है।

उन्होंने कहा था कि बफर जोन में स्थित होने के कारण ऐसे अपार्टमेंट का भविष्य में कोई मूल्य नहीं रह जाएगा और वहां फ्लैट खरीदना-बेचना भी संभव नहीं होगा। कांग्रेस सरकार द्वारा गांधी सरोवर परियोजना विकसित करने की योजना की घोषणा के बाद से तुषार गांधी

इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गांधी प्रतिमा के लिए लोगों को उनके घरों से हटाना पूरी तरह गैर-गांधीवादी कदम होगा और सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।

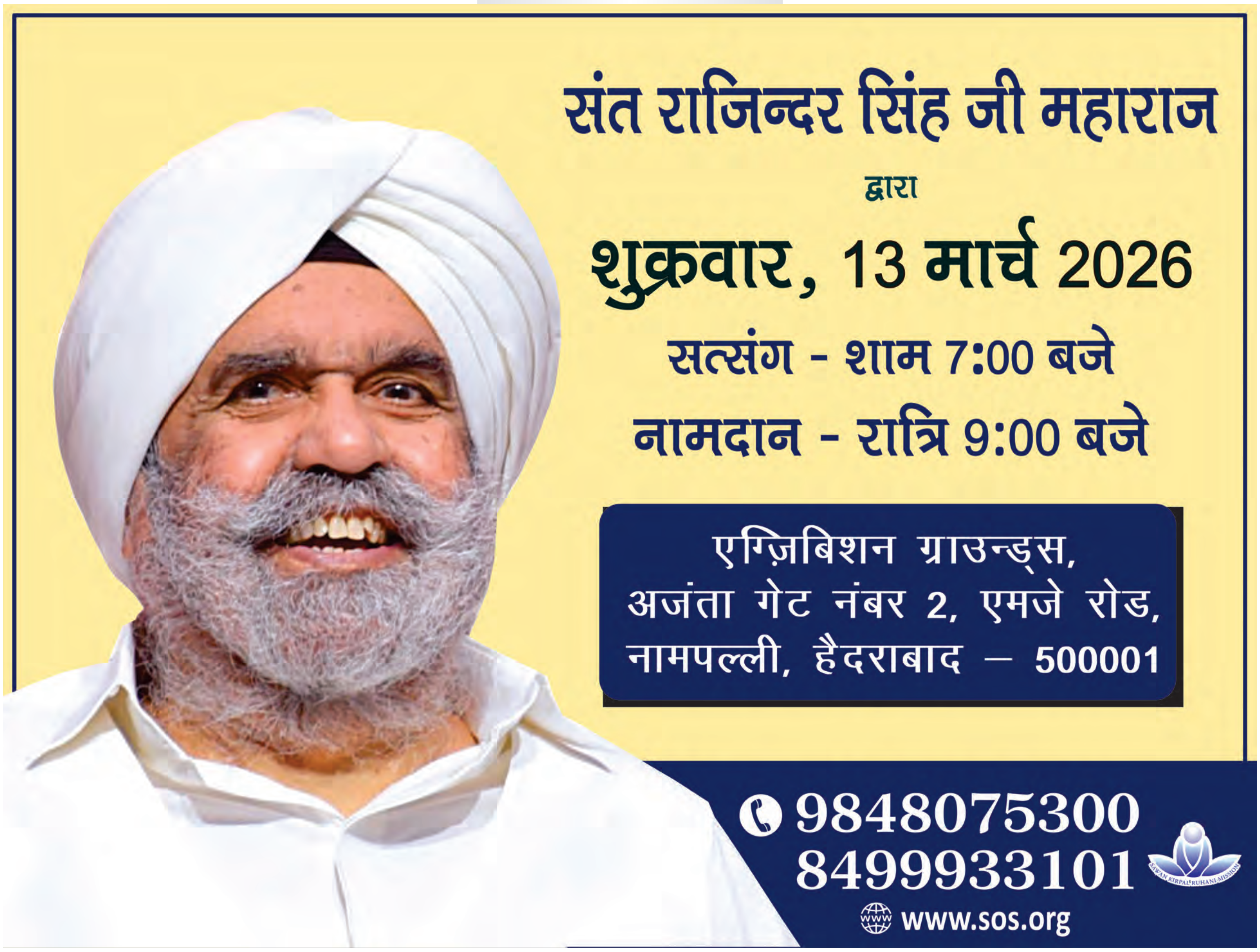

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.: No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.